नई दिल्ली । मंगलवार, 28 अप्रैल, 2026
बैशाख शुक्ल पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :112 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल आईटीटीएफ वर्ल्ड टीम चैंपियनशिप ...
@ विचार स्त्री को देह से आगे देखने की आवश्यकता...
@ व्यापार भारत में सोने में निवेश की हिस्सेदारी...

फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से भारत-न्यूजीलैंड का एक नया युग शुरू

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड ने सोमवार को ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए, इसके तहत न्यूजीलैंड को होने वाले 100 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर टैरिफ छूट मिलेगी। वहीं, न्यूजीलैंड से भारत आने वाले 95 प्रतिशत सामान पर टैरिफ में छूट दी गई है या फिर टैरिफ कम कर दिया गया है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और उनके न्यूजीलैंड समकक्ष टॉड मैक्ले की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

16 मार्च, 2025 को शुरू हुए इस मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) ने रिकॉर्ड नौ महीनों में संपन्न होकर दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक नया अध्याय स्थापित किया है। इस समझौते के तहत भारत को सभी टैरिफ उत्पादों पर तत्काल 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी।

यह न्यूजीलैंड द्वारा वर्तमान में भारत से निर्यात किए जाने वाले लगभग 450 टैरिफ उत्पादों पर लगाए जाने वाले 10 प्रतिशत शुल्क से कम है, जिनमें वस्त्र और परिधान उत्पाद, चमड़ा और टोपी, चीनी मिट्टी के बर्तन, कालीन और वाहन एवं वाहन पुर्जे शामिल हैं।

इस मुक्त व्यापार समझौते में एक प्रावधान यह भी है कि न्यूजीलैंड अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर का निवेश करेगा। यह यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईयू) द्वारा भारत के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते में किए गए 100 अरब डॉलर के निवेश की 'प्रतिबद्धता' के समान है।

इसके अलावा, इस एफटीए में कामकाजी पेशेवरों और छात्रों की आवाजाही से संबंधित कई प्रावधान शामिल हैं। न्यूजीलैंड ने किसी भी देश के साथ पहली बार छात्र आवाजाही और अध्ययन के बाद कार्य वीजा संबंधी अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत, भारतीय छात्र न्यूजीलैंड में पढ़ाई के दौरान विस्तारित अध्ययन के बाद कार्य वीजा के साथ प्रति सप्ताह 20 घंटे तक काम कर सकते हैं।

एफटीए में भारतीय पेशेवरों लोगों को भी उच्च वेतन वाले रोजगार के अवसर खुलेंगे। समझौते के तहत कौशल युक्त भारतीय पेशेवरों को अस्थायी रोजगार वीजा देगा, जिसके तहत पेशेवर न्यूजीलैंड में तीन साल तक रहकर कार्य कर सकेंगे। हालांकि, यह कोटा 5,000 वीजा का निर्धारित किया गया है।

समझौते में शामिल वर्किंग हॉलिडे वीजा कार्यक्रम के तहत, प्रतिवर्ष 1,000 युवा भारतीय 12 महीने की अवधि के लिए न्यूजीलैंड में कई बार प्रवेश कर सकते हैं।

भारत ने दूध, क्रीम, मट्ठा, दही और पनीर जैसे सभी डेयरी उत्पादों के साथ-साथ कृषि उत्पादों सहित कई वस्तुओं को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से बाहर रखने में भी कामयाबी हासिल की है।

विकास के नए रास्ते खुलेंगे: पीएम मोदी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर हुए। इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुशी जाहिर की है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए कहा कि आज भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी में एक ऐतिहासिक पल है। मुझे खुशी है कि आज जिस भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर हस्ताक्षर हुए हैं, वह हमारी विकास साझेदारी को अभूतपूर्व गति देगा। यह उस गहरे भरोसे, साझा मूल्यों और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है, जो हमारे दोनों देशों को आपस में जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि इस समझौते से हमारे किसानों, युवाओं, महिलाओं, एमएसएमई, कारीगरों, स्टार्टअप्स, छात्रों और इनोवेटर्स को बहुत फायदा होगा। यह विकास के नए रास्ते खोलेगा, अवसर पैदा करेगा और विभिन्न क्षेत्रों में हमारे तालमेल को और गहरा करेगा।

ममता या भाजपा: बंगाल में अंतिम चरण का मतदान कल

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा के दूसरे और अंतिम चरण के लिए 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से जुड़ा प्रचार अभियान सोमवार शाम 6 बजे समाप्त हो गया। इसके साथ ही 48 घंटे का साइलेंस पीरियड शुरू हो गया है।

प्रचार अभियान के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर 24 परगना जिले के जगतदल में अपनी आखिरी रैली की। इस दौरान उन्होंने भरोसा जताया कि इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि वह अगले महीने फिर आएंगे, जहां वे पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे।

सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता के बाहरी इलाके दक्षिण 24 परगना के बेहाला में एक रोड शो में हिस्सा लिया। उन्होंने दावा किया कि 4 मई को मतगणना के बाद किसी भी संभावित हिंसा को रोकने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बल काफी समय तक राज्य में तैनात रहेंगे।

29 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए कुल 142 विधानसभा क्षेत्रों में वोटिंग होगी, जिसमें नदिया, पूर्व बर्धमान, हावड़ा, हुगली, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और कोलकाता के क्षेत्र शामिल हैं। यहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान कराया जाएगा। इन 142 सीटों पर कुल 1,448 उम्मीदवार मैदान में हैं। आयोग की पहल के तहत इस बार ईवीएम और और बैलेट पेपर पर उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें, उनका क्रमांक, नाम और चुनाव चिन्ह बड़े अक्षरों में दिए गए हैं, ताकि मतदाताओं को आसानी हो।

अब तक 510 करोड़ रुपए की वस्तुएं जब्त

नई दिल्ली। चुनाव आयोग की फ्लाइंग स्क्वाड और सुरक्षा एजेंसियों ने पश्चिम बंगाल में अब तक 510.10 करोड़ रुपए की नकदी, शराब और अन्य मुफ्त में बांटी जाने वाली वस्तुएं जब्त की हैं। यहां विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण का मतदान 29 अप्रैल को होना है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सोमवार तक राज्य में जब्त की गई वस्तुओं की कीमत 339 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार हो गई, जो 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान आयोग और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की गई जब्ती से अधिक है। 15 मार्च को चुनाव की घोषणा के बाद से आयोग ने 30 करोड़ रुपए नकद, 126.85 करोड़ रुपए की शराब, 110.12 करोड़ रुपए की ड्रग्स, 58.28 करोड़ रुपए की कीमती धातुएं और 184.85 करोड़ रुपए की अन्य मुफ्त वस्तुएं जब्त की हैं।

लद्दाख में बने पांच नए जिले, उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने किया ऐलान

एजेंसी ■ श्रीनगर

लद्दाख के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने सोमवार को लद्दाख में पांच नए जिलों के गठन की घोषणा की, जिससे केंद्र शासित प्रदेश में जिलों की संख्या मूल रूप से दो से बढ़कर सात हो गई है।

अधिकारियों ने बताया कि लद्दाख के उपराज्यपाल ने नुब्रा, शाम, चांगथांग, जांस्कर और द्रास नामक पांच नए जिलों के गठन की घोषणा की है, जिससे जिलों की कुल संख्या दो (लेह और कारगिल) से बढ़कर सात हो गई है।

इस कदम का उद्देश्य प्रशासन का विकेंद्रीकरण करना, दूरस्थ सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देना और बेहतर शासन के लिए लंबे समय से लंबित स्थानीय मांगों को पूरा करना है। पांच नए जिलों में से नुब्रा अपने रणनीतिक स्थान और उच्च ऊंचाई के लिए जाना जाता है, जिसका उद्देश्य पर्यटन अवसंरचना का विकास करना है।

शाम अपने क्षेत्र में स्थानीय शासन को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करता है। चांगथांग प्राचीन जनजातियों के संरक्षण और सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने को प्राथमिकता देता है।

जांस्कर, सड़क संपर्क और पर्यटन में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है। द्रास, बुनियादी ढांचे के निर्माण और सेना के अड्डे को सहायता प्रदान करने पर केंद्रित है और अपने रणनीतिक महत्व के लिए जाना जाता है। इस पहल का उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए शासन व्यवस्था को सुलभ बनाना, रोजगार के अवसर पैदा करना और सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी में सुधार करना है।

बंगाल में टीएमसी सांसद पर हमला

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के आरामबाग से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद मिताली बाग सोमवार दोपहर हुगली जिले के गोघाट में हुए एक हमले में घायल हो गईं। यह हमला तब हुआ, जब वह पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की चुनावी रैली में शामिल होने जा रही थीं।

खबरों के मुताबिक, इस घटना में उनकी कार तोड़ दी गई। ड्राइवर के बगल वाली अगली सीट पर बैठी होने के कारण उन्हें चोटें आईं। टीएमसी सांसद ने भाजपा समर्थकों पर हमला करने का आरोप लगाया। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सांसद मिताली बाग ने कहा कि भाजपा के गुंडों ने किस तरह कार को तोड़ दिया है। अभी तो वोटिंग शुरू भी नहीं हुई है, देखिए किस तरह एक महिला की आवाज को दबाया जा रहा है। हमलावरों ने उन्हें जान से मारने की कोशिश की।

हालांकि, भाजपा ने इन आरोपों से इनकार किया और टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया।

भाजपा के पूर्व आरामबाग अध्यक्ष और पुरसुराह से पार्टी के उम्मीदवार बिमान घोष ने कहा कि यहां उम्मीदवार प्रशांत दिगार के समर्थन में चुनाव प्रचार चल रहा था। उसी समय, गोघाट के तृणमूल नेता संजय खान की अगुवाई में कुछ गुंडों ने लाठियों, ईंटों, रॉड और बंदूकों से हमारे कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया। करीब 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि लगभग 50 लोग घायल हुए हैं। भाजपा उम्मीदवार की कार तोड़ दी गई। मिताली बाग इस घटना पर पर्दा डालने के लिए नाटक कर रही हैं।टीएमसी सूत्रों के अनुसार, मिताली बाग अपने घर से आरामबाग में अभिषेक बनर्जी के कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं, तभी गोघाट में उनकी गाड़ी पर हमला हो गया।घटना के कुछ ही देर बाद बाग सोशल मीडिया पर लाइव आईं और आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके काफिले पर हमला किया था।

हेजलवुड-भुवनेश्वर की आंधी में उड़ी दिल्ली कैपिटल्स

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की 9 विकेट से जीत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 39वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 9 विकेट से रौंदा। इस शानदार जीत के साथ आरसीबी ने टॉप-2 पायदान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 8 में से 6 मुकाबले जीतकर फिलहाल दूसरे स्थान पर मौजूद है। वहीं, 8 में से 5 मुकाबले गंवाने के बाद दिल्ली कैपिटल्स सातवें पायदान पर है।

अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी दिल्ली कैपिटल्स 16.3 ओवरों में सिर्फ 75 रन पर सिमट गई। इस टीम को दूसरी गेंद पर डेब्यूटेंट साहिल परख (0) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद टीम ने सिर्फ 8 के स्कोर तक अपने 6 विकेट खो दिए।

यहां से डेविड मिलर ने अभिषेक पोरेल के साथ सातवें विकेट के लिए 31 गेंदों में 35 रन जुटाए। डेविड 18 गेंदों में 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि अभिषेक ने 33 गेंदों में 3 चौकों के साथ 30 रन की पारी खेली।

रूस का ईरान के प्रति खुला समर्थन, राष्ट्रपति बोले- ईरान अपनी आजादी के लिए लड़ रहा

ट्रम्प बोले- ईरान के पास बहुत कम वक्त बचा है

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। बैठक में रूस ने ईरान के प्रति खुला समर्थन जताया।

रूसी मीडिया के मुताबिक, पुतिन ने कहा कि ईरानी जनता साहस और वीरता के साथ अपनी आजादी और संप्रभुता के लिए लड़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का संदेश मिला है। अराघची की यह यात्रा ऐसे समय हुई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच हालिया बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। ऐसे में ईरान रूस का समर्थन मजबूत करने में जुटा है। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प आज अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ अहम बैठक करेंगे। इसमें ईरान के साथ जारी तनाव, रुकी बातचीत और आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक में ईरान पर दोबारा बमबारी शुरू करने के विकल्प पर भी चर्चा हो सकती है।

ट्रम्प बोले- ईरान के पास बहुत कम वक्त बचा है। ट्रम्प ने रविवार को ईरान को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि उसके पास युद्ध खत्म करने के लिए सीजफायर पर सहमत होने के लिए सिर्फ तीन दिन हैं, नहीं तो उसकी तेल पाइपलाइन में ब्लास्ट हो जाएगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान तेल का निर्यात नहीं कर पाता, तो पाइपलाइन में दबाव बढ़ेगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि तेल को जहाजों या स्टोरेज टैंकों में भेजने का रास्ता बंद है और उस पर नाकेबंदी लगी हुई है।

उन्होंने दावा किया कि जब तेल का बहाव अचानक रोकना पड़ता है, तो पाइपलाइन के अंदर दबाव बनता है और तकनीकी व प्राकृतिक कारणों से वह फट सकती है। ट्रम्प के मुताबिक, अगर ऐसा हुआ तो पाइपलाइन को पहले जैसी हालत में दोबारा बनाना लगभग नामुमकिन होगा और उसकी क्षमता भी काफी घट जाएगी।

धमतरी में पूर्व मंत्री के भाई के घर ईडी रेड

धमतरी। छत्तीसगढ़ के चर्चित भारतमाला घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने जांच का दायरा और बढ़ा दिया है। सोमवार तड़के ईडी की टीम ने धमतरी के कुरूद में पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर के चचेरे भाई भूपेंद्र चंद्राकर के ठिकानों पर छापेमारी की। साथ ही कुरूद में ही राइस मिलर रौशन चंद्राकर के यहां रेड मारी गई। इसके अलवा अभनपुर में जमीन कारोबारी गोपाल गांधी और उनसे जुड़े अन्य ठिकानों पर भी दबिश दी गई है। यह कार्रवाई सुबह से जारी है। सुबह तीन गाड़ियों में 12 से अधिक ईडी के अधिकारी भूपेंद्र चंद्राकर के घर पहुंचे। टीम घर के अंदर जांच-पड़ताल कर रही है।

आरोप है कि उन्होंने कथित भारतमाला घोटाले में अपने करीबियों को सिर्फ अभनपुर ही नहीं, बल्कि कायाबांधा (अभनपुर), दुर्ग, पाटन, राजनांदगांव के देवादा और मगरलोड जैसे क्षेत्रों में करोड़ों रुपए का मुआवजा दिलवाया है। इन आरोपों से संबंधित शिकायत दस्तावेजों के साथ दर्ज कराई गई थी, जिसके आधार पर ईडी यह जांच कर रही है।

बंगाल में भय नहीं भरोसा चाहिए, अब भाजपा चाहिए : पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान के लिए सोमवार शाम पांच बजे प्रचार समाप्त हो गया। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की जनता के नाम खुले पत्र के साथ एक ऑडियो जारी किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक ऑडियो संदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल के मेरे प्यारे भाइयों-बहनों, आप सबको मेरा नमस्कार। लोकतंत्र का हर महोत्सव बहुत पवित्र होता है। मुझे भी बंगाल के इस महोत्सव में हिस्सा लेने का अवसर मिला है। बीते दिनों मुझे आप सभी के सामने बंगाल के विकास को लेकर, बंगाल के उज्ज्वल भविष्य को लेकर और बंगाल के लोगों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर भाजपा का जो रोडमैप है, उस रोडमैप को रेखांकित करने का अवसर मिला है। चुनाव प्रचार खत्म हो रहा है। इस चुनाव की मेरी आखिरी रैली भी हो चुकी है। मैं एक पत्र के माध्यम से बंगाल के अपने हर परिवारजन का आभार तो व्यक्त करना चाहता ही हूं, लेकिन अपनी भावनाएं भी व्यक्त कर रहा हूं।

उन्होंने कहा कि इस चुनाव के दौरान मैंने बंगाल में एक अलग ही ऊर्जा की अनुभूति की। इतनी गर्मी और रैली के बाद भी मुझे बंगाल के इस चुनाव अभियान में जरा भी थकान महसूस नहीं हुई। ये रैलियां, ये रोड शो... मैं अनुभव करता था कि जैसे ये मेरी कोई धार्मिक यात्रा हो रही है। मैं मां काली के भक्तों के बीच जाता था, तो संभवत: मां काली भी मुझे निरंतर नई ऊर्जा से भरती जा रही थी। जब जनवरी 2024 में अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन हुआ था, उससे पहले मैंने श्रद्धापूर्वक 11 दिनों का व्रत किया था। मुझे अनुभव होता है, उस समय प्रभु श्रीराम में मुझे असीम ऊर्जा से भर दिया था। इस चुनाव में भी मुझे वही अनुभूति हुई, जैसे किसी देवी-देवता के मंदिर में दर्शन के समय होती है।

दिल्ली में 1 मई से हर शनिवार लगेंगे 'जन शिकायत समाधान कैंप': सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान विभागीय कार्यप्रणाली, योजनाओं के क्रियान्वयन, तकनीकी सुधारों और जनसेवा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन समीक्षा की गई। साथ ही विभाग की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों, चुनौतियों और आगामी रणनीतिक रोडमैप पर विस्तार से मंथन हुआ।

मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिए कि 1 मई से हर शनिवार सुबह 9 से 11 बजे तक सभी संबंधित केंद्रों पर असिस्टेंट कमिश्नर की मौजूदगी में 'जन शिकायत समाधान कैंप' लगाए जाएं। इन कैंपों में राशन कार्ड से जुड़े सभी लंबित मामलों का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी इनमें से किसी एक कैंप का अचानक निरीक्षण करेंगी ताकि यह देखा जा सके कि लोगों की शिकायतों का सही तरीके से निपटारा हो रहा है या नहीं। साथ ही, कैंप के दौरान लोगों को 'वन नेशन, वन राशन कार्ड' योजना के बारे में जागरूक किया जाएगा और बताया जाएगा कि एक समय में वे केवल एक ही स्थान से राशन लिया जा सकता है।

व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री ने नए लाभार्थियों के चयन के लिए एक विशेष समिति बनाने का प्रस्ताव दिया है। यह समिति निष्पक्ष तरीके से पात्रता की जांच करेगी। साथ ही नए लोगों को जोड़ने के लिए जल्द आवेदन मंगाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति छूट न जाए। मुख्यमंत्री ने राशन वितरण में गड़बड़ियों जैसे कम वजन देना, देरी करना और कटौती पर सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पूरी सप्लाई व्यवस्था में डीलर और सप्लायर की जिम्मेदारी तय की जाए और जो भी दोषी पाए जाएं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। तकनीकी सुधार की दिशा में मुख्यमंत्री ने नए स्मार्ट राशन कार्ड जारी करने के निर्देश दिए हैं। ये कार्ड नए डिजाइन, क्यूआर कोड और आधुनिक डिजिटल फीचर्स से लैस होंगे, जिससे राशन वितरण अधिक पारदर्शी और लोगों के लिए आसान हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों (पीडीएस) को एक समान और बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी 1,943 दुकानों पर एक जैसे सूचना बोर्ड लगाए जाएं, साफ-सफाई बनी रहे और सेवा की गुणवत्ता अच्छी हो। दुकानों की आय बढ़ाने के लिए जुलाई 2025 के आदेश के तहत पीएसयू के जरिए घरेलू और रोजमर्रा के सामान बेचने की अनुमति दी गई है।

बैठक में 'फ्री एलपीजी योजना' की स्थिति की समीक्षा की गई। अभी 15,47,595 पात्र लोगों में से 12,39,465 लोग इस योजना का लाभ ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दीपावली तक बाकी सभी पात्र परिवारों को भी इस योजना से जोड़ा जाए और उज्ज्वला कनेक्शन बढ़ाने के लिए विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जाए। इसके लिए तेल कंपनियों के साथ डेटा साझा किया जाएगा और जिला कार्यालयों में आधार केंद्र बनाकर 100 प्रतिशत ई-केवाईसी पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

शिवराज चौहान श्रीनगर में करेंगे पीएम ग्राम सड़क योजना-4 की शुरुआत

330 नई सड़कों से 1,600 किमी नेटवर्क का होगा विस्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को श्रीनगर के एसकेआईसीसी में एक विशेष कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4, बैच-2 की शुरुआत करेंगे।

इस कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी और अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहेंगे। यह कार्यक्रम केवल सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि विकास के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक माना जा रहा है।

साल 2000 से अब तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जम्मू-कश्मीर में 3,328 सड़कों का निर्माण हुआ है, जिससे कुल 19,851 किलोमीटर का सड़क नेटवर्क बना है, साथ ही 257 पुल भी बनाए गए हैं। अब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4, बैच-2 के तहत 330 नई सड़कों का निर्माण होगा, जो लगभग 1,600 किलोमीटर लंबी होंगी। इस परियोजना की लागत 3,550 करोड़ रुपए है और इससे 363 गांवों को फायदा मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि जमीन पर काम करने पर जोर दे रही है। कोशिश है कि सड़कों और सुविधाओं को सबसे दूर-दराज के गांवों तक पहुंचाया जाए।

यह कार्यक्रम 28 अप्रैल को सुबह 11 बजे शुरू होगा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4, बैच-2 की मंजूरी का पत्र भी सौंपेंगे। इसके अलावा दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत भी स्वीकृतियां जारी की जाएंगी, जिससे महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में काम होगा।

नोएडा में इंडस्ट्री सेक्टर के लिए बनेगा नया पुलिस पद

नोएडा। हाल ही में हुए श्रमिक आंदोलन के बाद कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस ने इंडस्ट्री सेक्टर में बेहतर कानून-व्यवस्था और समन्वय के लिए एक बड़ा प्रस्ताव तैयार किया है। इस प्रस्ताव के तहत पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) इंडस्ट्री का नया पद सृजित किया जाएगा, जो औद्योगिक इकाइयों, श्रमिकों और विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करने का काम करेगा।

गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट के तीनों जोनों में लगभग 15,000 रजिस्टर्ड औद्योगिक इकाइयां हैं, जिनमें लघु, मध्यम और बड़े उद्योगों के साथ-साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी शामिल हैं। इसके अलावा, कुल मिलाकर करीब 2 लाख छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयां संचालित हो रही हैं, जिनमें लगभग 4 लाख श्रमिक कार्यरत हैं।

इतने बड़े औद्योगिक ढांचे के कारण यह क्षेत्र कानून-व्यवस्था की दृष्टि से बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण बन गया है। प्रस्ताव के अनुसार, डीसीपी इंडस्ट्री के अधीन एक एसीपी (इंडस्ट्री), 3 निरीक्षक और विभिन्न रैंक के 25 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। यह टीम औद्योगिक इकाइयों, श्रमिक संगठनों और श्रमिकों के साथ सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करेगी।

साथ ही, उत्तर प्रदेश और भारत सरकार द्वारा लागू श्रम कानूनों के पालन की निगरानी भी की जाएगी। इस नए पद का मुख्य उद्देश्य इंडस्ट्री सेक्टर में उत्पन्न होने वाली समस्याओं की तत्काल जानकारी संबंधित पुलिस जोनों तक पहुंचाना और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है, ताकि किसी भी प्रकार के विवाद या आंदोलन को समय रहते नियंत्रित किया जा सके।

कमिश्नरेट पुलिस ने इस प्रस्ताव को जल्द लागू करने के लिए तीन दिनों के भीतर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्तर प्रदेश और गृह विभाग को भेजने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) द्वारा एक विस्तृत स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर भी तैयार किया जाएगा, जिसे शासन को भेजा जाएगा।

पुलिस के अनुसार, यह नया सेल तत्काल प्रभाव से कार्य करना शुरू कर देगा। अधिकारियों का मानना है कि इस पहल से इंडस्ट्री सेक्टर में संवाद बेहतर होगा, श्रमिकों की समस्याओं का समाधान तेजी से होगा और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

ओडिशा: राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग, बीजेडी ने 8 विधायकों की सदस्यता रद्द करने की मांग की

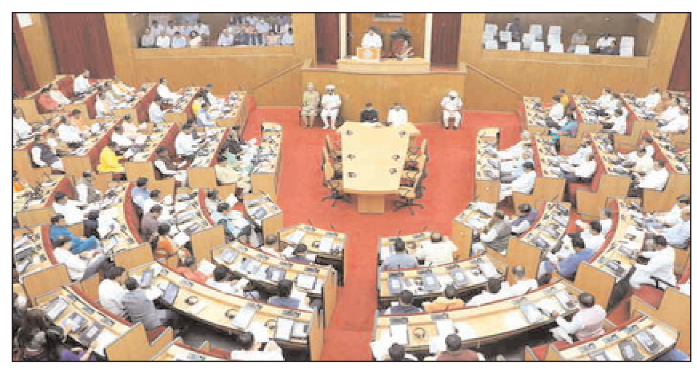

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजेडी) विधायकों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को उप नेता प्रसन्ना आचार्य के नेतृत्व में ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी से मुलाकात की और एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में आठ पार्टी विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग की गई, जिन्होंने कथित तौर पर पार्टी के व्हिप का उल्लंघन किया है और सार्वजनिक रूप से पार्टी के खिलाफ बयान दिए हैं।

यह मांग तब उठी जब इन आठ विधायकों पर आरोप लगा कि उन्होंने हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में पार्टी व्हिप का उल्लंघन करते हुए सत्तारूढ़ पार्टी समर्थित उम्मीदवार के पक्ष में वोट दिया। बीजेडी प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इन विधायकों का यह कदम पार्टी के निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है और यह दलबदल विरोधी कानून के दायरे में आता है।

उन्होंने अपने लिखित ज्ञापन में विधानसभा अध्यक्ष से जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुए इन सदस्यों को अयोग्य घोषित करने की मांग की।

बीजेडी की मुख्य सचेतक प्रमिला मलिक ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उन्होंने अध्यक्ष को पत्र लिखकर आठ विधायकों की अयोग्यता की औपचारिक मांग की है।

उन्होंने कहा, ''इन आठ विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में पार्टी के निर्देशों के खिलाफ वोट दिया और मीडिया के सामने भी पार्टी विरोधी बयान दिए हैं। वे अब पार्टी में रहने के योग्य नहीं हैं, इसलिए उन्हें निलंबित कर दिया गया है। हमने अध्यक्ष से उनकी सदस्यता तुरंत रद्द करने की मांग की है।'' इस बीच, प्रतिनिधिमंडल के सदस्य और वरिष्ठ विधायक अरुण साहू ने कहा कि पार्टी व्हिप का उल्लंघन और क्रॉस वोटिंग गंभीर अनुशासनहीनता है और यह संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन है।

उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 191 और दसवीं अनुसूची का हवाला दिया, जो दलबदल के आधार पर अयोग्यता से संबंधित है। साहू ने कहा कि यदि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि पार्टी छोड़ देता है या उसके निर्देशों के खिलाफ काम करता है, जैसे व्हिप के खिलाफ वोट देना, तो इसे दलबदल माना जा सकता है।

उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ वोटिंग का मामला नहीं है, बल्कि पार्टी अनुशासन और जनता के जनादेश का सवाल है। सार्वजनिक रूप से पार्टी लाइन के खिलाफ जाना यह दिखाता है कि उन्होंने स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ दी है।''

उन्होंने 2024 में हिमाचल प्रदेश के छह विधायकों और 2017 में वरिष्ठ नेता शरद यादव के अयोग्य ठहराए जाने का उदाहरण भी दिया और कहा कि ऐसे मामलों में पहले भी कार्रवाई हुई है, इसलिए उन्हें विश्वास है कि विधानसभा अध्यक्ष कानून के अनुसार निर्णय लेंगी।

उन्होंने कहा, 'इस मामले में बीजेडी के आठ विधायकों ने पार्टी के खिलाफ जाकर बार-बार उसके फैसलों का उल्लंघन किया और सार्वजनिक रूप से पार्टी के खिलाफ बयान दिए, इसलिए उन्होंने स्वेच्छा से पार्टी सदस्यता छोड़ दी है। ऐसे में उनकी सदस्यता रद्द की जानी चाहिए, क्योंकि वे बीजू जनता दल के टिकट और उसके चुनाव चिह्न पर चुने गए थे।''

पहलगाम बैठक : बृजमोहन ने विकास, बैंकिंग और रोजगार पर मांगी जवाबदेही

रायपुर। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में प्राक्कलन समिति (Estimate Committee) की एक महत्वपूर्ण अध्ययन यात्रा में शामिल हुए।

'एमएसएमई और भारी उद्योग क्षेत्र के संवर्धन में बैंकों की भूमिका' विषय पर आयोजित इस अनौपचारिक चर्चा में वित्त मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, एसबीआई, जम्मू एवं कश्मीर बैंक और स्थानीय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

इस दौरान अग्रवाल ने प्रदेश के आर्थिक विकास, बैंकिंग सेवाओं की सुस्ती और युवाओं के रोजगार को लेकर केंद्र व राज्य प्रशासन के अधिकारियों के समक्ष अपनी बात मजबूती से रखी।

बैठक के दौरान सांसद बृजमोहन ने धारा 370 हटने के बाद की प्रगति का विश्लेषण करते हुए कई प्रश्न उठाए।

बैंकिंग डिस्पर्समेंट में गिरावट पर चिंता

सांसद अग्रवाल ने सवाल उठाया कि, वर्ष 2023-24 की तुलना में वर्ष 2025-26 में ऋण वितरण (Loan Disbursement) में कमी क्यों आई है? उन्होंने बैंकों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मुद्रा और स्वनिधि जैसी योजनाओं में कागजी रजिस्ट्रेशन तो हो रहे हैं, लेकिन धरातल पर पैसा पहुंचने की गति अत्यंत धीमी है। उन्होंने बैंकों से 5 लाख रुपए, 10 लाख रुपए और 20 लाख रुपएके ऋणों का अलग-अलग विवरण मांगा ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वास्तव में कितने लोगों को बड़ा लाभ मिल रहा है।

कौशल विकास और पारंपरिक कारीगरी का संरक्षण

अग्रवाल ने स्थानीय युवाओं और महिलाओं के कौशल विकास (Skill Development) की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, 'हमारी पारंपरिक कारीगरी दम तोड़ रही है। बड़े लोग इस क्षेत्र पर कब्जा कर रहे हैं और छोटे कारीगर पिछड़ रहे हैं।' उन्होंने विभाग से पूछा कि पारंपरिक कला को जीवित रखने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौन सी नई योजनाएं शुरू की गई हैं।

एग्रीकल्चर से आगे: फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स पर जोर

सांसद ने कहा कि केवल खेती से आर्थिक स्थिति नहीं सुधरेगी। जम्मू-कश्मीर में फलों और सब्जियों की प्रचुरता है, लेकिन प्रोसेसिंग यूनिट्स की कमी है। उन्होंने एसबीआई, जेके बैंक और उद्योग विभाग से पूछा कि वे राज्य की विशिष्ट संपदा को प्रोसेस कर वैल्यू एडिशन करने के लिए क्या ठोस कदम उठा रहे हैं।

धारा 370 के बाद नई पहचान और रोजगार

बृजमोहन ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'धारा 370 खत्म होने और आतंकवाद पर लगाम लगने के बाद अब सबसे बड़ी चुनौती यहां के लोगों को देश की मुख्यधारा के साथ एकात्म करना है।' उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे ऐसी योजनाएं बनाएं जिससे युवाओं और महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल सके। उन्होंने हिमाचल की तर्ज पर जम्मू-कश्मीर में बड़े हाइड्रो पावर प्लांट लगाने और बड़े उद्योगों की संभावनाओं पर विचार करने का सुझाव दिया।

बंगाल का उत्साह बता रहा, टेरर- माफियाराज और कटमनी की सरकार से मिलेगी मुक्ति : सीएम योगी

नदिया। पश्चिम बंगाल के कल्याणी विधानसभा क्षेत्र की सड़कें सोमवार को 'वंदे मातरम, भारत मां, जयश्रीराम, हिंदू सम्राट, बुलडोजर बाबा' के जयकारों से गूंज उठीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां भाजपा उम्मीदवार अनुपम विश्वास के लिए चुनावी रथ पर रोड-शो करने निकले तो जैसे जनसमुद्र उमड़ पड़ा।

बंगाल में 'बुलडोजर बाबा' के नाम से पुकारे जा रहे सीएम योगी ने भी सड़कों पर उमड़े लोगों पर बीच-बीच में पुष्पवर्षा की। सीएम योगी के साथ भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद तेजस्वी सूर्या भी उपस्थित रहे। सीएम योगी के रथ के आगे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, मां सीता, लक्ष्मण व संकटमोचन हनुमान के वेष में कलाकार चल रहे थे। आध्यात्मिक धरा पर इस वेशभूषा में कलाकारों को देख हर कोई उनके प्रति श्रद्धा निवेदित करता रहा।

सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में जयश्रीराम का उद्घोष करते दिखे।

सीएम योगी ने भी आश्वस्त किया कि 4 मई के बाद बंगाल में माफियाराज समाप्त हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने बंगाल के मतदाताओं से संवाद स्थापित करते हुए रोड शो में उमड़ी भीड़ का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आपका उत्साह बता रहा है कि बंगाल टेरर, माफियाराज और कटमनी की सरकार से मुक्ति पाएगा। 23 अप्रैल को प्रथम चरण के मतदान के रुझान बताते हैं कि बंगाल में डबल इंजन की भाजपा सरकार बनेगी।

`मुख्यमंत्री ने कहा कि ममता दीदी गुमराह करती थीं, लेकिन मैं कह रहा हूं कि अब बंगाल में खेला शेष, उन्नयन शुरू। बंगाल को फिर से उन्नयन-विकास के पथ पर अग्रसर करने के लिए 4 मई को पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार आएगी। उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार ने माफिया, करप्शन को समाप्त किया और जो बचा था, उसे बुलडोजर ने पूरा किया। भाजपा सरकार आने के बाद बंगाल में भी माफियाराज समाप्त होगा। आमार सोनार बांग्ला, अब टीएमसी मुक्तो बांग्ला बनेगा।

मध्य प्रदेश में जंगली भैंस के पुर्नस्थापन की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में चीता पुनर्स्थापन के सफल प्रयोग के बाद जंगली भैंस ' (वाइल्ड बफेलो) पुनर्स्थापन की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। आधिकारिक तौर पर दी गई जानकारी के अनुसार प्रदेश में एक सदी से अधिक समय से 'जंगली भैंस' (वाइल्ड बफेलो) की प्रजाति विलुप्त हो चुकी है।

बालाघाट जिले के सूपखार एवं टोपला क्षेत्र में 'जंगली भैंस' पुनर्स्थापन अभियान की शुरुआत होने वाली है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव सूपखार में चार जंगली भैंसों को उनके नए प्राकृतिक आवास में छोड़ेंगे। इनमें तीन मादा और एक नर जंगली भैंसा शामिल हैं। बताया गया है कि परियोजना के तहत असम के काजीरंगा से जंगली भैंसों को कान्हा टाइगर रिजर्व लाया जा रहा है।

पहले चरण में चार भैंसों का दल अपनी यात्रा प्रारंभ कर चुका है। कुल 50 भैंसों के समूह को 'फाउंडर पॉपुलेशन' के रूप में लाने का लक्ष्य निर्धारित है। इस सीजन में आठ भैंसों को स्थानांतरित किया जाएगा।

पूरी प्रक्रिया काजीरंगा और कान्हा के वरिष्ठ अधिकारियों एवं अनुभवी पशु-चिकित्सकों की निगरानी में वैज्ञानिक तरीके से संपन्न की जा रही है। इस परियोजना के साथ ही मध्यप्रदेश और असम के बीच वन्यजीव आदान-प्रदान का नया अध्याय भी जुड़ रहा है।

असम से गैंडे (राइनो) के दो जोड़े मध्य प्रदेश लाए जाएंगे, जिन्हें भोपाल के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में रखा जाएगा। इसके बदले में मध्य प्रदेश, असम की मांग के अनुसार तीन बाघ और छह मगरमच्छों का स्थानांतरण करेगा।

इस पर गुवाहाटी में मुख्यमंत्री डॉ. यादव और असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा के बीच हुई बैठक में सहमति बनी थी। मुख्यमंत्री यादव ने कहा है कि चीता पुनर्स्थापना के बाद अब जंगली भैंसों की वापसी से प्रदेश की जैव-विविधता में एक नया आयाम जुड़ेगा। यह पहल एक प्रजाति के संरक्षण के प्रयास के साथ ही प्रदेश के वन पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

मध्य प्रदेश पहले ही 'टाइगर स्टेट' और 'लेपर्ड स्टेट' के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। जंगली भैंसों का पुनर्स्थापन इस गौरव को और सुदृढ़ करेगा।

ईवीएम में गड़बड़ी के दावों पर हाईकोर्ट सख्त, सांसद भोजराज नाग को मिली राहत

फैसले के बाद कांकेर से लेकर रायपुर तक सियासी हलचल तेज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सियासत से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर न्यायधानी बिलासपुर से आ रही है। कांकेर लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद भोजराज नाग की सांसदी को चुनौती देने वाली याचिका पर हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है।

कोर्ट ने सांसद नाग को बड़ी राहत देते हुए कांग्रेस प्रत्याशी बीरेश ठाकुर की उस अर्जी को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें ईवीएम में छेड़छाड़ और काउंटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगाए गए थे। इस फैसले के बाद कांकेर से लेकर रायपुर तक सियासी हलचल तेज हो गई है।

ईवीएम और रैंडमाइजेशन पर उठाए थे सवाल

मामला कांकेर संसदीय सीट के चुनावी नतीजों से जुड़ा है। कांग्रेस के तत्कालीन उम्मीदवार बीरेश ठाकुर ने हाईकोर्ट में पिटीशन दायर कर आरोप लगाया था कि 26 अप्रैल 2024 को हुए मतदान में इस्तेमाल हुई मशीनों बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट में गड़बड़ी की गई थी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, याचिका में दावा किया गया था कि गुंडरदेही, सिहावा, संजरीबालोड, डोंडी लोहारा और केशकाल विधानसभा क्षेत्रों के फॉर्म 17ष्ट और रैंडमाइजेशन रिपोर्ट में मशीन नंबरों का मिलान नहीं हो रहा है।

सिर्फ शक से काम नहीं चलेगा, सबूत लाएं

जस्टिस की बेंच ने मामले की गंभीरता से सुनवाई की, लेकिन बीरेश ठाकुर की दलीलों को फिलहाल अपर्याप्त माना। कोर्ट ने दो टूक शब्दों में कहा कि मशीनों की दोबारा जांच या वेरिफिकेशन का आदेश तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि गड़बड़ी के पुख्ता मौखिक या दस्तावेजी सबूत रिकॉर्ड पर न हों। हाईकोर्ट ने साफ किया कि चुनाव प्रक्रिया एक गंभीर संवैधानिक प्रक्रिया है और इसे केवल आशंकाओं के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती।

कांग्रेस प्रत्याशी के पास अब भी है एक मौका

भले ही कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया है, लेकिन बीरेश ठाकुर के लिए दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। कोर्ट ने उन्हें यह छूट दी है कि यदि वे वोटों की गिनती में गड़बड़ी से जुड़े ठोस दस्तावेजी या मौखिक सबूत जुटा लेते हैं, तो वे दोबारा नई एप्लीकेशन फाइल कर सकते हैं। यानी अब गेंद बीरेश ठाकुर के पाले में है कि वे आरोपों को साबित करने के लिए क्या नया रिकॉर्ड पेश करते हैं।

एम्स रायपुर में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर हुआ मंथन

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर के मनोरोग विभाग द्वारा वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर डायनेमिक साइकियाट्री (इंडिया चैप्टर) का द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन का आयोजन Chhattisgarh Psychiatric Society, वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री, Indian Psychiatric Society तथा इंडियन टीचर्स ऑफ साइकियाट्री के सहयोग से किया गया। सम्मेलन में देश-विदेश के मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भाग लेकर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, मनोचिकित्सा और सामाजिक-मानसिक परिप्रेक्ष्य पर विस्तृत विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) अशोक जिंदल ने किया। इस अवसर पर इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. टी.एस.एस. राव तथा चांदखुरी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्मेलन में वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर डायनेमिक साइकियाट्री (इंडिया चैप्टर) के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. रॉय अब्राहम कल्लियावल्ली, उपाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. राकेश चड्ढा, महासचिव डॉ. स्नेहिल गुप्ता, प्रोफेसर डॉ. लोकेश सिंह तथा डॉ. अजय कुमार भी मौजूद रहे।

दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर से लगभग 120 मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों, जिनमें मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक और मनोरोग नर्स शामिल थे, ने सहभागिता की। सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों ने भी अपने विचार साझा किए। इनमें स्विट्जरलैंड के प्रोफेसर नॉर्मन सार्टोरियस, यूनाइटेड किंगडम की प्रोफेसर स्वर्णा सिंह, ऑस्ट्रेलिया के प्रोफेसर एमेरिटस मोहन इसाक तथा इटली की डॉ. आयरीन बट्टाग्लिनी प्रमुख रूप से शामिल रहीं। राष्ट्रीय स्तर पर प्रोफेसर आर. रघुराम, प्रोफेसर वासुदेव पारालिकर, डॉ. अजीत भिडे, प्रोफेसर प्रताप शरण तथा प्रोफेसर डॉ. टी.एस.एस. राव ने विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों को संबोधित किया। सम्मेलन में मानव मन के विविध आयामों को समझने, व्यक्ति को उसके सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक संदर्भ में देखने तथा मानसिक स्वास्थ्य उपचार में मनोचिकित्सा की भूमिका को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

रायपुर नगर निगम की विशेष सभा में महिला आरक्षण बिल पर तीखी बहस

नगर निगम में भारी हंगामा: महिला आरक्षण बिल पर भिड़े भाजपा-कांग्रेस पार्षद, 'मुखबिरी' शब्द पर मचा बवाल

रायपुर। नगर पालिक निगम की विशेष सामान्य सभा सोमवार को सियासी अखाड़ा बन गई। महिला आरक्षण बिल के संसद में पारित न होने के मुद्दे पर बुलाई गई इस बैठक में भाजपा और कांग्रेस पार्षदों के बीच जमकर तीखी नोकझोंक हुई। सदन में उस वक्त तनाव चरम पर पहुँच गया जब नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी की एक टिप्पणी पर भाजपा पार्षद उनकी सीट तक जा पहुँचे और माफी की मांग को लेकर भारी हंगामा किया।

राजधानी के नगर निगम में राष्ट्रीय मुद्दों पर होने वाली यह बहस दर्शाती है कि आगामी चुनावों से पहले महिला वोट बैंक को साधने की कवायद तेज हो गई है। सदन की कार्यवाही में हंगामे के कारण शहर के विकास कार्यों पर चर्चा प्रभावित होना चिंता का विषय है।

'विपक्ष नहीं चाहता महिलाओं को हक' - भाजपा का वार

विशेष सभा में निगम की 18 महिला पार्षदों ने अपने विचार रखे। भाजपा से जुड़ी महिला पार्षदों ने सीधा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दल महिलाओं को उनका हक नहीं देना चाहते, इसीलिए संसद में बिल को समर्थन नहीं दिया गया। महापौर मीनल चौबे सहित भाजपा की महिला विंग ने कांग्रेस के प्रति गहरी नाराजगी जाहिर की। भाजपा पार्षद काले कपड़े पहनकर और काली पट्टी लगाकर सामान्य सभा में पहुंचे थे।

प्लांट हादसे के पीड़ितों को वेदांता पावर ने मुआवजा वितरित किया

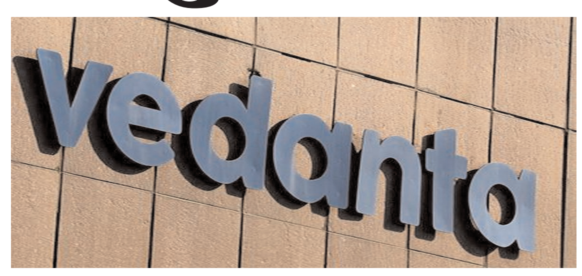

रायपुर। वेदांता पावर ने सोमवार को कहा कि उसने 14 अप्रैल को छत्तीसगढ़ स्थित अपने पावर प्लांट में हुए विस्फोट में मारे गए और घायल लोगों के परिवारों को मुआवजे का वितरण पूरा कर लिया है।

इस घटना में 25 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे। कंपनी प्रबंधन और चेयरमैन अनिल अग्रवाल के खिलाफ लापरवाही से मौत का कारण बनने के पुलिस मामले में जांच चल रही है।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि मृतकों के परिवारों को 35-35 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है, जबकि घायलों को 15-15 लाख रुपये वितरित किए गए हैं। बयान में यह भी कहा गया कि सभी 35 प्रभावित व्यक्तियों और परिवारों को मुआवजा जारी किया जा चुका है।

बयान में कहा गया, 'यह घटना पिछले सप्ताह सिंहितराई स्थित कंपनी के प्लांट की यूनिट-1 में हुई, जहां दबावयुक्त गर्म पानी और भाप के रिसाव से मौके पर मौजूद 35 श्रमिक प्रभावित हुए। इस यूनिट का संचालन और रखरखाव एनटीपीसी जीई पावर सर्विसेज लिमिटेड (एनजीएसएल) द्वारा किया जा रहा था, जो एनटीपीसी और जीई का संयुक्त उपक्रम है।'

एक संबंधित घटनाक्रम में, अग्रवाल ने एक्स पर लिखा कि कंपनी ने सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा था और प्लांट की 'पूरी जिम्मेदारी एनजीएसएल' को सौंपी गई थी।

उन्होंने लिखा, 'यह सोचकर मुझे दुख और आश्चर्य होता है कि हमने अपने एथेना प्लांट में पूरी सावधानी बरती, इस प्लांट की पूरी जिम्मेदारी एनटीपीसी-जीई की साझेदारी एनजीएसएल को सौंपी, जो भारत की सबसे भरोसेमंद महारत्न कंपनियों में से है। ठेकेदार और कर्मचारी भी उनके ही थे। विशेषज्ञता भी उनकी ही थी। और इसी भरोसे के साथ हमने इस प्लांट के संचालन और रखरखाव को आउटसोर्स किया। फिर भी यह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हो गया।'

एथेना उस कंपनी को संदर्भित करता है, जिससे वेदांता ने यह प्लांट खरीदा था।

वेदांता को प्लांट के संचालन से अलग दिखाने के प्रयास में उन्होंने लिखा कि यह स्थिति वैसी ही है जैसे वाहन मालिक अक्सर अपने वाहन को एक भरोसेमंद चालक को सौंप देते हैं और उम्मीद करते हैं कि चालक नियमों का पालन करते हुए वाहन को सुरक्षित रखेगा।

'सेफ्टी फर्स्ट'

उन्होंने लिखा, 'वेदांता के हर अनुबंध में सुरक्षा सबसे प्रमुख है। और यही नीति एनटीपीसी और जीई की भी रही है। इसके बावजूद अगर इतना बड़ा हादसा होता है, तो यह दिल तोड़ने वाला है।'

वेदांता के चेयरमैन ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मृतक श्रमिकों को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने लिखा, 'मैंने सुना है कि समय अक्सर हमारी परीक्षा लेता है, और मैं पिछले कुछ महीनों से इसे महसूस कर रहा हूं। साल की शुरुआत में मैंने अपने युवा बेटे को खो दिया। फिर इस महीने 14 अप्रैल को सिंहितराई पावर प्लांट में हुए इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में मैंने 25 अनमोल साथियों को खो दिया। ऐसे असमय निधन का दर्द मैं भली-भांति जानता हूं।'

डाक विभाग और डीटीडीसी ने देश भर में लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

रायपुर। संचार मंत्रालय के अधीन डाक विभागी और डीटीडीसी एक्सप्रेस लिमिटेड ने देश भर में लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। डाक विभाग के पार्सल निदेशालय के महाप्रबंधक नीरज कुमार झा और डीटीडीसी एक्सप्रेस लिमिटेड के राष्ट्रीय चैनल प्रमुख जतिंदर सेठी ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आज नई दिल्ली में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

(डाक विभाग और डीटीडीसी एक्सप्रेस लिमिटेड के अधिकारियों ने डाक भवन, नई दिल्ली में समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया)

इस साझेदारी का उद्देश्य देश भर में पार्सल डिलीवरी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए डाक विभाग के विशाल बुनियादी ढांचे और नेटवर्क के साथ-साथ डीटीडीसी के लॉजिस्टिक्स अनुभव का लाभ उठाना है। समझौता ज्ञापन दोनों पक्षों के बीच वर्ष 2025 में शुरू हुए निरंतर सहयोग को दर्शाता है।

समझौता ज्ञापन की मुख्य विशेषताएं:

उद्देश्य: लॉजिस्टिक्स और व्यावसायिक संचालन में अवसरों का पता लगाना और उनका विस्तार करना, जिससे डीटीडीसी देश भर में पार्सल डिलीवरी के लिए डीओपी के व्यापक डाक नेटवर्क का उपयोग कर सके। इसमें कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी) सेवाएं भी शामिल हैं।

सहयोग में वृद्धि: समझौता ज्ञापन संयुक्त लॉजिस्टिक्स संचालन, क्षमता साझाकरण, पार्सल उद्योग में सर्वोत्तम प्रथाओं, परिचालन दक्षता और सेवा गुणवत्ता के लिए विपणन रणनीतियों के समन्वय पर केंद्रित है।

नियमित समीक्षा तंत्र: दोनों पक्ष साझेदारी की प्रगति का आकलन करने, अपनी प्रणालियों के एकीकरण को सुनिश्चित करने और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को बढ़ाने के लिए नए अवसरों की खोज करने के लिए त्रैमासिक बैठकें करेंगे।

डीटीडीसी को मिलने वाले लाभ

डीटीडीसी को देश भर में फैले डाक विभाग के 1.64 लाख डाकघरों के अद्वितीय नेटवर्क तक पहुंच प्राप्त होगी। यह साझेदारी डीटीडीसी को अपने लॉजिस्टिक्स का विस्तार करने, डिलीवरी की गति में सुधार करने और देश के ई-कॉमर्स क्षेत्र, विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों की बढ़ती मांगों को पूरा करने में सक्षम बनाएगी।

डाक विभाग को होने वाले लाभ

यह सहयोग डीओपी के लिए उसके पार्सल व्यवसाय को बढ़ावा देगा, जिससे तेज गति से डिलीवरी सेवाएं मिलेंगी और इनका नेटवर्क भी विस्तारित होगा। डीटीडीसी के साथ साझेदारी करके, डीओपी का लक्ष्य देश के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में अपनी भूमिका को और मजबूत करना है, जिससे भारत के वैश्विक लॉजिस्टिक्स हब बनने के लक्ष्य में योगदान मिलेगा।

मनरेगा श्रमिकों की ई-केवायसी में छत्तीसगढ़ देश में प्रथम

रायपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत श्रमिकों की ई-केवाईसी प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ ने देश में प्रथम स्थान हासिल किया है, सोमवार को यह जानकारी दी गयी। भारत सरकार की ताजा रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 97.11 प्रतिशत सक्रिय श्रमिकों का ई-केवाईसी पूरा हो चुका है, जो राष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक है।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में 58 लाख से अधिक सक्रिय श्रमिकों में से करीब 56.87 लाख श्रमिकों की डिजिटल सत्यापन प्रक्रिया पूरी की गई है। यह प्रक्रिया भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ-साथ फर्जी जॉब कार्डों को हटाने और वास्तविक लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे मजदूरी पहुंचाने में सहायक मानी जा रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ ने इस मामले में केरल, त्रिपुरा और मिजोरम जैसे राज्यों के साथ-साथ कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे बड़े राज्यों को भी पीछे छोड़ा है।

राज्य सरकार के अनुसार, ई-केवाईसी प्रक्रिया को तेज करने के लिए प्रदेश में अभियान चलाए गए और ग्राम पंचायत स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के साथ तकनीकी संसाधनों का उपयोग किया गया। इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में श्रमिकों को समयबद्ध तरीके से इस प्रक्रिया से जोड़ा जा सका।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार श्रमिकों को योजनाओं का पारदर्शी लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और ई-केवाईसी से समय पर भुगतान सुनिश्चित हो रहा है।

उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्राम स्तर की टीमों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने शेष लंबित मामलों को जल्द पूरा कर 100 प्रतिशत ई-केवाईसी के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के निर्देश भी दिए।

राज्य सरकार का कहना है कि इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है और प्रशासनिक पारदर्शिता में भी सुधार हुआ है।

मानपुर में शादी से लौट रहे परिवार की कार पलटी; 10 घायल

मानपुर। छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में सोमवार को शादी से लौट रहे एक परिवार की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें पांच महिलाओं और दो नाबालिग लड़कियों समेत 10 लोग घायल हो गए।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, यह हादसा सुबह खड़गांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 930 पर कामनासुर गांव के पास हुआ।

घायल सभी लोग पड़ोसी बालोद जिले के भरदा कला गांव के निवासी हैं, जो कांकेर जिले के शिलपत गांव में एक शादी में शामिल होने गए थे।

वापसी के दौरान कामनासुर के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर पलट गई और फिर दोबारा सीधी हो गई, जिससे कार में सवार सभी 10 लोग घायल हो गए। घायलों में पांच महिलाएं और 7 व 8 वर्ष की दो बच्चियां शामिल हैं।

स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए उन्हें राजनांदगांव के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया, अधिकारी ने बताया।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर राज्य भर में होंगे विशेष कार्यक्रम

रायपुर। राज्यपाल रमेन ने कहा कि रेडक्रॉस के मानव सेवा कार्यों का प्रचार-प्रसार जन-जन तक पहुंचाने के लिए सदस्यता अभियान को गति देना आवश्यक है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों, समाज सेवियों एवं विभिन्न वर्गों के गणमान्य नागरिकों को अभियान से जोड़ा जाए। डेका ने 8 मई विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर राज्य एवं जिला शाखाओं में वृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल रमेन डेका से आज लोकभवन में छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष टोमन साहू ने मुलाकात की। इस दौरान रेडक्रॉस सोसायटी की गतिविधियों, सदस्यता अभियान तथा आगामी विश्व रेडक्रॉस दिवस के आयोजन के संबंध में राज्यपाल द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। डेका ने 8 मई विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर वृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों और गणमान्य व्यक्तियों को रेडक्रॉस स्टीकर लगाकर दान संग्रहण कार्यक्रम चलाएं। उन्होंने प्रदेश के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को जूनियर रेडक्रॉस और यूथ रेडक्रॉस से जोड़ने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने कहा कि युवाओं की भागीदारी से सेवा, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

गौ रक्षा को लेकर शिवसेना का प्रदेशव्यापी आंदोलन तेज

रायपुर। शिवसेना द्वारा प्रदेश प्रमुख धनंजय सिंह परिहार के निर्देशानुसार प्रदेश भर में गौ रक्षा के मुद्दे को लेकर व्यापक जनआंदोलन चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज रायपुर में शिवसेना के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा।

इस संबंध में प्रदेश महासचिव रेशम जांगड़े ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि गौ माता भारतीय संस्कृति, आस्था एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। बावजूद इसके वर्तमान समय में गौहत्या, गौ तस्करी एवं गौवंश की उपेक्षा लगातार बढ़ रही है, जो अत्यंत चिंताजनक विषय है। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों को देखते हुए प्रदेश सरकार को तत्काल ठोस एवं कड़े कदम उठाने चाहिए।

ज्ञापन में प्रमुख मांगों के रूप में - गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाए, गौ माता को 'राज्य माता' घोषित किया जाए, गौ तस्करी में संलिप्त वाहनों को तत्काल राजसात किया जाए, गौ हत्या करने वालों पर हत्या का प्रकरण दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, प्रदेश के गौठानों को व्यवस्थित गौशालाओं के रूप में विकसित किया जाए तथा वहां गौ सेवकों की नियुक्ति की जाए, ज्ञापन के साथ शिवसेना द्वारा 3 जुलाई से प्रारंभ किए गए महा हस्ताक्षर अभियान के अंतर्गत प्राप्त हजारों नागरिकों के हस्ताक्षरयुक्त समर्थन की प्रतियां भी जिलाधीश को सौंपी गईं।

योगी सरकार का बड़ा अभियान, हर कार्यस्थल बनेगा महिलाओं के लिए सुरक्षित

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान ने प्रदेशव्यापी जन आंदोलन का रूप ले लिया है। इसी कड़ी में प्रदेश के सभी 75 जनपदों में महिलाओं की सुरक्षा और यौन उत्पीड़न से संरक्षण संबंधी कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 ('पॉश' एक्ट) के प्रावधानों के प्रति प्रतिभागियों और आमजन को जागरूक किया जा रहा है।

जागरूकता अभियान में सरकारी-निजी कार्यालयों के अधिकारी, कर्मचारी, महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य, कॉलेज छात्राएं, अधिवक्ता, श्रमिक संगठन और स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ की महिला सशक्तीकरण मुहिम का हिस्सा यह अभियान कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतिकार) अधिनियम, 2013 (पॉश) और कामकाजी महिलाओं के वित्तीय-कानूनी अधिकारों पर केंद्रित है, जो नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में नया आयाम जोड़ रहा है।

अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत 'पॉश' अधिनियम के प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की जा रही है। अधिनियम कार्यस्थल पर शारीरिक, मौखिक या गैरमौखिक आचरण को, जो महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाता है, यौन उत्पीड़न की श्रेणी में परिभाषित करता है। दस से अधिक कर्मचारियों वाले संगठनों में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है, जबकि जिला स्तर पर स्थानीय समिति शिकायतों की सुनवाई करती है।

शिकायत दर्ज करने की समय-सीमा तीन महीने है, जिसे आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है। 90 दिनों के भीतर जांच पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना जरूरी है। यह अधिनियम महिला की गोपनीयता की रक्षा करता है और दोष सिद्ध होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई या जुर्माना करने का नियोक्ता को अधिकार है। नियोक्ता का दायित्व है कि कार्यस्थल सुरक्षित बने, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हों और समिति की सिफारिशों का पालन हो।

चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़, 1.6 लाख श्रद्धालुओं ने केदारनाथ में किए दर्शन

रुद्रप्रयाग। अधिकारियों ने सोमवार को पुष्टि की कि देशभर के श्रद्धालुओं से चारधाम यात्रा को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। अब तक लगभग 1.6 लाख तीर्थयात्री केदारनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर चुके हैं।

रुद्रप्रयाग के जिला मजिस्ट्रेट विशाल मिश्रा ने कहा कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या हिंदू धर्म के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक में आशीर्वाद प्राप्त करने के इच्छुक भक्तों की गहरी आस्था और उत्साह को दर्शाती है। डीएम ने बताया कि मंदिर के द्वार 22 अप्रैल को खुलने के बाद से ही वह केदारनाथ में तैनात हैं और व्यवस्थाओं तथा तीर्थयात्रियों की आवाजाही पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

मिश्रा ने कहा, 'मैंने पूरे भारत के लोगों में इस यात्रा और दर्शन के लिए अपार उत्साह देखा है। अब तक लगभग 1,60,000 श्रद्धालु केदारनाथ दर्शन कर चुके हैं। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के दर्शन में स्वाभाविक रूप से समय लगता है।' उन्होंने भारी भीड़ को संभालने में आने वाली कुछ चुनौतियों को भी स्वीकार किया। जेब कतरने और मोबाइल छीनने जैसी छोटी-मोटी चोरियों की घटनाएं सामने आई हैं। हालांकि, उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन और पुलिस इन चिंताओं को दूर करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'कड़ी निगरानी रखी जा रही है। हम लगातार निरीक्षण कर रहे हैं और आगंतुकों को असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए हेलीपैड के संचालन पर विशेष ध्यान दिया है।'

इस बीच, अन्य धार्मिक स्थलों पर भी तीर्थयात्रियों का लगातार आगमन हो रहा है। हरिद्वार में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, क्योंकि श्रद्धालु बड़ी संख्या में अपनी आध्यात्मिक यात्रा शुरू करने के लिए एकत्रित हो रहे हैं।

जोहान इमैनुएल ने कतर में इतिहास रचा, क्यूएसटीके 600 चैंपियनशिप जीती

दोहा। भारत के जोहान इमैनुएल ने कावासाकी जेडएक्स-6 पर सवार होकर इतिहास रच दिया। जोहान पहले ऐसे भारतीय बन गए हैं, जिन्होंने प्रतिष्ठित कतर सुपरस्टॉक 600 चैंपियनशिप (क्यूएसटीके) जीती। उन्होंने इस क्लास में अपने पहले ही सीजन के अंतिम राउंड में दोनों रेस जीतकर शानदार समापन किया।

चेन्नई के रहने वाले 19 वर्षीय जोहान इस वीकेंड की दो रेस से पहले चैंपियनशिप लीडर हंगरी के मार्टन बेलेली से 9 प्वाइंट पीछे चल रहे थे, उन्हें खिताब पक्का करने के लिए दोनों रेस जीतना जरूरी था। जोहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐसा ही किया। क्वालीफाइंग में दूसरे स्थान पर रहने के बाद, जोहान ने भारी दबाव के बावजूद दोनों रेस जीतीं और 21 प्वाइंट की बढ़त के साथ चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। उन्होंने 10 में से 6 रेस जीतकर सीजन खत्म किया, जबकि इस दौरान उन्हें 200 किलोमीटर/प्रतिघंटा की रफ्तार से हुई एक दुर्घटना और मैकेनिकल दिक्कतों के कारण तीन बार रेस से बाहर भी होना पड़ा था।

रेस के बाद जोहान ने 600 सीसी की मशीन पर अपने पहले ही सीजन में अपना पहला इंटरनेशनल खिताब जीतने को एक अविश्वसनीय पल बताया। उन्होंने कहा कि वे इस नतीजे से बहुत खुश हैं और उन्हें लगता है कि उनकी सारी मेहनत और त्याग का आखिरकार फल मिल ही गया। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह उपलब्धि तो अभी आगे आने वाले एक लंबे सफर की बस शुरुआत भर है।

रेस के बाद जोहान ने कहा, '600 सीसी की मशीन पर अपने पहले ही सीजन में अपना पहला इंटरनेशनल खिताब जीतना एक अविश्वसनीय एहसास है। रेस के बाद मैं बहुत उत्साहित था। मेरी सारी मेहनत और त्याग का फल मिल गया, लेकिन यह तो बस शुरुआत है। अभी आगे बहुत लंबा सफर तय करना है।'

जोहान का खिताब तक का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था। सीजन की शुरुआत में 200 किलोमीटर/प्रतिघंटा की रफ्तार से हुई एक दुर्घटना उनके अभियान को पटरी से उतार सकती थी, लेकिन इसके बजाय, वह एक अहम मोड़ बन गई। इमैनुएल और भी मजबूत होकर लौटे, और उन्होंने उस झटके को चैंपियनशिप जीतने के अपने लक्ष्य के लिए प्रेरणा के तौर पर इस्तेमाल किया।

पूरे सीजन के दौरान, जोहान ने जबरदस्त निरंतरता और रफ्तार दिखाते हुए 10 में से 6 रेस जीतीं। उनकी यह जीत एक ऐतिहासिक माइलस्टोन है, जिसने उन्हें क्यूएसटीके ट्रॉफी खिताब जीतने वाला पहला भारतीय राइडर बना दिया है।

गुजरात : अहमदाबाद के एक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में लगी आग, 50 लोगों को बचाया गया

अहमदाबाद। सोमवार को श्याममल क्रॉसरोड्स के पास शांग्रीला आर्केड स्थित एक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लग गई। घटना के दौरान अंदर फंसे लगभग 50 लोगों को समन्वित आपातकालीन अभियान के माध्यम से बचाया गया।

घटना की सूचना सुबह लगभग 10.15 बजे मिली, जिसके बाद अहमदाबाद अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं की कई टीमें मौके पर पहुंचीं। जैसे ही आग भूतल से ऊपरी मंजिलों तक उठी, घना धुआं तेजी से इमारत में फैल गया, जिससे कई लोग अंदर फंस गए।

दमकल अधिकारियों ने बताया कि अलग-अलग मंजिलों से लगभग 50 लोगों को निकाला गया, जिनमें ऊपरी मंजिलों में फंसे लोग भी शामिल थे, जहां गलियारों और सीढ़ियों में धुआं भर गया था।

बचाव दल ने लोगों को निकालने के लिए सीढ़ियों और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया। धुएं के कारण चार महिलाएं बेहोश पाई गईं, जिन्हें आपातकालीन एम्बुलेंस द्वारा अस्पताल ले जाया गया। किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग द्वारा कुल 38 वाहन और लगभग 138 कर्मियों को तैनात किया गया था। इनमें 20 किलोलीटर क्षमता के आठ पानी के टैंकर, एक मिनी फाइटर, 15 बोलेरो और तीन स्कॉर्पियो फर्स्ट रेस्पॉन्डर, तीन योद्धा फर्स्ट रेस्पॉन्डर, दो एम्बुलेंस, एक पानी का टैंकर (10 किलोलीटर), एक फायर टेंडर, एक इमरजेंसी टेंडर, दो हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म (एचपीएल) यूनिट और एक टर्नटेबल लैडर (टीटीएल) शामिल थे।

इन कर्मियों में 68 दमकलकर्मी, आठ जमादार, 39 ड्राइवर, तीन सब-ऑफिसर, नौ स्टेशन ऑफिसर, पांच डिविजनल ऑफिसर, तीन डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर (सीएफओ), दो एडिशनल चीफ फायर ऑफिसर और एक चीफ फायर ऑफिसर शामिल थे। दमकलकर्मियों ने इमारत को खाली कराने और साथ ही आग पर काबू पाने के लिए एक-एक मंजिल पर काम किया। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आग भूतल पर स्थित कोटक महिंद्रा बैंक की एक शाखा के बाहर एटीएम और बाहरी बिजली बोर्ड के पास लगी।

मंगलुरु कुकर ब्लास्ट मामला : एनआईए अदालत ने सुनाया फैसला, आरोपी शारिक को 10 साल की कैद

मंगलुरु। विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अदालत ने मंगलुरु कुकर ब्लास्ट मामले में आतंकी आरोपी मोहम्मद शारिक को 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। शारिक ने अदालत के सामने अपना गुनाह कबूल कर लिया था।

यह घटना 19 नवंबर 2022 को मंगलुरु के कंकनाडी इलाके में हुई थी। जांच एजेंसियों के मुताबिक, शारिक कथित तौर पर कदरी मंजूनाथ मंदिर में बम लगाने जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही विस्फोट हो गया, जिससे एक बड़ी घटना टल गई।

धमाके में शारिक खुद भी घायल हो गया था। वहीं ऑटो चालक पुरुषोत्तम पूजारी भी इस विस्फोट में घायल हुए थे।

करीब तीन महीने तक इलाज के बाद शारिक को पूछताछ के लिए एनआईए की हिरासत में लिया गया था। बाद में एजेंसी ने जांच पूरी कर मामले में चार्जशीट दाखिल की थी।

इससे पहले, कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा था कि उन्हें निष्पक्ष निर्णय की उम्मीद है और सरकार अदालत के फैसले के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत करते हुए परमेश्वर ने कहा कि अदालत आज इस मामले में फैसला सुना सकती है। उन्होंने कहा, 'पुलिस विभाग ने कानून के तहत जरूरी सभी कदम उठाए हैं। आवश्यक सबूत जुटाकर अदालत में पेश किए गए हैं। मुझे न्यायपूर्ण फैसले की उम्मीद है। अब इंतजार करते हैं।'

भाजपा द्वारा मामले को लेकर लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि इस मामले के दो पहलू हैं।

'फर्जी वोटिंग की कोशिश करने वालों को जेल भेजेंगे': चुनाव आयोग की चेतावनी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण से पहले भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को चेतावनी दी कि फर्जी मतदान के किसी भी प्रयास पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे प्रयास करने वाले व्यक्तियों को जेल भी हो सकती है।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने बताया कि सभी पोलिंग बूथ पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लैस सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिनसे वेब-कास्टिंग का काम बेहतर तरीके से हो सकेगा। इन कैमरों का सीधा कनेक्शन कोलकाता स्थित सीईओ कार्यालय के केंद्रीय कंट्रोल रूम से होगा। साथ ही, जिला मजिस्ट्रेट-सह-जिला निर्वाचन अधिकारियों के कार्यालयों में बने जिला कंट्रोल रूम से भी इनका सीधा जुड़ाव रहेगा।

सीईओ कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया, 'कंट्रोल रूम से पोलिंग बूथ के अंदर होने वाली गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति फर्जी वोट डालने की कोशिश करता है, तो उसे आसानी से पहचाना जा सकेगा, उस पर नजर रखी जा सकेगी और उसे गिरफ्तार भी किया जा सकेगा।'

चुनाव आयोग ने यह साफ कर दिया है कि गलत वोट डालने की कोशिशें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 172 के तहत दंडनीय हैं, जिसमें दोषी को एक साल तक की कठोर कारावास की सजा हो सकती है।

केरल की संजना ने गणित ओलंपियाड में जीता यूरोपीय रजत पदक, 'मन की बात' में पीएम मोदी से मिली सराहना

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम की 12वीं कक्षा की छात्रा संजना फिलो चाको ने फ्रांस के बोर्डो में आयोजित यूरोपीय गर्ल्स मैथमेटिकल ओलंपियाड (ईजीएमओ) 2026 में रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। संजना, जिन्होंने गणित में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है, चार सदस्यों वाली उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं जिसे एक कठिन और कई चरणों वाली राष्ट्रीय चयन प्रक्रिया के बाद चुना गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के हालिया एपिसोड में भी उनकी इस उपलब्धि का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने इस वैश्विक आयोजन में भारत के प्रदर्शन की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए संजना ने कहा कि यह उनके और अन्य महत्वाकांक्षी छात्रों के लिए अत्यंत गर्व और प्रेरणा का क्षण था।

संजना ने आईएएनएस को बताया कि रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने इस प्रतियोगिता में भारत की उपलब्धि और सफलता का जिक्र किया। मुझे उम्मीद है कि इससे कई छात्रों, खासकर लड़कियों को, अपने जुनून को पूरा करने की प्रेरणा मिलेगी। यह मेरे लिए भी मेरी आगे की पढ़ाई के लिए एक बहुत बड़ी प्रेरणा है। संजना ने ओलंपियाड की कठिन चयन प्रक्रिया के बारे में भी बताया, जिसमें छात्रों की गणितीय दक्षता को कई स्तरों पर परखा जाता है। उन्होंने कहा कि पहला चरण 'इंडियन ओलंपियाड क्वालिफायर इन मैथमेटिक्स' (आईओक्यूएम) है, जो एक ऑब्जेक्टिव परीक्षा है। इसके बाद दो सब्जेक्टिव राउंड होते हैं, 'रीजनल मैथमेटिकल ओलंपियाड' (आरएमओ) और 'इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलंपियाड' (आईएनएमओ)।

संजना के अनुसार, आईएनएमओ से केवल मुट्ठी भर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली लड़कियों को एक गहन प्रशिक्षण शिविर के लिए चुना जाता है, जहां उन्हें उन्नत कोचिंग और कड़ी परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रशिक्षण शिविर से शीर्ष चार छात्रों को ईजीएमओ में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाता है।

यूरोपियन गर्ल्स मैथमेटिकल ओलंपियाड एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता है, जिसका उद्देश्य युवा महिलाओं को उच्च स्तर पर गणित की पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित करना है। दुनिया भर से आए प्रतिभागी इसमें कठिन समस्या-समाधान परीक्षणों में हिस्सा लेते हैं, जिनके लिए गहन विश्लेषणात्मक सोच और रचनात्मकता की आवश्यकता होती है।

इस्लामाबाद : रेलवे क्रॉसिंग की तुलना होर्मुज स्ट्रेट से करना पड़ा भारी, पाकिस्तानी व्यक्ति गिरफ्तार

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद पुलिस ने एक आदमी को गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें उसने राजधानी के टारनोल रेलवे क्रॉसिंग की तुलना होर्मुज स्ट्रेट से की थी। स्थानीय मीडिया ने बताया कि उस पर आधिकारिक आदेश न मानने, गलत तरीके से विरोध करने और उम्रकैद या उससे कम की सजा वाले जुर्म की कोशिश करने का आरोप लगाया गया है।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, शायद गुजरती ट्रेन की वजह से ट्रैफिक जाम से परेशान होकर, उस आदमी ने पोस्ट किया, 'टारनोल रेलवे क्रॉसिंग होर्मुज स्ट्रेट से कम नहीं है। अगर इसे बंद कर दिया जाए, तो हमारी सारी दिक्कतें हल हो जाएंगी।'

उसे उम्मीद थी कि लोगों को ये अच्छा लगेगा। हालांकि, इस्लामाबाद पुलिस ने उस आदमी को गंभीर लगने वाले इल्जामों में गिरफ्तार कर लिया। एफआईआर में कहा गया कि यह बयान इस्लामाबाद पर लगी पाबंदियों का उल्लंघन था। डॉन के एक एडिटोरियल में कहा गया, 'इस्लामाबाद पुलिस परेशान लग रही है। आने वाले बड़े मेहमानों के लिए राजधानी में अभी जो कड़े सिक्योरिटी प्रोटोकॉल लागू हैं, उन्होंने बेशक फोर्स का काम और मुश्किल बना दिया है। हालांकि, यह सरकार की सिक्योरिटी खतरे और मजाकिया पोस्ट के बीच फर्क न कर पाने को सही नहीं ठहरा सकता। जब तक यह बिना किसी शक के साबित नहीं हो जाता कि इस आदमी से कोई खतरा पैदा हुआ है, तब तक वे इस तरह के बेमतलब और बुरे बर्ताव के लिए माफी के हकदार हैं।'

इसमें आगे कहा गया, 'कई पाकिस्तानियों ने होर्मुज संकट को अपने डार्क ह्यूमर के लिए सोने की खान पाया है, कुछ लोग इसे अपने घरेलू झगड़ों के लिए मिसाल के तौर पर इस्तेमाल करते हैं तो कुछ लोग इस बात का मजाक उड़ाते हैं कि क्या कराची के मुश्किल में फंसे यूनिवर्सिटी रोड बस रैपिड ट्रांजिट प्रोजेक्ट से पहले स्ट्रेट खुलेगा।

आईएनएस 'सुदर्शिनी' ने पार किया स्पेन यात्रा का अहम पड़ाव

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के सेल ट्रेनिंग शिप आईएनएस सुदर्शिनी ने अपनी स्पेन यात्रा का अहम पड़ाव पार कर लिया है। स्पेन के आम नागरिकों के लिए यह भारतीय शिप खोला गया था। स्थानीय लोगों और स्पेन में रह रहे भारतीय प्रवासी समुदाय ने बड़ी संख्या में जहाज का दौरा किया। आगंतुकों को जहाज का विस्तृत भ्रमण कराया गया और भारत की समृद्ध समुद्री परंपरा से अवगत कराया गया।

भारतीय नौसेना का यह पोत पाल के जरिए समुद्री यात्रा कर रहा है। यह शिप 22 हजार नॉटिकल मील से अधिक की यात्रा पर है। भारतीय नौसेना के इस जहाज की स्पेन यात्रा उसके महत्वाकांक्षी लोकायन-26 ट्रांसओशेनिक अभियान का एक अहम पड़ाव भी रहा। इस यात्रा ने समुद्री कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नई मजबूती दी है। तीन दिवसीय ऐतिहासिक यात्रा के बाद अब यह पोर्ट कॉल सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया गया है। इस दौरान जहाज के कमांडिंग ऑफिसर ने कैनरी द्वीप नौसैनिक कमान के प्रमुख रियर एडमिरल सैंटियागो डे कोल्सा ट्रुएबा से शिष्टाचार भेंट की।

संपादकीय

कार्यस्थल सुरक्षा और स्वास्थ्य: एक वैश्विक मानवीय प्रतिबद्धता

महेन्द्र तिवारी

विश्व कार्यस्थल सुरक्षा और स्वास्थ्य दिवस प्रत्येक वर्ष 28 अप्रैल को मनाया जाता है और यह दिन दुनिया भर में काम करने वाले करोड़ों लोगों के जीवन से सीधे जुड़ा हुआ है। यह केवल एक औपचारिक अवसर नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन की सुरक्षा, गरिमा और अधिकारों की रक्षा का एक गंभीर स्मरण भी है। इस दिन का उद्देश्य कार्यस्थलों पर होने वाली दुर्घटनाओं, बीमारियों और जोखिमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सरकारों, संस्थाओं और समाज को यह याद दिलाना है कि आर्थिक विकास का वास्तविक आधार सुरक्षित और स्वस्थ श्रमिक ही होते हैं।

विश्व स्तर पर श्रमिकों की स्थिति पर नजर डालें तो यह स्पष्ट होता है कि आज भी बड़ी संख्या में लोग असुरक्षित परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुमान के अनुसार हर वर्ष लगभग 2.78 मिलियन लोग कार्यस्थल से जुड़ी दुर्घटनाओं और बीमारियों के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। इसके अलावा करीब 374 मिलियन गैर घातक दुर्घटनाएँ होती हैं, जिनसे लोगों को गंभीर चोटें और लंबे समय तक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ होती हैं। ये आँकड़े यह दर्शाते हैं कि कार्यस्थल की सुरक्षा केवल एक विकल्प नहीं बल्कि एक अनिवार्यता है।

विकासशील देशों में स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण है। भारत जैसे देशों में बड़ी संख्या में लोग असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं, जहाँ न तो उचित सुरक्षा उपकरण उपलब्ध होते हैं और न ही स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ। खेतों में काम करने वाले मजदूर, निर्माण स्थलों पर काम करने वाले श्रमिक, छोटे कारखानों के कर्मचारी और घरेलू कामगार अक्सर जोखिम भरे वातावरण में काम करते हैं। कई बार उन्हें यह भी पता नहीं होता कि वे किन खतरों के बीच काम कर रहे हैं। यह अज्ञानता और संसाधनों की कमी मिलकर दुर्घटनाओं की संभावना को और बढ़ा देती है।

कार्यस्थल पर सुरक्षा का अर्थ केवल शारीरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य भी शामिल है। आधुनिक समय में काम का दबाव, लंबे समय तक काम करना, अस्थिर रोजगार और आर्थिक असुरक्षा जैसे कारक मानसिक तनाव को बढ़ा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अवसाद और चिंता जैसी समस्याओं के कारण हर वर्ष लगभग 12 बिलियन कार्य दिवसों का नुकसान होता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि मानसिक स्वास्थ्य भी कार्यस्थल की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

तकनीकी प्रगति ने जहाँ एक ओर काम को आसान बनाया है, वहीं दूसरी ओर नए प्रकार के जोखिम भी उत्पन्न किए हैं। मशीनों का अधिक उपयोग, रसायनों का संपर्क, और डिजिटल उपकरणों पर निर्भरता ने नए स्वास्थ्य खतरे पैदा किए हैं। उदाहरण के लिए लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से आँखों और रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याएँ बढ़ रही हैं। इसी प्रकार औद्योगिक क्षेत्रों में रसायनों के संपर्क से गंभीर बीमारियाँ हो सकती हैं। इसलिए सुरक्षा उपायों को समय के साथ अद्यतन करना आवश्यक है।

विश्व कार्यस्थल सुरक्षा और स्वास्थ्य दिवस का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य रोकथाम की संस्कृति को बढ़ावा देना है। इसका मतलब यह है कि दुर्घटना होने के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय पहले से ही ऐसे उपाय किए जाएँ जिससे दुर्घटना की संभावना कम हो जाए। इसके लिए जोखिम का आकलन, सुरक्षा प्रशिक्षण, उचित उपकरणों का उपयोग और नियमित निरीक्षण जैसे कदम आवश्यक हैं। यदि किसी कार्यस्थल पर सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाती है, तो न केवल श्रमिक सुरक्षित रहते हैं बल्कि उत्पादकता भी बढ़ती है और आर्थिक नुकसान कम होता है।

सरकारों की भूमिका इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। मजबूत कानून, प्रभावी निगरानी और सख्त कार्यान्वयन के बिना कार्यस्थल सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती। भारत में भी श्रम कानूनों के माध्यम से सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े कई प्रावधान किए गए हैं, लेकिन इनका सही क्रियान्वयन अभी भी एक चुनौती बना हुआ है। कई छोटे उद्योगों में नियमों का पालन नहीं किया जाता और निरीक्षण की प्रक्रिया भी पर्याप्त नहीं है। इस स्थिति को सुधारने के लिए, सरकार, उद्योग और समाज के बीच सहयोग आवश्यक है।

नियोक्ताओं की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। उन्हें यह समझना होगा कि श्रमिक केवल उत्पादन का साधन नहीं बल्कि संगठन की सबसे मूल्यवान पूंजी हैं।

सुरक्षित कार्यस्थल प्रदान करना न केवल कानूनी दायित्व है बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। उचित प्रशिक्षण, सुरक्षा उपकरण, स्वच्छ वातावरण और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता से श्रमिकों का विश्वास बढ़ता है और उनका प्रदर्शन भी बेहतर होता है।

श्रमिकों की जागरूकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कई बार दुर्घटनाएँ इसलिए होती हैं क्योंकि श्रमिक सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करते या उन्हें उनकी जानकारी नहीं होती। यदि श्रमिक अपने अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक हों, तो वे खुद को बेहतर तरीके से सुरक्षित रख सकते हैं। इसके लिए शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार आवश्यक है।

स्त्री को देह से आगे देखने की आवश्यकता

डॉ. प्रियंका सौरभ

समाज की प्रगति केवल इमारतों, तकनीक और आर्थिक विकास से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि वह अपने नागरिकों, विशेषकर महिलाओं, को किस दृष्टि से देखता है। यदि किसी समाज में स्त्री को केवल उसके रूप, देह या पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित कर दिया जाए, तो वह समाज आधा सच देख रहा होता है। प्रस्तुत रचना इसी अधूरे और संकीर्ण दृष्टिकोण पर करारा प्रहार करती है। कवि यह प्रश्न उठाता है कि क्यों स्त्रियों की उपलब्धियों, उनके ज्ञान, श्रम, संघर्ष और आत्मबल को उतनी प्रमुखता नहीं मिलती, जितनी उनके बाहरी स्वरूप को मिलती है। यह प्रश्न केवल साहित्यिक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना से जुड़ा हुआ प्रश्न है।

आज जब दुनिया विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और नेतृत्व के नए आयाम छू रही है, तब महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी क्षमता सिद्ध कर रही हैं। अंतरिक्ष में जाने वाली महिलाएँ केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणा बनती हैं। वे यह संदेश देती हैं कि आकाश भी सीमा नहीं है। भारत सहित विश्व के अनेक देशों में महिला वैज्ञानिकों, अंतरिक्ष यात्रियों और शोधकर्ताओं ने ऐसे कार्य किए हैं, जिनसे आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। लेकिन दुखद सत्य यह है कि उनकी उपलब्धियों की चर्चा अक्सर सीमित दायरों में रह जाती है, जबकि उनके व्यक्तित्व की सतही बातों को अधिक महत्व दिया जाता है।

कवि ने 'मैथमेटिक्स पढ़ाती महिलाओं' का उल्लेख करके एक महत्वपूर्ण संकेत दिया है। गणित जैसे विषय को लंबे समय तक पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता रहा। विज्ञान और गणित में महिलाओं की भागीदारी को कम आँका गया, जबकि इतिहास में अनेक महिलाओं ने गणित, भौतिकी, खगोलशास्त्र और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में अद्भुत

योगदान दिया है। आज भी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में हजारों महिला शिक्षिकाएँ नई पीढ़ी को ज्ञान दे रही हैं। वे केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ातीं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और तर्कशीलता का संस्कार भी देती हैं। फिर भी समाज अक्सर उनके योगदान को सामान्य मानकर अनदेखा कर देता है।

इसी प्रकार 'परिवार को पालती औरतों' का जिक्र इस रचना का अत्यंत संवेदनशील पक्ष है। घर चलाना, बच्चों का पालन-पोषण करना, बुजुर्गों की सेवा करना, आर्थिक जिम्मेदारियों में भागीदारी निभाना—ये सब ऐसे कार्य हैं, जिन्हें समाज लंबे समय तक स्वाभाविक मानता रहा और इन पर पर्याप्त चर्चा नहीं हुई। घर संभालने वाली महिला का श्रम अक्सर अदृश्य माना जाता है। यदि वही श्रम किसी संस्था या नौकरी के रूप में किया जाए, तो उसका मूल्य तय होता है; पर घर के भीतर किए गए श्रम को प्रेम और कर्तव्य कहकर सामान्य बना दिया जाता है। यह सोच बदलने की आवश्यकता है। परिवार की नींव को मजबूत रखने में महिलाओं की भूमिका केंद्रीय होती है, और इसे सम्मानपूर्वक स्वीकार करना समय की मांग है।

रचना की सबसे प्रभावशाली बात यह है कि यह केवल शिकायत नहीं करती, बल्कि समाज को आईना दिखाती है। अंतिम पंक्ति—जो लोग स्त्री को केवल शरीर तक देखते हैं, वे अभागे हैं—बहुत गहरा अर्थ रखती है। यहाँ 'अभागे' शब्द केवल आलोचना नहीं, बल्कि दया का भाव भी व्यक्त करता है। ऐसे लोग स्त्री के वास्तविक स्वरूप को समझने की क्षमता से वंचित हैं। वे उसकी संवेदना, बुद्धिमत्ता, सृजनशीलता, संघर्षशीलता और नेतृत्व क्षमता को नहीं देख पाते। वास्तव में वे स्त्री का नहीं, अपनी सोच का नुकसान करते हैं।

आज सोशल मीडिया और विज्ञापन की दुनिया में स्त्री की छवि को लेकर अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं। अक्सर महिलाओं को आकर्षण की वस्तु बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। उनकी योग्यता से अधिक उनके पहनावे, रूप-रंग और निजी जीवन पर चर्चा होती है। सार्वजनिक जीवन में सफल महिलाओं को भी कई बार उनकी उपलब्धियों से अधिक उनके बाहरी व्यक्तित्व के आधार पर आँका जाता है। यह प्रवृत्ति केवल मनोरंजन जगत तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीति, खेल, शिक्षा और कॉर्पोरेट जगत में भी दिखाई देती है। यह मानसिकता बदलने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

शिक्षा इस बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम है। यदि बचपन से लड़कों और लड़कियों दोनों को समानता, सम्मान और संवेदनशीलता का संस्कार दिया जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक न्यायपूर्ण समाज का निर्माण कर सकती हैं। स्कूलों में ऐसी कहानियाँ, उदाहरण और पाठ होने चाहिए जो महिलाओं की उपलब्धियों को सामने लाएँ। बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि स्त्री केवल एक संबंध नहीं, बल्कि स्वतंत्र व्यक्तित्व है। उसकी पहचान उसके सपनों, परिश्रम और उपलब्धियों से बनती है।

मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। समाचार, फिल्में, धारावाहिक और डिजिटल मंच समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। यदि मीडिया महिलाओं को केवल परंपरागत भूमिकाओं या बाहरी आकर्षण तक सीमित दिखाएगा, तो समाज भी वही दृष्टि को अपनाएगा। इसके विपरीत यदि महिला वैज्ञानिकों, शिक्षिकाओं, उद्यमियों, किसानों, खिलाड़ियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की कहानियों को प्रमुखता दी जाए, तो समाज की चेतना सकारात्मक दिशा में बढ़ेगी। आज आवश्यकता है कि प्रेरक महिला चरित्रों को अधिक स्थान मिले।

कार्यस्थलों पर भी महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव जरूरी है। महिला कर्मचारी या अधिकारी को उसकी क्षमता, नेतृत्व और कार्यकुशलता के आधार पर सम्मान मिलना चाहिए, न कि उसके रूप के आधार पर पूर्वाग्रहों से देखा जाए। समान वेतन, सुरक्षित वातावरण और अवसरों की समानता केवल नीतिगत विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के मूल तत्व हैं। जब महिलाएँ बिना भेदभाव के काम कर पाएँगी, तभी समाज अपनी पूर्ण क्षमता तक पहुँच सकेगा।

परिवार स्तर पर भी बदलाव की आवश्यकता है। अक्सर बेटियों को सीमाओं और बेटों को स्वतंत्रता के साथ पाला जाता है। यह अंतर बचपन से ही असमानता को जन्म देता है। यदि परिवार बेटियों को भी सपने देखने, निर्णय लेने और आगे बढ़ने का समान अवसर दें, तो समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव है। साथ ही बेटों को भी यह सिखाया जाना चाहिए कि सम्मान, साझेदारी और संवेदना ही मजबूत रिश्तों की नींव हैं।

यह रचना हमें यह भी समझाती है कि स्त्री का सम्मान केवल नारों से नहीं होगा।

महिला दिवस पर शुभकामनाएँ देना पर्याप्त नहीं, यदि रोजमर्रा के व्यवहार में भेदभाव बना रहे। सम्मान का अर्थ है—उसकी बात सुनना, उसकी मेहनत को स्वीकार करना, उसके निर्णयों का आदर करना और उसे स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में स्वीकार करना। यह बदलाव भाषा, व्यवहार, सोच और व्यवस्था—चारों स्तरों पर होना चाहिए।

इतिहास गवाह है कि जब-जब महिलाओं को अवसर मिले हैं, उन्होंने असाधारण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। राजनीति से विज्ञान तक, साहित्य से खेल तक, शिक्षा से उद्यमिता तक—हर क्षेत्र में महिलाओं ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। इसलिए यह कहना कि स्त्री किसी क्षेत्र में कमतर है, केवल पूर्वाग्रह है, सत्य नहीं। समाज को चाहिए कि वह महिलाओं को प्रेरणा, नेतृत्व और परिवर्तन की शक्ति के रूप में देखे।

रचना की शक्ति इसी में है कि वह सरल शब्दों में गहरी बात कहती है। यह कविता केवल स्त्री की प्रशंसा नहीं करती, बल्कि समाज से प्रश्न पूछती है—क्या हम अब भी स्त्री को आधा देखकर संतुष्ट हैं? क्या हम उसकी उपलब्धियों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं? क्या हम उसे बराबरी की दृष्टि से देखने का साहस रखते हैं? ये प्रश्न हर व्यक्ति के सामने खड़े हैं।

समय आ गया है कि हम स्त्री को देह से आगे देखें—विचार के रूप में, संघर्ष के रूप में, सृजन के रूप में, नेतृत्व के रूप में और पूर्ण मनुष्य के रूप में। जब समाज यह दृष्टि अपनाएगा, तभी वास्तविक समानता संभव होगी। स्त्री को सीमित देखने वाली मानसिकता जितनी जल्दी बदलेगी, उतनी जल्दी समाज भी आगे बढ़ेगा। क्योंकि स्त्री को सम्मान देना केवल महिला अधिकारों का विषय नहीं, बल्कि सभ्यता की परिपक्वता का प्रमाण है।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

आखिर दुनिया का 'थानेदार' ट्रंप और उनका अमेरिका खुद इतना असुरक्षित क्यों है?

कमलेश पांडे

आखिर दुनिया का 'थानेदार' कहे जाने वाला अमेरिका खुद असुरक्षित क्यों दिखता है? असल में यह एक मिथक और हकीकत का मिश्रण है। अमेरिका के नेता, जैसे डोनाल्ड ट्रम्प के 'असुरक्षित' दिखने के पीछे कई परतें होती हैं, क्योंकि उनकी मौजूदगी वाले स्थल पर यह तीसरा बड़ा हमला है। इसलिए यह सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक, संस्थागत और वैश्विक कारणों का मिश्रण है।

आइए, इसे सरल तरीके से:ऐसे समझिए।

पहला, वैश्विक नेतृत्व का दबाव: अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की।

दूसरा, घरेलू राजनीति की तीखी प्रतिस्पर्धा: डॉनल्ड ट्रंप की राजनीति बहुत ध्रुवीकृत रही है। अमेरिका के अंदर ही डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच तीखी टकराहट, मीडिया की आलोचना, और चुनावी दबाव—ये सब किसी भी नेता को 'रक्षात्मक' या असुरक्षित दिखा सकते हैं।

तीसरा, कानूनी और व्यक्तिगत विवाद: ट्रंप कई कानूनी मामलों, जांचों और विवादों से घिरे रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोई भी नेता अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क—कभी-कभी असुरक्षित—दिख सकता है।

चौथा, बदलती वैश्विक शक्ति-

संतुलन: अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रही। चीन, रूस जैसे देश चुनौती दे रहे हैं। इससे अमेरिका की 'थानेदार' वाली स्थिति पहले जैसी निर्विवाद नहीं रही, और यह असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है।

पांचवां, पॉपुलिस्ट (जनप्रिय) राजनीति की शैली:

ट्रंप की राजनीति में "हम बनाम वे" का नैरेटिव मजबूत रहा है। इस शैली में नेता अक्सर खतरे को बड़ा दिखाते हैं—चाहे वह बाहरी हो या आंतरिक—ताकि समर्थकों को एकजुट रखा जा सके। इससे भी 'असुरक्षा' का आभास होता है।

छठा, 'असुरक्षा' का एहसास बनाम असली आंकड़े;

अमेरिका में लंबे समय में अपराध दर (crime rate) घटी है, खासकर 1990 के बाद से, लेकिन फिर भी लगभग 46% लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। यानी समस्या सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि डर का माहौल भी है कारण स्पष्ट है कि मीडिया, सोशल मीडिया, और मास शूटिंग जैसी घटनाएं लोगों के दिमाग में डर बढ़ाती हैं।

सातवां, आर्थिक असमानता: अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर देशों में है, लेकिन अमीर-गरीब का अंतर बहुत बड़ा है बेरोजगारी, घर विहीनता, opioid crisis जैसी समस्याएं अपराध को बढ़ाती हैं। जहां असमानता ज्यादा होती है, वहां अपराध और असुरक्षा भी ज्यादा होती है।

आठवां, हथियार संस्कृति: अमेरिका में आम नागरिक के पास बड़ी संख्या में हथियार हैं। इससे छोटी घटनाएं भी घातक बन सकती हैं, जैसे शूटिंग इंसीडेंट्स। यही कारण है कि हिंसात्मक अपराध का डर ज्यादा रहता है।

नौवां, अपराध का 'केंद्रित' होना: पूरे अमेरिका में समान खतरा नहीं है, बल्कि अपराध कुछ खास शहरों या इलाकों में ज्यादा केंद्रित होता है। इसलिए: कुछ जगह बहुत सुरक्षित है पर कुछ जगह बहुत खतरनाक।

दसवां, मीडिया और राजनीति का प्रभाव: लगातार चौबीस घण्टे सातों दिन न्यूज और सोशल मीडिया 'खतरे' को अम्प्लीफाय (दुइब्बदुइ-दुइ4) करते हैं। लोग वास्तविकता से ज्यादा डर महसूस करते हैं। 'भय अर्थव्यवस्था' भी एक फैक्टर है।

बोध कथा

महानता और संपूर्णता का आधार है संतुलित जीवन

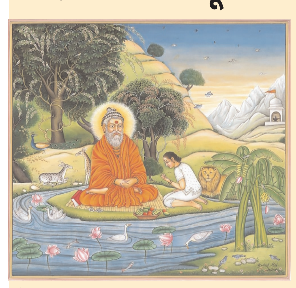

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। राजपुर नामक एक सुंदर राज्य में अर्जुन नाम का एक बुद्धिमान व्यापारी रहता था। वह अपने व्यापार में अत्यंत सफल था, लेकिन उसे हमेशा अधिक धन कमाने की लालसा रहती थी। इसी कारण, वह दिन-रात काम करता और अपने परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक जीवन की उपेक्षा करता था। एक दिन, वह एक संत के पास पहुंचा और बोला, 'महाराज, मैंने जीवन में बहुत धन कमाया है, लेकिन फिर भी मन अशांत रहता है।' कृपया मुझे शांति का मार्ग दिखाएं। संत मुस्कुराए और उसे एक जलपात्र दिया, जो पानी से भरा हुआ था। उन्होंने अर्जुन से कहा, इसे लेकर इस ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर चलो, लेकिन ध्यान रहे कि एक भी बूंद पानी गिरे नहीं। अर्जुन बहुत सावधानी से चलने लगा। जब वह संत के पास लौटा तो संत ने पूछा-क्या तुमने रास्ते के सुंदर पेड़, चहकते पक्षी और ठंडी हवा का आनंद लिया? अर्जुन ने उत्तर दिया- नहीं महाराज, मैं तो केवल इस पात्र को संभालने में लगा रहा, ताकि पानी गिर न जाए। संत मुस्कुराए और बोले- यही तुम्हारी समस्या है। तुम केवल धन कमाने में इतने व्यस्त हो कि जीवन के बाकी पहलुओं का आनंद नहीं ले पा रहे। जीवन में सच्ची शांति और आनंद पाने के लिए संतुलन आवश्यक है - कार्य, परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता में समरसता होनी चाहिए। अर्जुन को अपनी भूल का अहसास हुआ। उसने निश्चय किया कि अब वह केवल धन ही नहीं, बल्कि अपने परिवार, स्वास्थ्य और आत्मिक शांति का भी ध्यान रखेगा। कहने का भाव यही है कि जीवन में जब हम हर पहलू और पक्ष का ध्यान रखते हैं, जीवन के उतार-चढ़ाव के बीच साक्षी भाव से जीवन में घटने वाली हर परिस्थिति में समान रहते हैं।

तीर तेवर

व्यंग्य केसरी

संबंध तोड़ने की प्रेक्टिकली आदत

असीम अनमोल

संबंध तोडने होते है तो हम किसी की तरफ देखना पसंद नही करते। यह हमारी प्रेक्टिकली आदत है। इस आदत के अनुसार सम्बंधित दूरियां बनाना आरम्भ कर देता है। इस बीच मेरी संबंध तोड़ने की सुनोयोजित प्लानिंग पूरी हो जाती है। मिसेस शर्मा अपनी सहेली को नए जमाने से जुड़कर जीने के टिप्स दे रहीं थीं। तजुर्बेकार सहेली ने आहें भरते हुए कहा यार पता नही कैसे तुम संबंध तोड़ लेती हो सपा मुखिया के परिवार की तरह।

मुझे देखो पिछले पांच साल से अहंकारी सहेली से रिश्ता तोड़ने की मुहिम चला रही हूँ। कमल के फूल की तरह सफलता कहीं दिखाई ही नही देती। इतना बेहतरीन किस्म का मुंह सिकोड़ती हूँ। घर बैठकर परिपक्व आलोचनाएं करती हूँ। इधर उधर की उस पर अकारण ही बुराइयां थोप देती हूँ। पर न जाने वो किस मिट्टी की बनी है। बार बार मिलने पल्ला पकड़ने चली आती है। सहेली की कुंठामय परेशानी समझकर मिसेस शर्मा ने अपना एक और टिप्स वाला पैंतरा फेंका। बोली बात को गहराई से समझो। जब तुम्हे संबंध तोडना नही आता तो सीखो। नहीं तो समझ लो इस कलयुगी संसार में तुम अनाड़ी हो। आजकल इंसान हर क्षेत्र में संबंध तोड़कर ही आगे बढ़ रहा है। और तुम पीछे होती जा रही हो। ज़रा सोचों तुम्हारे और औरों के बीच संबंधों में जरूर तुम्हारी तरफ से कुछ लचक रहती होगी। तभी तुम्हारे संबंध टूटने के बजाए और मजबूत हो रहें हैं।

तुम ऐसा करो। आँखे खुली रखो। दुनिया के लिए अंधी बन जाओ। कोई दरवाजे पर आए तो दरवाजे पर हो रही नॉक को सुन तो लो। पर दरवाज़ा यह बहाना बनाकर न खोलो कि मैं तो गहरी नींद में सो रही थी। ऐसा तुम कई बार करो। फिर देखना संबंध कितनी आसानी से टूटेगा। सम्बन्ध तोड़ने का एक उम्दा तरीका और भी है। अपने आपको व्यस्त न रहकर भी व्यस्त रखना। घर पर रिश्तेदारों के जितने भी शादी के कार्ड आएं उनको बेहद प्यार से अपनाकर शादी वाले दिन व्यस्त रहने या कोई अचानक आई विपत्ति का इतना खूबसूरत बहाना बना दीजिए जिससे सम्बन्ध बिगड़ने के कागार पर पहुंच जाएं। बस सम्बन्धो को बिगाड़ने की कोशिश उम्दा होनी चाहिए। कोशिशें इंसान को कामयाब करती हैं। जिससे लगे कि आप वाकई सम्बन्धो को बिगाड़ने में एक्सपर्ट हो। एक बार हमारे घर पर मेहमान पधारे। हमको उनसे संबंध तोडना था। इससे अच्छा मौका कहाँ मिलता। मैं किचन से सीधे बैडरूम में जा घुसी। हौले हौले निकली उनके जाने के बाद। कुछ मिनट के बाद देखा कि आने वाला अपने थोमडे का मिला जुला नृत्य करते हुए वहां से खिसक लिया।

इतिहास

27 अप्रैल के इतिहास में प्रमुख घटनाओं में 1994 में दक्षिण अफ्रीका में सभी नस्लों के लिए पहला आम चुनाव, 1961 में सिएरा लियोन की स्वतंत्रता, और 2005 में एयरबस 380 की पहली उड़ान शामिल हैं। इसके अलावा, 1810 में बीथोवेन द्वारा प्रसिद्ध धुन 'फुर एलीसे' की रचना की गई थी। 27 अप्रैल का ऐतिहासिक घटनाक्रम: 2005: दुनिया के सबसे बड़े यात्री विमान एयरबस 380 ने पहली उड़ान भरी। 1994: दक्षिण अफ्रीका में ऐतिहासिक पहले बहु-नस्लीय चुनाव आयोजित किए गए, जो 44 वर्षों के रंगभेद (Apartheid) शासन के अंत का प्रतीक बने। 1992: बीटी बूथरॉयड (Betty Boothroyd) ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स में 700 साल के इतिहास में पहली महिला स्पीकर बनीं। 1961: पश्चिमी अफ्रीकी देश सिएरा लियोन को ब्रिटेन से आजादी मिली।

भारत में सोने में निवेश की हिस्सेदारी वर्ष 2025 में बढ़कर हुई 42 प्रतिशत, गोल्ड ईटीएफ और सिक्कों की बढ़ी मांग

नई दिल्ली । भारत में सोने की कुल खपत में निवेश का हिस्सा कैलेंडर वर्ष 2025 में बढ़कर 42 प्रतिशत हो गया, जो वर्ष 2024 में 29 प्रतिशत था। यह बढ़ोतरी गोल्ड ईटीएफ और बार व सिक्कों की खरीद बढ़ने के कारण हुई है, जो सुरक्षित निवेश, विविधता और वैश्विक अनिश्चितता को दर्शाती है।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में वैश्विक सोने की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8 प्रतिशत बढ़कर लगभग 5,000 मीट्रिक टन (एमटी) तक पहुंच गई। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से निवेश की मजबूत मांग के कारण हुई, जबकि सोने की कीमतें काफी ऊंची रहीं और आर्थिक चुनौतियां भी मौजूद थीं।

केयरएज के निदेशक अखिल गोयल ने कहा कि वैश्विक तनाव, सोने की कीमतों में बढ़त और निवेश को विविध बनाने की चाह आगे भी सोने में निवेश को बढ़ावा देती रहेगी। वित्त वर्ष 2027 तक कुल सोने की खपत में निवेश का हिस्सा 35-40 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट में बताया गया कि रिकॉर्ड कीमतों के बावजूद भारत में ज्वेलरी की मांग मजबूत बनी हुई है। वर्ष 2025 में ज्वेलरी की खरीद करीब 10 प्रतिशत बढ़कर 4.8 लाख करोड़ रुपए हो गई। वर्ष 2021 से वर्ष 2025 के बीच ज्वेलरी पर खर्च में सालाना औसत 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, लिस्टेड ज्वेलरी कंपनियों की आय वित्त वर्ष 2026 में 35 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2027 में 20-25 प्रतिशत बढ़ सकती है। इसका कारण नए स्टोर खुलना और संगठित बाजार का तेजी से बढ़ना है।

औसत सकल लाभ मार्जिन वित्त वर्ष 2026 में 170-200 बेसिस पॉइंट बढ़ने का अनुमान है, जिसका कारण बिना हेजिंग वाले सोने के स्टॉक से मिलने वाला फायदा है।

रिपोर्ट में बताया गया कि वर्ष 2025 में वैश्विक निवेश की मांग 2,175 मीट्रिक टन रही, जो वर्ष 2020 के 1,805 मीट्रिक टन के पिछले रिकॉर्ड से ज्यादा है। इसमें गोल्ड ईटीएफ में 800 मीट्रिक टन का निवेश प्रमुख रहा। वैश्विक जोखिम और सुरक्षित निवेश की जरूरत के कारण लोगों ने अपने निवेश को विविध बनाया, जिससे सोने की मांग बढ़ी। भारत में भी पिछले दो साल में ईटीएफ में निवेश तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2025 में 37.5 टन का निवेश हुआ, जो पिछले 10 साल के कुल निवेश से ज्यादा है।

केंद्रीय बैंकों ने लगातार चौथे साल बड़े स्तर पर सोना खरीदा, जिससे यह साफ होता है कि वैश्विक चुनौतियों के बीच सोना एक सुरक्षित निवेश के रूप में देखा जा रहा है।

वैश्विक स्तर पर सोने की खपत में बदलाव देखा गया है। वर्ष 2025 में ज्वेलरी का हिस्सा 19 प्रतिशत घटकर 33 प्रतिशत रह गया, जो पिछले 15 साल के औसत से काफी कम है। भारत में भी ज्वेलरी का हिस्सा कुल सोने की खरीद में 60 प्रतिशत से नीचे आ गया है, जबकि पहले यह करीब 70 प्रतिशत हुआ करता था।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए से बाजार को मिली मजबूती, सेंसेक्स-निफ्टी में 0.8 प्रतिशत की बढ़त

मुंबई । पश्चिम एशिया तनावों के बीच वैश्विक बाजारों में मजबूती और भू-राजनीतिक माहौल में सुधार और भारत-न्यूजीलैंड के बीच हुए ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के चलते पिछले लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में हरियाली देखने को मिली और घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 639.42 अंकों यानी 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,303.63 पर ट्रेड करते नजर आया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 194.75 (0.81 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 24,092.70 पर पहुंच गया।

दिन के कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 76,856.05 पर खुलकर 563.99 अंक बढ़कर 77,420.04 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 23,945.45 पर खुलकर 185.25 अंक चढ़कर 24,130.70 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.90 प्रतिशत और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 1.47 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी आईटी और निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया और निफ्टी मेटल में 2 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी एफएमसीजी ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज का प्रदर्शन बेंचमार्क इंडेक्स से कमजोर रहा।

निफ्टी 50 पैक में सन फार्मा, टेक महिंद्रा, विप्रो, अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, एसबीआई लाइफ, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचसीएल टेक, एमएंडएम और टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की गई और ये टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे।

जबकि श्रीराम फाइनेंस, एक्सिस बैंक, बीईएल, टाटा कंज्यूमर, ट्रेंट, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल और नेस्ले इंडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

गुजरातः बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए साबरमती नदी पर तेजी से हो रहा पुल का निर्माण

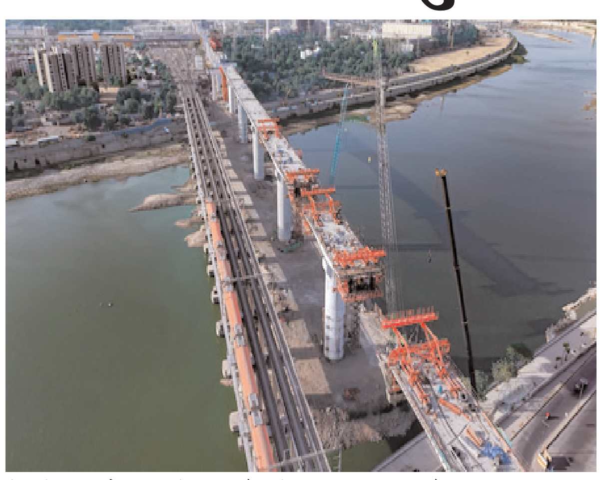

अहमदाबाद । मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना के तहत साबरमती नदी पर 36 मीटर ऊंचे पुल का निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है। इसके अलावा और कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे हो चुके हैं। यह जानकारी परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने दी है।

लगभग 480 मीटर लंबा और 12 मंजिला इमारत के बराबर ऊंचाई वाला यह पुल पश्चिमी रेलवे की अहमदाबाद-दिल्ली मुख्य लाइन के समानांतर बनाया जा रहा है। यह प्रस्तावित साबरमती और अहमदाबाद हाई-स्पीड रेलवे स्टेशनों के बीच स्थित है। साबरमती स्टेशन से लगभग एक किलोमीटर और अहमदाबाद स्टेशन से लगभग चार किलोमीटर की दूरी पर है।

इसके सभी आठ गोलाकार खंभे (प्रत्येक का व्यास 6 से 6.5 मीटर के बीच) का कार्य पूरा हो चुका है। इनमें से चार खंभे नदी तल में, दो नदी के किनारों पर और दो नदी के किनारों से बाहर स्थित हैं। खंभे की ऊंचाई लगभग 31 से 34 मीटर के बीच है। इन्हें इस तरह से बनाया गया है कि नदी के प्राकृतिक प्रवाह में कम से कम बाधा आए।

पुल में 76 मीटर के पांच और 50 मीटर के दो स्पैन हैं। प्रत्येक स्पैन का निर्माण मौके पर ही ढाले गए 23 खंडों का उपयोग करके किया जा रहा है।

इस परियोजना में संतुलित कैंटिलीवर विधि का उपयोग किया गया है, जो नदियों पर बने लंबे पुलों के लिए उपयुक्त तकनीक है। यह विधि संरचना के नीचे चबूतरे के बिना निर्माण की अनुमति देती है, जबकि खंडों को क्रमिक रूप से जोड़ा जाता है और पोस्ट-टेंशनिंग (कंक्रीट तकनीक) द्वारा एक सतत डेक बनाया जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि नींव और आधारभूत संरचना का काम पूरा हो चुका है, जो निर्माण में एक महत्वपूर्ण चरण है। 76 मीटर के तीन स्पैन पूरे हो चुके हैं, जबकि शेष ऊपरी संरचना पर पियर हेड का निर्माण और खंडों की ढलाई जारी है। निर्माण के दौरान साबरमती नदी में निर्बाध जल प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए भी उपाय किए गए हैं। अस्थायी तटबंधों पर ह्यूमे पाइप पुलिया लगाई गई हैं और पानी के निरंतर प्रवाह के लिए एक प्राकृतिक जल निकासी चैनल बनाए रखा गया है। लगभग 508 किलोमीटर लंबा मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर राष्ट्रीय हाई-स्पीड रेल निगम लिमिटेड द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

इस परियोजना में कई नदी पारगमन और जटिल संरचनाएं शामिल हैं, जिनमें से कई पुल पहले ही पूरे हो चुके हैं।

भारत में ऑफिस लीजिंग 2026 की पहली तिमाही में रिकॉर्ड 21.5 मिलियन सक्वायर फीट रही

नई दिल्ली। भारत में ऑफिस लीजिंग 2026 की पहली तिमाही में रिकॉर्ड 21.5 मिलियन स्क्वायर फीट पर रही है। इसकी वजह लगातार ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) और फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस ऑपरेटर्स की ओर से मांग बने रहना है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

कमर्शियल रियल एस्टेट सर्विसेज फर्म कंपनी जेएलएल की रिपोर्ट के अनुसार, कुल लीजिंग में सालाना आधार पर 10.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें जीसीसी की हिस्सेदारी 45.5 प्रतिशत और फ्लेक्स ऑपरेटरों का हिस्सेदारी 25.9 प्रतिशत है।

रिपोर्ट में बताया गया कि यह वृद्धि ग्लोबल कंपनियां द्वारा भारत का लाभ उठाने के तरीके में आए मूलभूत परिवर्तन के कारण हो रही है। जीसीसी ने अपने विस्तार को सालाना आधार पर 43 प्रतिशत बढ़ाकर 10 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंचा दिया है और अब कुल लीजिंग गतिविधि में उनका हिस्सा 45.5 प्रतिशत है।

जेएलएल के ऑफिस लीजिंग और रिटेल सर्विसेज के प्रमुख, वरिष्ठ प्रबंध निदेशक (कर्नाटक, केरल), भारत, राहुल अरोरा ने कहा, 'ये पारंपरिक बैक-ऑफिस ऑपरेशन नहीं हैं, ये एआई डेवलपमेंट, डिजिटल इंजीनियरिंग और मुख्य उत्पाद विकास पर केंद्रित रणनीतिक इनोवेशन सेंटर्स हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि लीजिंग बाजार लगातार मजबूत हो रहा है और पूरे भारत में खाली ऑफिस की दर घटकर पांच वर्षों के निचले स्तर 14.7 प्रतिशत पर रही है। वहीं, तिमाही में नेट अब्सॉर्प्शन 13.7 मिलियन स्क्वायर फीट पर पहुंच गया है।

क्षेत्रीय स्तर पर, बेंगलुरु पहली तिमाही में लीजिंग वॉल्यूम में 24.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर था, इसके बाद मुंबई 19.5 प्रतिशत और हैदराबाद 16.8 प्रतिशत के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। पुणे की हिस्सेदारी 14.5 प्रतिशत रही, जबकि दिल्ली-एनसीआर की हिस्सेदारी 14.2 प्रतिशत थी।

बेंगलुरु में तिमाही सकल लीजिंग गतिविधि में जीसीसी (जीसीसी) की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत रही, जो पिछले दो वर्षों में सबसे अधिक है।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए का उद्योगों ने किया स्वागत, कहा- कृषि खाद्य और समुद्री उत्पादों को मिलेगा बड़ा बाजार

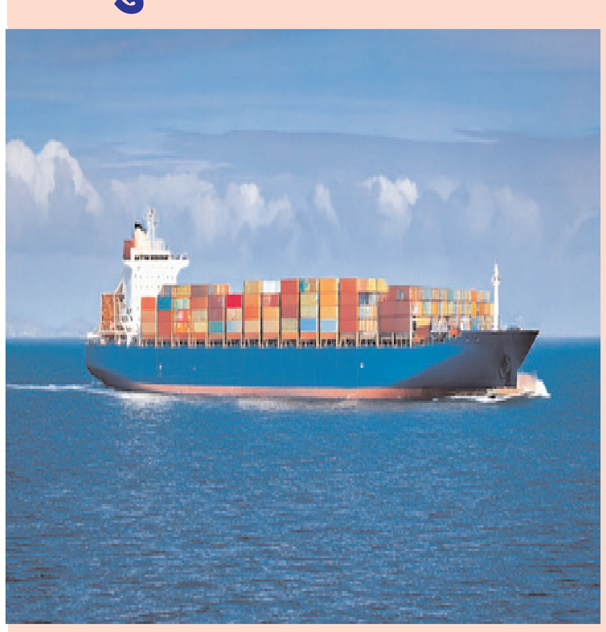

नई दिल्ली। भारत-न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) का उद्योगों ने स्वागत किया और कहा कि इससे भारतीय उत्पादों के लिए बाजार पहुंच में सुधार होगा और निर्यातकों विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए नए अवसर पैदा होंगे।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन्स (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि एफटीए से कृषि, वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग सामान और आईटी एवं आईटीईएस जैसी सेवाओं, व्यावसायिक सेवाओं, इंजीनियरिंग, शिक्षा, निर्माण और स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय निर्यातकों के लिए द्विपक्षीय व्यापार के नए रास्ते खुलेंगे।

उन्होंने कहा कि इससे हमारे निर्यातकों, विशेष रूप से लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं और सेवाओं की बढ़ती मांग वाले उच्च मूल्य वाले बाजार में प्रवेश करने के अपार अवसर प्राप्त होंगे।

एफटीए ढांचे के तहत प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, डेयरी अल्टरनेटिव और जैविक उत्पाद जैसे क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि देखने को मिल सकती है। जैविक प्रमाणन के लिए पारस्परिक मान्यता व्यवस्था (एमआरए) से बाजार में प्रवेश आसान होगा, जबकि आयुष उत्पादों को पहली बार प्रवेश मिलेगा।इसके अतिरिक्त, सेवा क्षेत्र को बेहतर गतिशीलता प्रावधानों और व्यावसायिक योग्यताओं की पारस्परिक मान्यता से लाभ होने की संभावना है।

रल्हन ने आगे कहा कि कम टैरिफ बाधाओं और सुव्यवस्थित व्यापार प्रक्रियाओं के साथ, भारतीय व्यवसायों को न्यूजीलैंड के बाजार में बेहतर प्रतिस्पर्धात्मकता का लाभ मिलेगा।

इससे भारत के निर्यात गंतव्यों में विविधता आएगी और पारंपरिक बाजारों पर अत्यधिक निर्भरता कम होगी। उन्होंने कहा कि निर्यातकों को इस समझौते की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए अपने उत्पाद मानकों और विपणन रणनीतियों को सक्रिय रूप से संरेखित करना चाहिए।

ट्रेड प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (टीपीसीआई) के अध्यक्ष रोहित सिंगला ने कहा कि यह समझौता भारतीय कृषि-खाद्य उत्पादों, जिनमें प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, पेय पदार्थ, मसाले और समुद्री उत्पाद शामिल हैं, के लिए बाजार पहुंच को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा, क्योंकि इससे शुल्क कम होंगे और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने में सुविधा मिलेगी।

सिंगला ने कहा कि खाद्य सुरक्षा, ट्रेसबिलिटी और टिकाऊ प्रथाओं में न्यूजीलैंड की विशेषज्ञता भारत की बढ़ती क्षमताओं को पूरक कर सकती है, जिससे हमारे निर्यातकों को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में प्रभावी ढंग से एकीकृत होने में मदद मिलेगी।

भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री मार्च में 16 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 4.4 लाख यूनिट्स हो गई है और इसमें तिमाही आधार पर 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसकी वजह मजबूत घरेलू मांग को माना जा रहा है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

आईसीआरए की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में ऑटोमोबाइल की थोक बिक्री वित्त वर्ष 27 में 4-6 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इसे जीएसटी में कटौती और नए मॉडल के लॉन्च होने से फायदा होगा।

नए मॉडलों के लॉन्च की लगातार बढ़ती मांग और संशोधित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों के निरंतर सकारात्मक प्रभाव के चलते मार्च में खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

जीएसटी दरों में बदलाव के बाद वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में थोक बिक्री में 0.2 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि दूसरी छमाही में इसमें 17 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई। खुदरा बिक्री में भी 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह अब तक के उच्चतम स्तर 46 लाख यूनिट तक पहुंच गई।

रिपोर्ट में फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के आंकड़ों का हवाला दिया गया है, जिसके अनुसार खुदरा बिक्री में मजबूती के चलते इन्वेंट्री का स्तर मार्च 2026 तक घटकर लगभग 28 दिन रह गया, जबकि मार्च 2025 के अंत में यह 52-53 दिन और सितंबर 2025 में 60 दिन था।

वित्त वर्ष 2026 में यात्री वाहनों (पीवी) की कुल बिक्री में यूटिलिटी वाहनों (यूवी) का हिस्सा 68 प्रतिशत था। हालांकि यूवी वाहनों की बिक्री में सबसे अधिक हिस्सेदारी बनी हुई है, लेकिन जीएसटी दरों में कटौती के बाद मिनी, कॉम्पैक्ट और सुपर-कॉम्पैक्ट सेगमेंट में बिक्री में थोड़ी वृद्धि हुई है।

यूवी सेगमेंट बिक्री का मुख्य चालक बना रहेगा, हालांकि यात्री कारों की मांग में भी वृद्धि होने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2026 में निर्यात में 18 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई, हालांकि यह वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वृद्धि भारतीय निर्माताओं द्वारा आपूर्ति बढ़ाने के संकेत देती है।

यूबीएस ने इंडिगो को किया डाउनग्रेड, टारगेट प्राइस भी घटाया

मुंबई। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म यूबीएस ने सोमवार को इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड को डाउनग्रेड कर दिया है, साथ ही टारगेट प्राइस को घटाकर 4,940 रुपए कर दिया है।

यूबीएस ने इंटरग्लोब एविएशन की रेटिंग को 'बाय' से घटाकर 'न्यूट्रल' कर दिया है। साथ ही टारगेट प्राइस को कम करके 4,940 रुपए कर दिया है, जो कि पहले 5,480 रुपए था।

यह डाउनग्रेड ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिका-ईरान के संघर्ष के कारण तनाव बना हुआ है और ऊर्जा की कीमतें उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं।

ब्रोकरेज फर्म ने बताया कि विमानन क्षेत्र विशेष रूप से कमजोर रहा है, क्योंकि कई क्षेत्रों में आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण हाल के महीनों में जेट ईंधन की हाजिर कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं।

हालांकि इन घटनाक्रमों ने वैश्विक एयरलाइनों पर दबाव डाला है, यूबीएस ने स्वीकार किया कि इंडिगो अपने विशाल आकार और परिचालन दक्षता के कारण कई अंतरराष्ट्रीय समकक्षों की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है।

घरेलू स्तर पर, विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में वृद्धि को सीमित करने के लिए भारत सरकार के हस्तक्षेप से कुछ राहत मिली है।

अप्रैल 2026 के लिए, एटीएफ की कीमतों में 9 प्रतिशत की वृद्धि की सीमा तय की गई, जो मार्च में अंतरराष्ट्रीय कीमतों में देखी गई 115 प्रतिशत की वृद्धि से काफी कम है।

इस कदम से भारत में संचालित एयरलाइनों पर तत्काल प्रभाव को कम करने में मदद मिली है।

हालांकि, इंडिगो के शेयर में तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। दोपहर 3 बजे शेयर एक प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,567 रुपए पर था।

पिछले पांच दिनों में, इंडिगो के शेयर 3 प्रतिशत गिर गए हैं। पिछले एक महीने में शेयर ने 11 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है।

एलोन मस्क सैम अल्टमैन की ओपनएआई से 134 अरब डॉलर क्यों मांग रहे हैं

एलोन मस्क और ओपनएआई के बीच बहुचर्चित कानूनी लड़ाई अब अदालत में पहुंचने वाली है, जिसके लिए आज कैलिफोर्निया के ऑकलैंड में एक संघीय अदालत में जूरी चयन शुरू होने वाला है। इस मामले की देखरेख जज यवोन गोंजालेज रोजर्स करेंगी। इस विवाद को 'अरबपतियों बनाम अरबपतियों' के रूप में वर्णित करते हुए जज ने पहले ही इस मामले के पैमाने और महत्व पर प्रकाश डाला था। जब से मस्क ने 2024 में पहली बार मुकदमा दायर किया है, तब से यह मामला मुकदमे तक पहुंचने से पहले कई मोड़ देख चुका है।

मस्क ओपनएआई पर मुकदमा क्यों कर रहे हैं

मस्क ने ओपनएआई पर मानवता के लाभ के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विकसित करने के अपने मूल मिशन से भटकने का आरोप लगाया है। मुकदमे के अनुसार, कंपनी विशेष रूप से माइक्रोसॉफ्ट के साथ अपनी साझेदारी के माध्यम से लाभ-संचालित मॉडल की ओर बढ़ गई। अरबपति का दावा है कि उन्होंने ओपनएआई के शुरुआती दिनों में लगभग 3.8 करोड़ डॉलर का योगदान इस समझ के साथ दिया था कि इसकी तकनीक ओपन-सोर्स रहेगी और सार्वजनिक लाभ के लक्ष्यों के अनुरूप होगी।

अपने आवेदन में मस्क ने आरोप लगाया है कि सैम अल्टमैन और अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन सहित ओपनएआई के नेतृत्व ने उन्हें संगठन की संरचना और दीर्घकालिक इरादों के बारे में गुमराह किया। उनका तर्क है कि उनका समर्थन एक गैर-लाभकारी मॉडल के आधार पर सुरक्षित किया गया था जो सुरक्षित और खुले एआई विकास पर केंद्रित था। मस्क

ईरान होरमुज को खुलवाने का इच्छुक: तेहरान के लिए जलडमरूमध्य में सुचारु आवाजाही क्यों मायने रखती है

ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर बात किए बिना होरमुज जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ खत्म करने का प्रस्ताव दे रहा है। इस प्रस्ताव की जानकारी रखने वाले क्षेत्रीय अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इसी बीच ईरान के विदेश मंत्री रूस के दौरे पर गए, जिसे उन्होंने इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ जारी युद्ध पर मॉस्को से परामर्श का अवसर बताया।

दोनों अधिकारियों ने, जिन्होंने बंद कमरे में चल रही वार्ताओं पर चर्चा करने के लिए गुमनाम रहने की शर्त पर बात की, कहा कि ईरान चाहता है कि अमेरिका उसके खिलाफ नाकेबंदी भी समाप्त करे।

यह नया प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए अमेरिका तक पहुंचाया गया है, लेकिन इसके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समर्थन मिलने की संभावना कम है। ट्रंप चाहते हैं कि होरमुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और युद्धविराम को स्थायी बनाने के लिए किसी भी व्यापक समझौते के तहत ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करे। ट्रंप ने रविवार को फॉक्स न्यूज चैनल से कहा, 'हमारे पास सभी पत्ते हैं। अगर वे बात करना चाहते हैं, तो वे हमारे पास आ सकते हैं या हमें फोन कर सकते हैं।' सबसे पहले ×द्वश्ह्य ने ईरान के इस प्रस्ताव की खबर दी।

ईरान नाकेबंदी खत्म क्यों चाहता है

एपी और अल जज़ीरा के अनुसार, ईरान की अर्थव्यवस्था कम से कम अगस्त 2026 तक अमेरिका की पूर्ण नौसैनिक नाकेबंदी के प्रभाव को झेल सकती है। यह आकलन समुद्र में मौजूद उसके तेल भंडार और घेराबंदी के बावजूद वैकल्पिक राजस्व स्रोत बनाए रखने की उसकी क्षमता पर आधारित है।

ईरानी अर्थव्यवस्था की स्थिरता 'स्टोरेज क्लॉक' और मौजूदा वित्तीय सुरक्षा पर निर्भर करती है:

13-20 दिन: अनुमानित समय, जिसके बाद ईरान की ज़मीनी तेल भंडारण क्षमता पूरी तरह भर जाएगी। इसके बाद उसे पुराने तेल कुओं को बंद करना पड़ेगा, जिससे 'वॉटर कोनिंग' नामक स्थायी भूवैज्ञानिक नुकसान हो सकता है।

3 से 4 महीने: समुद्र में मौजूद तेल (लगभग 160-183 मिलियन बैरल) से होने वाली आय, जो अर्थव्यवस्था को सहारा दे सकती है।

अगस्त 2026: वह समय जब मौजूदा वित्तीय और लॉजिस्टिक संसाधन खत्म हो सकते हैं।

रणनीतिक और आर्थिक उपाय

आर्थिक गिरावट को टालने के लिए ईरान कई कदम उठा रहा है:

फ्लोटिंग स्टोरेज: तेहरान ने बंद हो चुके जहाजों, जैसे 30 साल पुराने वीएलसीसी 'नाशा', को अस्थायी समुद्री भंडारण के रूप में फिर से इस्तेमाल करना शुरू किया है।

'टोल बूथ' आय: रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने होरमुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले विदेशी जहाजों से 20 लाख डॉलर तक शुल्क लेना शुरू कर दिया है, जिनमें से कुछ भुगतान चीनी युआन में हो रहे हैं।

असममित रणनीति: अल जज़ीरा के अनुसार, ईरान साइबर हमले, गुरिल्ला कार्रवाई और जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंग बिछाने जैसे तरीकों का उपयोग कर अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए नाकेबंदी की लागत बढ़ा रहा है।

मुख्य बाधाएं

इस टकराव की अवधि केवल ईरान की सहनशक्ति पर ही नहीं, बल्कि अमेरिका और वैश्विक दबाव पर भी निर्भर करेगी:

राष्ट्रपति ट्रंप के सामने 1 मई 2026 की समय-सीमा है, जिसके बाद कांग्रेस की मंजूरी के बिना विदेशी सैन्य कार्रवाई जारी रखने का अधिकार समाप्त हो जाएगा।

नाकेबंदी के कारण होरमुज जलडमरूमध्य में यातायात सामान्य स्तर के 10% से भी कम रह गया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा कीमतें बढ़ गई हैं और चीन जैसे बड़े व्यापारिक साझेदारों की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है।

हालांकि अधिकारी 'एकजुटता' का दावा कर रहे हैं, लेकिन जावेद ज़रीफ़ जैसे पूर्व नेताओं ने चेतावनी दी है कि लंबे समय तक टकराव जारी रहने से महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हो सकता है।

तथ्य और आंकड़े

ईरान के संवर्धित यूरेनियम का मुद्दा लंबे समय से तनाव का केंद्र रहा है।

संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के अनुसार, तेहरान के पास 60 प्रतिशत शुद्धता तक संवर्धित 440 किलोग्राम (970 पाउंड) यूरेनियम है, जो हथियार-स्तर तक पहुंचने से केवल एक तकनीकी कदम दूर है।

युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान में कम से कम 3,375 लोगों की मौत हो चुकी है और लेबनान में कम से कम 2,509 लोगों की जान गई है।

जहां ईरान युद्ध शुरू होने के दो दिन बाद इज़राइल-हिज़्बुल्लाह संघर्ष फिर से शुरू हुआ। इज़राइल में 23 लोगों की मौत हुई है।

आपकी चाय भी नकली तो नहीं? 3000 यद्द मिलावटी पत्ती जब्त, ऐसे करें घर पर असली-नकली चाय पत्ती की पहचान

भारत में चाय को सिर्फ एक रिफ्रेशिंग ड्रिंक के रूप में नहीं देखा जाता है, कई लोगों के लिए यह एक इमोशन है। यहां चाय के साथ सिर्फ दिन की ही नहीं, बल्कि रिश्तों की भी शुरुआत होती है। ऐसे में चाय पत्ती में मिलावट की खबर दिल तोड़ने जैसी है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में हैदराबाद खाद्य मिलावट निगरानी दल (एच-फास्ट) ने शहर भर में छापेमारी की और 3,000 किलोग्राम मिलावटी चाय पाउडर और 1,500 किलोग्राम एक्सपायर्ड चाय पाउडर सहित अन्य सामग्री जब्त की है। भले ही यह मामला देश के एक हिस्से से आया है, लेकिन हो सकता है कि आपके शहर में भी चाय पत्ती में मिलावट का खेल चल रहा हो। ऐसे में जरूरी है कि अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए बिना देरी आप अपने किचन में रखी चाय पत्ती को यहां बताए गए तरीकों से टेस्ट करें। समय रहते असली और नकली चाय पत्ती की पहचान आपको गंभीर जोखिम से बचा सकती है।

FSSAI के चाय में मिलावट पहचानने के आसान टेस्ट

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने कुछ आसान तरीके बताए हैं, जिनसे आप घर पर ही चाय की शुद्धता जांच सकते हैं।

पानी टेस्ट - एक गिलास सामान्य तापमान के पानी में एक चम्मच चाय पत्ती डालें। अगर चाय शुद्ध है, तो पानी का रंग नहीं बदलेगा। लेकिन अगर मिलावट है, तो पानी लाल या अलग रंग का हो सकता है।

फिल्टर पेपर टेस्ट - एक फिल्टर पेपर लें और उस पर चाय पत्ती फैला दें। उस पर थोड़ा पानी छिड़ककर गीला करें और फिर नल के पानी से धो लें। अब इसे रोशनी में देखें। अगर चाय शुद्ध है, तो कोई दाग नहीं दिखेगा। मिलावटी चाय में काला या भूरा दाग नजर आएगा।

कलर टेस्ट - इस टेस्ट के लिए आपको सबसे पहले चाय बनानी पड़ेगी। चाय बनाकर उसका रंग देखें। असली चाय का रंग साफ और चमकदार होता है, जबकि मिलावटी चाय का रंग धुंधला या असामान्य लग सकता है।

घुलनशीलता टेस्ट - चाय पत्ती को पानी में डालें। शुद्ध चाय पत्ती पूरी तरह नहीं घुलती, बस फूलती है। लेकिन मिलावटी चाय पानी में घुलकर पाउडर जैसी हो सकती है।

मिलावटी चाय पीने के नुकसान

रिपोर्ट्स के अनुसार, चाय की गुणवत्ता जांचने के लिए कई मानक होते हैं, फिर भी बाजार में मिलावट की जाती है। इसमें इस्तेमाल होने वाले नकली रंग और केमिकल सेहत के लिए खतरनाक हो सकते हैं। इससे ब्लड प्रेशर (हाई बीपी) बढ़ सकता है। लिवर और किडनी को नुकसान हो सकता है। इसमें कीटनाशक और केमिकल हो सकते हैं, जो लंबे समय में कैंसर, हार्मोन असंतुलन और दिमागी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। कुछ लोगों में यह एलर्जी भी कर सकता है, जैसे खुजली, रैशेज या गंभीर स्थिति में सांस लेने में दिक्कत। इसलिए चाय खरीदते और पीते समय सावधानी बरतना बहुत जरूरी है।

सबसे घातक कैंसर, 10 में से 9 की हो जाती है मौत, क्या नई वैक्सीन रोक पाएगी इसे

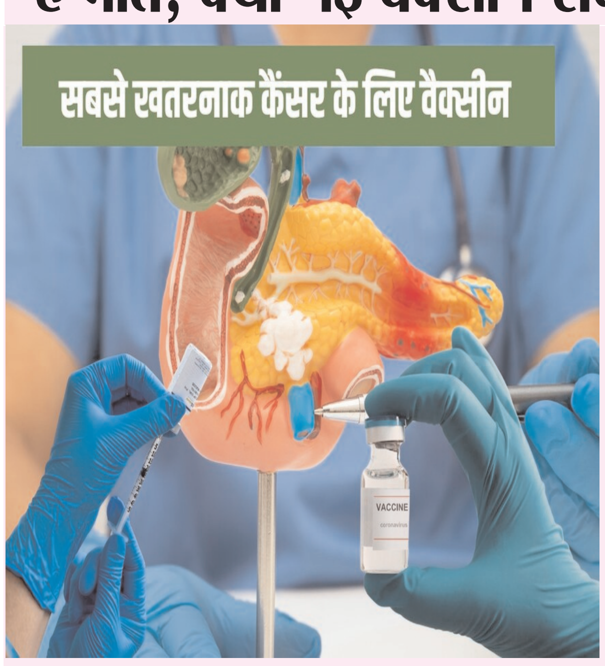

वैसे तो कैंसर आज भी सबसे खतरनाक बीमारियों में से एक है, जिनमें अधिकांश का इलाज कर पाना मुश्किल होता है, लेकिन पैंक्रिएटिक कैंसर या अग्नाशय का कैंसर सबसे खतरनाक माना जाता है। यह इतना घातक है कि 10 में से लगभग 9 मरीजों की मौत हो जाती है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि इस कैंसर का पता बहुत एडवांस स्टेज में चलता है। तब तक यह शरीर के अधिकांश हिस्सों में फैल चुका होता है। अब इस कैंसर के लिए नई वैक्सीन की काफी चर्चा हो रही है। न्यूयॉर्क के मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर ने जर्मन बायोटेक्नोलॉजी कंपनी बायोटेक के साथ मिलकर पैंक्रिएटिक कैंसर के लिए मैसेंजर ऋ्र्ह पर आधारित जो वैक्सीन तैयार की थी, उसका 18 महीने का ट्रायल पूरा हो गया है। दावा किया जा रहा है कि वैक्सीन का परिणाम बेहद सकारात्मक रहा है।

ट्रायल में 90 फीसदी सफलता

मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर के प्रमुख साइंटिस्ट और इस अध्ययन के प्रमुख डॉ. विनोद बालचंद्रन का कहना है कि mRNA वैक्सीन का परिणाम बेहद सकारात्मक रहा है। यह वैक्सीन शरीर की उस प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय कर देती है, जो पैंक्रियाज में कैंसर कोशिकाओं की पहचान कर उन पर हमला करती है। डॉ. बालचंद्रन ने कहा कि पैंक्रियाज में जब ट्यूमर होता है और अगर उसकी शुरुआती पहचान भी हो जाती है, तो सर्जरी के बाद इसके दोबारा पनपने की बहुत ज्यादा आशंका रहती है। लेकिन इस वैक्सीन को देने के बाद दोबारा सर्जरी की शायद जरूरत न पड़े। एडवांस स्टेज वाले 16 मरीजों पर इस वैक्सीन का पहला परीक्षण किया गया, जिनमें 8 में यह वैक्सीन 90 प्रतिशत तक सफल रही है। डॉ. विनोद बालचंद्रन ने बताया कि शुरुआती रिजल्ट इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में यह वैक्सीन सबसे घातक कैंसरों में से एक के लिए महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती है।

भारत में सर्वाइवल रेट बहुत कम

टाटा कैंसर केयर फाउंडेशन के चीफ एग्जीक्यूटिव और पैंक्रिएटिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर सर्जन डॉ. शैलेष श्रीखंडे बताते हैं कि दो दशक पहले तक भारत में प्रति एक लाख में 2.5 से 3 लोगों को अग्नाशय का कैंसर होता था, लेकिन अब यह संख्या 6 से 7 हो गई है। ग्लोबोकैन (GLOBOCAN) 2022 के मुताबिक भारत में हर साल करीब 15 से 17 हजार पैंक्रिएटिक कैंसर के मामले सामने आते हैं। इनमें से 12 से 13 हजार मरीजों की जल्दी मौत हो जाती है। हालांकि वास्तविक आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा हो सकता है, क्योंकि भारत का कैंसर रजिस्ट्री सिस्टम इस तरह का नहीं है, जिसमें कैंसर मरीजों का डेटा सही से दर्ज हो सके। वैसे तो पैंक्रिएटिक कैंसर इतना घातक है कि विकसित देशों में भी इसमें सर्वाइवल रेट बहुत कम है, लेकिन भारत की स्थिति और भी खराब है। भारत में पैंक्रिएटिक कैंसर का सर्वाइवल रेट लगभग 7 से 9 फीसदी है। 80-90 फीसदी मामलों में इसका पता एडवांस स्टेज पर चलता है।

बिना AC भी महसूस होगी ठंडक, घर को ठंडा करने के लिए करें ये 6 सस्ते जुगाड़

दिल्ली समेत कई राज्यों में हीटवेव के कारण ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों को धूप में कम निकलने, ज्यादा पानी पीने और बाहर निकलने पर छाता, स्कार्फ या कैप का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। लेकिन इस मौसम की मार घर पर रहने वालों पर भी पड़ रही है। ऐसे में अगर घर में एसी नहीं है, तो गर्मी से बच पाना मुश्किल है।

लेकिन इसमें पूरी सच्चाई नहीं है। कुछ ऐसे नेचुरल उपाय हैं, जो घर को ठंडा रखने में मदद करते हैं। हालांकि ये एसी की तरह इंस्टेंट कूलिंग नहीं करते, पर ये आपके एसी के बिल को कम कर सकते हैं और कूलर की कार्यक्षमता को बढ़ा सकते हैं। यहां हम आपको ऐसे ही 6 नेचुरल कूलिंग जुगाड़ के बारे में बता रहे हैं।

बिना एसी घर को ठंडा रखने के उपाय

गर्मी के मौसम में भी सुबह की हवा ठंडी होती है। ऐसे में जब आप इस समय खिड़कियां और दरवाजे खोलते हैं, तो घर ताजगी से भर उठता है। धूप तेज होते ही खिड़कियों को बंद करना भी जरूरी है।

काला रंग क्लासी तो है ही, लेकिन कम गर्मी सोखने वाले कपड़ों जैसे हल्के रंग की सूती चादरें, कुशन कवर और पर्दे चुनें। ये गर्मी को सोखने के बजाय परावर्तित करते हैं, जिससे आपका घर ताजा और हवादार बना रहता है। यह उपाय आपके घर को गर्मी के लिए तैयार करने के साथ समर वाइब भी देता है।

एलोवेरा, सुपारी, स्नेक प्लांट और मनी प्लांट न केवल हवा को शुद्ध करते हैं, बल्कि घर के अंदर के तापमान को कम करने में भी मदद करते हैं। इन्हें खिड़कियों और बैठने की जगहों के पास लगाने से प्राकृतिक रूप से ठंडा वातावरण बनता है।

भारी और गर्मी रोकने वाले पर्दों को हटाकर बांस के ब्लाइंड्स या खस (वेटिवर) की चटाई लगाएं। खस की चटाई पर पानी छिड़कने से उसमें से ताजगी भरी खुशबू निकलती है और घर में आने वाली हवा प्राकृतिक रूप से ठंडी हो जाती है।

कूलर को खिड़की के पास रखें। वेंटिलेशन मिलने से हवा जल्दी और ज्यादा ठंडी निकलती है। इसके साथ ही आप कूलर में मटके के टुकड़े डाल सकते हैं। यदि आपका कूलर हाई-टेक नहीं है, तो बर्फ से ज्यादा यह ट्रिक आपके काम आएगी।

घर को ठंडा रखने के लिए इसकी छत को सफेद चूने से अच्छी तरह कवर करवा दें। इससे धूप के कारण घर बहुत धीमी गति से गर्म होता है।

दक्षिण कोरिया में क्क्ह: क्या यह फॉरेक्स और क्रेडिट कार्ड की जगह ले सकता है? भारत के वैश्विक विस्तार के लिए इसका क्या मतलब है

भारतीय यात्रियों के लिए अब दक्षिण कोरिया में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) के जरिए सिर्फ त्क्रकोड स्कैन करके भुगतान करना संभव हो गया है। यह कदम सिर्फ सुविधा बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की अपनी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को वैश्विक स्तर पर फैलाने और अपने नागरिकों के लेन-देन के तरीके को बदलने की बढ़ती महत्वाकांक्षा को भी दर्शाता है।

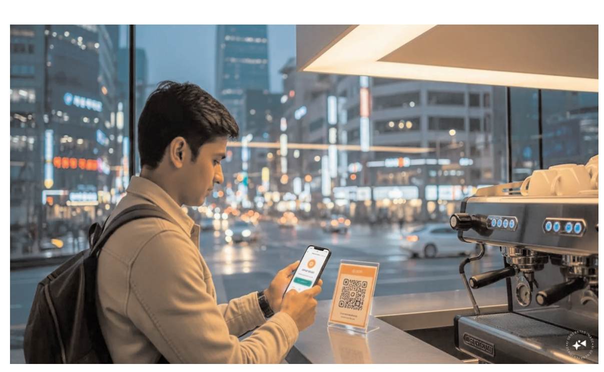

भारत और दक्षिण कोरिया ने एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत PI-आधारित QR कोड के जरिए दोनों देशों के इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सिस्टम को जोड़ा जाएगा। इसके बदले दक्षिण कोरिया के पर्यटक भारत में अपने घरेलू त्क्र भुगतान सिस्टम का उपयोग कर सकेंगे।

विदेश में भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए UPI कैसे काम करता है

भारतीय यात्रियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर UPI का उपयोग लगभग वैसा ही है जैसा भारत में होता है। उपयोगकर्ता भाग लेने वाले व्यापारियों के त्क्र कोड को स्कैन कर भुगतान करते हैं, और राशि सीधे उनके भारत में लिंक किए गए बैंक खाते से कट जाती है।

हालांकि, इसके पीछे की प्रक्रिया अधिक जटिल होती है। अंतरराष्ट्रीय UPI लेन-देन भारत के भुगतान नेटवर्क और मेजबान देश के स्थानीय भुगतान सिस्टम के बीच साझेदारी पर आधारित होते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि दक्षिण कोरिया में त्क्रकोड स्कैन करने पर भुगतान कोरियाई वॉन में प्रोसेस हो और समकक्ष राशि भारतीय रुपये में काटी जाए।

इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी परिचितता है। यात्रियों को अब नए भुगतान तरीकों को सीखने या ज्यादा नकदी रखने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे रोजमर्रा के खर्च में आसानी होती है।

दक्षिण कोरिया में UPI कहां इस्तेमाल कर सकते हैं

दक्षिण कोरिया में UPI का उपयोग मुख्य रूप से उन जगहों पर केंद्रित है जहां अंतरराष्ट्रीय पर्यटक अधिक जाते हैं। इसमें रिटेल स्टोर, रेस्तरां, कैफे और चुनिंदा पर्यटन स्थल शामिल हैं, जहां पहले से ही त्क्रआधारित भुगतान आम है।

समय और अनुभव के साथ बदला काम चुनने का नजरिया, एक्ट्रेस सई ताम्हणकर ने करियर पर की खुलकर बात

मुंबई। फिल्म और मनोरंजन की दुनिया में कलाकारों की सोच, पसंद और काम को देखने का नजरिया बदलता रहता है। कई कलाकार अपने करियर की शुरुआत में हर तरह के किरदार निभाते हैं, लेकिन धीरे-धीरे अनुभव बढ़ने के साथ वे यह समझने लगते हैं कि उन्हें किस तरह का काम करना है और दर्शकों के बीच कैसी पहचान बनानी है। इसी विषय पर अभिनेत्री सई ताम्हणकर ने मीडिया से खुलकर बात की है। इन दिनों वह अपनी नई सीरीज 'मटका किंग' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह बरखा के किरदार में नजर आ रही हैं।

आईएएनएस ने जब सई ताम्हणकर से पूछा कि क्या उनके करियर में ऐसा कोई मोड़ आया, जब उन्होंने यह तय किया कि अब वह कुछ खास तरह के किरदार नहीं करेंगी? सई ने हमेशा अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए है। उन्होंने 'हंटरर', 'लव सोनिया', 'मिमी', 'इंडिया लॉकडाउन' और 'ग्राउंड जीरो' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा है। इन फिल्मों में उनके किरदार काफी अलग रहे हैं। सई ताम्हणकर वेब सीरीज बिंदिया के बाहुबली में भी अपनी डायलॉग डिलीवरी से दर्शकों का ध्यान खींच चुकी हैं। इस सवाल का जवाब देते हुए सई ने कहा, ''मेरे जीवन में ऐसा कोई भी बड़ा मोड़ नहीं आया। यह बदलाव धीरे-धीरे अनुभव के साथ आता है। जब कोई कलाकार लंबे समय तक इस उद्योग में काम करता है, तो उसे खुद की पहचान समझ आने लगती है। वह यह महसूस करने लगता है कि उसे किस तरह का काम करना अच्छा लगता है और वह चाहता है कि लोग उसे किस तरह के किरदारों के लिए याद रखें। अभिनेत्री ने कहा, ''यह पूरी प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इंसान समय के साथ सीखता है और उसकी सोच भी बदलती रहती है। अब शायद मुझे अपने काम और अपने चुनावों को लेकर पहले से ज्यादा स्पष्टता मिल गई है। इसी वजह से लोगों को मेरे काम में बदलाव नजर आ रहा है। हालांकि मैंने अपने लिए कोई सख्त नियम नहीं बनाए हैं कि मैं कौन सा किरदार करूंगी और कौन सा नहीं।

सई ताम्हणकर ने कहा, ''मेरी पसंद और सोच समय के साथ स्वाभाविक रूप से बदली है। अनुभव, लगातार काम करने की प्रक्रिया और जीवन में आई समझदारी ने मेरे नजरिए को बदल दिया है। अब मैं पहले से अलग तरह की कहानियों और किरदारों की तरफ ज्यादा आकर्षित होती हैं। यह बदलाव किसी दबाव में नहीं, बल्कि अपने आप आया है। अभिनय की दुनिया में आने से पहले सई ताम्हणकर खेलों में भी काफी सक्रिय रही हैं। वह स्टेट-लेवल की कबड्डी प्लेयर रह चुकी हैं और कराटे में ऑरेंज बेल्ट भी हासिल कर चुकी हैं। अभिनय की दुनिया में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मराठी टीवी सीरियल्स में छोटे और सहायक किरदार निभाकर की थी। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर फिल्म और वेब सीरीज की दुनिया में खास पहचान बनाई।

नंदिनी ठाकुर की नए शो में एंट्री, शब्बीर अहलूवालिया के साथ 'ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा' में निभाएंगी खास किरदार

मुंबई। टेलीविजन की दुनिया में हर नए शो के साथ दर्शकों को नई कहानियां और नए किरदार देखने को मिलते हैं। इन दिनों छोटे पर्दे पर एक नया शो 'ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा' चर्चा में बना हुआ है। अब इस शो से जुड़ी एक नई जानकारी सामने आई है।

दरअसल, अभिनेत्री नंदिनी ठाकुर भी इस कहानी का हिस्सा बनने जा रही हैं। नंदिनी इससे पहले 'पुष्पा इम्पॉसिबल' और 'उड़ने की आशा' जैसे सीरियल्स में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींच चुकी हैं।

इस नए शो में नंदिनी ठाकुर ईशा नाम की एक युवा लड़की का किरदार निभाएंगी, जो निडर है, रचनात्मक सोच रखती है और अपनी बात खुलकर कहने में विश्वास करती है।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए नंदिनी ठाकुर ने कहा, ''मुझे ईशा का किरदार शुरू से ही बेहद पसंद आया। इस किरदार से मेरा एक अलग ही जुड़ाव है। ईशा सिर्फ अपने सपनों के पीछे भागने वाली लड़की नहीं है, बल्कि वह अपने आसपास के लोगों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। ईशा के अंदर महत्वाकांक्षा और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता है और यही बात इस किरदार को खास बनाती है।

शो में ईशा एक डिजाइनिंग दफ्तर में काम करती हुई नजर आएगी। वहां वह अपने साथ काम करने वाले लोगों को नई चीजें बनाने और रचनात्मक तरीके से सोचने में मदद करती है।

नंदिनी ने कहा, ''यह किरदार आज के युवाओं की सोच और आत्मविश्वास को काफी अच्छे तरीके से दिखाता है।'' इस शो में शब्बीर अहलूवालिया, श्रीति झा और ऐश्वर्या राज भाकुनी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

कहानी अपराजिता (श्रीति झा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक कड़वे अतीत के बाद अपनी जिंदगी फिर से शुरू करती है। इस दौरान उसकी मुलाकात रक्षित (शब्बीर अहलूवालिया) नाम के एक बिजनेसमैन से होती है, जिसने प्यार से दूरी बना ली है।

अदा शर्मा फिल्म 'गवर्नर' में मनोज बाजपेयी के साथ काम को लेकर उत्साहित

मुंबई। अभिनेत्री अदा शर्मा आने वाली फिल्म 'गवर्नर' में अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ काम को लेकर खुश हैं। वे इस फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि वह उनके साथ काम करके बहुत खुश हैं। इसके साथ ही, अभिनेत्री ने मनोज बाजपेयी की खूब प्रशंसा की। मनोज बाजपेयी के साथ पहली बार काम करने के बारे में अदा शर्मा ने आईएएनएस से बात करते हुए ??कहा, 'वह (बाजपेयी) इस फिल्म का चेहरा हैं। वह 'गवर्नर' में गवर्नर का रोल निभा रहे हैं। 'फिल्म में अपने किरदार के बारे में अदा शर्मा ने कहा, 'मैं उनके साथ स्क्रीन शेयर करके बहुत खुश हूं।

हमारे डायरेक्टर चिन्मय मंडलेकर बहुत अच्छे हैं, जो खुद भी एक शानदार एक्टर हैं। मेरे किरदार में भी एक अच्छा सरप्राइज है और यह कुछ ऐसा है जो मैंने पहले कभी नहीं किया। बता दें कि 23 अप्रैल को मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर फिल्म का पोस्टर रिलीज किया गया था। फिल्ममेकर विपुल अमृतलाल शाह ने यह पोस्टर रिलीज किया।

चिन्मय मंडलेकर की ओर से निर्देशित फिल्म 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' के पहले पोस्टर में मनोज पीछे से नजर आ रहे हैं। वह एक बैग लेकर कॉरिडोर में चल रहे हैं। इसके साथ टैगलाइन है, 'अगर मैं फेल हुआ... तो इंडिया फेल हो जाएगा', जो एक जबरदस्त लीगल ड्रामा की ओर इशारा करती है।

पोस्टर में एक हरी कुर्सी को खास तौर पर दिखाया गया है, जिसके साथ टैगलाइन हैं– 'यह सिर्फ कुर्सी नहीं, जिम्मेदारी है।' यह टैगलाइन देश पर आधारित एक गंभीर कहानी की ओर इशारा करती है।

चिन्मय मंडलेकर की ओर से निर्देशित इस फिल्म को सनशाइन पिक्चर्स ने प्रस्तुत किया है। विपुल अमृतलाल शाह फिल्म के प्रोड्यूसर हैं और को-प्रोड्यूसर आसीन ए. शाह हैं। इसकी कहानी सुवेंदु भट्टाचार्य, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने लिखी है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के दबाव से उपजे हालातों से रूबरू कराएगी वेब सीरीज 'एग्जाम', 15 मई को होगी रिलीज

मुंबई। आज के समय में प्रतियोगी परीक्षाएं सिर्फ पढ़ाई तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि यह युवाओं के संघर्ष और भविष्य की उम्मीदों से भी जुड़ चुकी हैं। लाखों छात्र अपने सपनों को पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन इस दौरान उन्हें तनाव, डर और समाज की उम्मीदों का भारी बोझ भी झेलना पड़ता है। अब इसी संवेदनशील विषय को लेकर एक नई तमिल वेब सीरीज 'एग्जाम' दर्शकों के सामने आने वाली है।

यह सीरीज परीक्षा की कहानी के साथ-साथ उन भावनात्मक संघर्षों और मुश्किल फैसलों को भी दिखाएगी, जिनका सामना लोग दबाव भरे माहौल में करते हैं।

इस सीरीज में अभिनेत्री दुशारा विजयन और अदिति बालन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। यह वेब सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर 15 मई से प्रसारित की जाएगी। इसके सात एपिसोड्स हैं, जो सस्पेंस, भावनाओं और तनाव से भरपूर बताए जा रहे हैं।

सीरीज को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक ए. सरकुनम ने लिखा और निर्देशित किया है। कहानी एक ऐसे माहौल को दिखाती है जहां प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव लोगों की जिंदगी पर गहरा असर डालता है। सीरीज में यह दिखाने की कोशिश की गई है कि जब इंसान पर उम्मीदों और सफलता का बोझ बढ़ जाता है, तब वह किन मानसिक और भावनात्मक परिस्थितियों से गुजरता है।

इस सीरीज में दुशारा विजयन और अदिति बालन के अलावा, अभिनेता अब्बास भी अहम भूमिका में है। इस सीरीज को तमिल के साथ-साथ तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में भी उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा, अंग्रेजी समेत 15 भाषाओं में सब टाइटल भी दिए जाएंगे, ताकि अलग-अलग भाषाओं के दर्शक इस कहानी से जुड़ सकें।

प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल विभाग के प्रमुख निखिल मधोक ने इस सीरीज को लेकर कहा, 'एग्जाम' आज के दौर की बेहद जरूरी और सच्चाई के करीब वाली कहानी है। यह सीरीज प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान होने वाले भावनात्मक तनाव को बेहद प्रभावशाली तरीके से दिखाती है। यह सिर्फ एक सस्पेंस कहानी नहीं है, बल्कि यह उन लाखों युवाओं की भावनाओं को सामने लाती है जो हर दिन अपने सपनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मुझे भरोसा है कि यह कहानी दुनियाभर के दर्शकों को गहराई से प्रभावित करेगी।

एनसीडब्ल्यू के सामने पेश हुए संजय दत्त, गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर मांगी माफी

नई दिल्ली। कन्नड़ फिल्म 'केडी द डेविल' के गाने 'सरके चुनर, तेरी सरके' से जुड़े विवाद के मामले में अभिनेता संजय दत्त राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के सामने पेश हुए। गाने को लेकर आरोप थे कि इसमें महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक बोल थे। इस शिकायत के बाद आयोग ने इस मामले पर गंभीरता से संज्ञान लिया और संबंधित लोगों को जवाब देने के लिए बुलाया। इसी कड़ी में संजय दत्त आयोग के सामने उपस्थित हुए।

संजय दत्त ने एनसीडब्ल्यू में लिखित रूप में माफी मांगी और कहा कि उनका उद्देश्य किसी भी तरह से समाज या महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था।

इस मामले की सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कई गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या इस गाने या इससे जुड़े काम में शामिल लोगों ने पहले यह सोचा था कि इसका समाज पर क्या असर पड़ेगा ?आयोग ने स्पष्ट किया कि जब कोई कलाकार किसी प्रोजेक्ट से जुड़ता है, तो उसकी जिम्मेदारी सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसे यह भी देखना होता है कि कंटेंट समाज के लिए सही संदेश दे रहा है या नहीं। खासकर ऐसे कलाकार जो पहले से ही काफी लोकप्रिय हैं, उनकी जिम्मेदारी और भी ज्यादा बढ़ जाती है, क्योंकि उनका प्रभाव लाखों लोगों पर पड़ता है।आयोग ने यह सवाल भी उठाया कि क्या कंटेंट तैयार करने से पहले पर्याप्त जांच और सावधानी बरती गई थी या नहीं ?सुनवाई के दौरान संजय दत्त ने इस पूरे मामले को लेकर एक अहम कदम उठाने का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि वह समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हैं और इसलिए उन्होंने फैसला लिया है कि वह 50 आदिवासी लड़कियों की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाएंगे।

व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान शूटिंग पर बराक ओबामा बोले- लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है

वाशिंगटन। अमेरिका के व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में हुई शूटिंग के बाद आरोपी को पकड़ा जा चुका है। अमेरिकी एजेंसी मामले की जांच कर रही है और ये पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर इस घटना के पीछे का मकसद क्या था। इस बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इस पूरी स्थिति में तुरंत कार्रवाई कर हालात पर काबू करने के लिए सुरक्षा एजेंसी की सराहना की।

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हालांकि हमें अभी तक व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में कल रात हुई शूटिंग के पीछे के मकसद के बारे में डिटेल्स नहीं पता हैं, लेकिन यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम इस सोच को नकार दें कि हमारे लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह है। यह अमेरिकी सीक्रेट सर्विस एजेंट्स के हर दिन दिखाए जाने वाले साहस और बलिदान की भी एक गंभीर याद दिलाता है। मैं उनका शुक्रगुजार हूं और शुक्र है कि जिस एजेंट को गोली लगी थी, वह ठीक हो जाएगा।'

अमेरिकी हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने रविवार को कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप संकट के समय सबसे मजबूत होते हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'मीडिया में कई लोग इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप कल रात की घटनाओं के दौरान बहुत शांत और कंट्रोल में कैसे थे। यह एक महान लीडर की पहचान है और यह बताता है कि डोनाल्ड ट्रंप कौन हैं। मैंने पिछले कई सालों में उनके साथ बहुत समय बिताया है और संकट और उथल-पुथल के समय में वह सबसे मजबूत होते हैं।' गोली चलाने वाले आरोपी की पहचान लॉस एंजेलिस के रहने वाले 31 साल के कोल टॉमस एलन के तौर पर हुई है। कोल तेजी से भागता हुआ बॉलरूम की तरफ जाता है, तभी सुरक्षाकर्मी अलर्ट हो गए और आनन-फानन में उसे कब्जे में लिया।

फेडरल इलेक्शन कमीशन के रिकॉर्ड के अनुसार, एलन ने अक्टूबर 2024 में कमला हैरिस के प्रेसिडेंशियल कैंपेन के लिए 25 डॉलर का डोनेशन दिया था। कैलटेक में एक स्टूडेंट के तौर पर, व्हीलचेयर के लिए एक प्रोटोटाइप इमरजेंसी ब्रेक बनाने के लिए 2017 में टॉमस एलन को एक लोकल न्यूज रिपोर्ट में कवरेज भी दी गई थी।

अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने बताया कि लॉस एंजिल्स के सबअर्ब टॉरेंस में रहने वाले 31 साल के कोल टॉमस एलन के नाम और फोटो से मिलती-जुलती एक लिंक्डइन प्रोफाइल में उसे सी 2 एजुकेशन में पार्ट-टाइम टीचर बताया गया है। प्रोफाइल के अनुसार, एलन ने 2017 में कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री ली और पिछले साल कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी-डोमिंग्वेज हिल्स से कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री ली।

बीएलए का दावा, '10 दिन में मारे 42 पाकिस्तानी सैनिक'

क्वेटा। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने 15 अप्रैल से 25 अप्रैल के बीच बलूचिस्तान के विभिन्न जिलों में पाकिस्तानी सेना के खिलाफ हुए अलग-अलग हमलों की जिम्मेदारी ली है। दावा है कि इस दौरान सेना के 42 कर्मी मारे गए, कई घायल हुए और एक सैनिक पकड़ा भी गया। यह जानकारी सोमवार को स्थानीय मीडिया ने दी।

बीएलए के प्रवक्ता, जीयंद बलूच, ने एक बयान जारी किया। इसके मुताबिक, ग्रुप के लड़ाकों ने पाकिस्तानी सिक्योरिटी फोर्स को निशाना बनाकर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से डायरेक्ट अटैक किया, घात लगाकर भी हमले किए, छापे मारे, और ड्रोन हमले भी किए। इस दौरान हथियार जब्त किए तो कुछ इलाकों में पाकिस्तानी फोर्स की कई पोस्ट और स्थलों पर कुछ समय के लिए कब्जा तक जमा लिया।

बलूचिस्तान में हमलों की टाइमलाइन का जिक्र करते हुए आगे बताया कि पाकिस्तानी फोर्स पर तब हमला किया गया जब वे कलात में एक एक्सप्लोसिव डिवाइस को डिफ्यूज करने की कोशिश कर रहे थे, जबकि दलबंदिन में पुलिस स्टेशनों और रेस्ट हाउस पर कुछ समय के लिए कब्जा कर लिया गया, और कुछ सामानों और गाड़ियों में आग लगा दी गई।

दूसरी ओर, बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने बलूचिस्तान के कई हिस्सों में एक के बाद एक कई हमले करने का भी दावा किया, जिसमें सेना के एक काफिले पर आईईडी हमला, एक पुलिस स्टेशन पर हमला और एक मिलिट्री हेडक्वार्टर पर हमला शामिल है। इसमें दो जवान मारे गए और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मीडिया को जारी एक बयान में, बीएलएफ प्रवक्ता मेजर ग्वाहरम बलूच ने कहा कि लड़ाकों ने 25 अप्रैल को खुजदार के जवाह इलाके में एक पाकिस्तानी मिलिट्री काफिले पर हमला किया। उस दौरान पूरा दल बल दो कैंपों के बीच से गुजर रहा था। गाड़ी के गुजरते वक्त ही आईईडी ब्लास्ट किया गया। 24 अप्रैल की एक और वारदात का जिक्र किया गया। समूह ने बताया कि उसके लड़ाके नोशकी मॉल इलाके में एक पुलिस स्टेशन में घुसे और कुछ देर के लिए पूरी इमारत पर कब्जा कर लिया। इस दौरान कम्युनिकेशन इक्विपमेंट को नुकसान भी पहुंचाया गया।

लीबिया में राष्ट्रीय चुनाव को लेकर पीएम और यूएन दूत ने रोडमैप पर की चर्चा

त्रिपोली। लीबिया के प्रधानमंत्री अब्दुल-हामिद दबीबा ने संयुक्त राष्ट्र के एक दूत के साथ बातचीत की ताकि देश को लंबे समय से रुके हुए राष्ट्रीय चुनावों की ओर ले जाने और इसके राजनीतिक बंटवारे को खत्म करने के तरीकों पर विचार किया जा सके।

सरकार के हाकोमितना न्यूज प्लेटफॉर्म ने बताया कि लीबिया के लिए यूएन महासचिव की स्पेशल प्रतिनिधि हन्ना टेटेह ने दबीबा को संयुक्त राष्ट्र के समर्थन वाले रोडमैप के बारे में बताया। इस रोडमैप का मकसद सरकारी संस्थाओं को एक करना और सीधे चुनाव की तैयारी करना है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में यूएन द्वारा स्पॉन्सर्ड 'मिनी-डायलॉग' इस रोडमैप के पहले फेज में आता है। यह चुनावी कानूनों को फाइनल करने और हाई नेशनल इलेक्शन कमीशन का बोर्ड बनाने पर केंद्रित है। दबीबा ने उन कोशिशों के लिए अपनी सरकार के समर्थन को फिर से सुनिश्चित किया जो सिविल स्टेट की तरफ जाने के रास्ते को बनाए रखने के लिए प्रैक्टिकल और लागू किए जा सकने वाले समाधान का सुझाव देते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे साफ रास्तों पर आगे बढ़ना जरूरी है जिससे चुनावी कानून पूरे हों और सीधे चुनाव हों, जिसका मकसद संस्थाओं में फूट को खत्म करना और वोटरों की इच्छा का सम्मान करना हो। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, टेटेह ने लीबिया की सभी पार्टियों के बीच आम सहमति बनाने और राजनीतिक प्रक्रिया की सफलता और बड़े पैमाने पर चुनाव कराने के लिए अच्छे माहौल बनाने के लिए यूएन मिशन के लगातार समर्थन को दोहराया।

बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने अवामी लीग समर्थकों के चुनाव लड़ने पर लगाया बैन

ढाका। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने कानून का हवाला दे अवामी लीग समर्थक वकीलों को चुनाव लड़ने से बैन कर दिया है। आगामी 13-14 मई को होने वाले सालाना चुनाव अब ये लोग नहीं लड़ पाएंगे।

स्थानीय मीडिया ने बताया कि रविवार दोपहर को ढाका में एससीबीए के सामान्य सदस्यों की एक एक्स्ट्राऑर्डिनरी जनरल मीटिंग (ईजीएम) यानी असाधारण आम बैठक में इस फैसले पर मुहर लगाई गई।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के समर्थक वकील और एससीबीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हुमायूं कबीर मंजू ने अध्यक्षता की। बैठक में लगभग 300 वकील शामिल हुए।

सूत्रों के हवाले से, बांग्लादेश के जाने-माने अखबार, द डेली स्टार ने बताया कि मौजूद लोगों में से अधिकतर बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी समर्थक थे।

डेली स्टार से बात करते हुए ईजीएम का आयोजन करने वाले एससीबीए सचिव बैरिस्टर मोहम्मद महफूजुर रहमान मिलन ने कहा कि लगभग 100 सदस्यों ने पहले एससीबीए नेतृत्व से अनुरोध किया था कि वे एंटी-टेररिज्म एक्ट, 2009 के तहत पार्टी पर लगे बैन को ध्यान में रख, अवामी लीग समर्थक वकीलों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए बैठक बुलाएं।

उन्होंने कहा कि ईजीएम उसी हिसाब से हुई, और यह फैसला सामान्य सदस्यों की राय के आधार पर लिया गया। मिलन के मुताबिक, अवामी लीग के समर्थन वाली 'सम्मिलिता ऐनजीबी समन्नय परिषद' या 'बंगबंधु अवामी ऐनजीबी परिषद' से जुड़े वकील और उनके पदाधिकारियों को इस फैसले के तहत एससीबीए का चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं होगी।

हालांकि (द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक), एससीबीए सचिव ने कहा कि वकीलों को निर्दलीय चुनाव लड़ने की इजाजत होगी।

13-14 मई के चुनाव में एससीबीए के 14 कार्यकारी पदाधिकारी चुने जाएंगे, जिसमें अध्यक्ष और सचिव भी शामिल हैं, और यह मौजूदा कार्यकारिणी निकाय के पहले के फैसले के मुताबिक एक साल के कार्यकाल के लिए होगा। हाल ही में, एक बड़े अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन, जस्टिस मेकर्स बांग्लादेश इन फ्रांस (जेएमबीएफ) ने लीगल प्रोफेशनल्स के खिलाफ 'अनियमितताएं' और 'भेदभावपूर्ण व्यवहार' के हालिया पैटर्न और बांग्लादेश में बार एसोसिएशन इलेक्शन में सिर्फ सियासी विचारधारा के आधार पर अवामी लीग समर्थक वकीलों की उम्मीदवारी रद्द करने की आलोचना की।

पीएम नेतन्याहू ने आईडीएफ के ईसाई सैनिक और कमांडरों से की मुलाकात

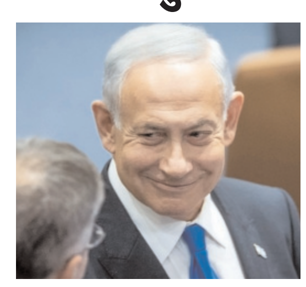

तेल अवीव। हाल ही में लेबनान से इजरायली डिफेंस फोर्स के सैनिक की एक ऐसी तस्वीर सामने आई थी, जिसने सबका ध्यान खींचा। तस्वीर में आईडीएफ सैनिक ईसा मसीह की मूर्ति को खंडित करते नजर आ रहे हैं। इजरायली सैनिक की इस हरकत की कड़ी आलोचना हुई। इसके कुछ समय बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आईडीएफ यूनिट के अलग-अलग रेंज के क्रिश्चियन सैनिक और कमांडर से मुलाकात की।

पीएम नेतन्याहू ने मुलाकात की एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की और कहा, 'कल मैं अपने ऑफिस में युवा लड़के और लड़कियों के एक बहुत अच्छे समूह से मिला। ये आईडीएफ यूनिट्स की अलग-अलग रेंज के क्रिश्चियन सैनिक और कमांडर हैं। वे हमारी मिलिट्री में अहम भूमिका निभाते हैं। वे बहुत लगन से काम करते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'यह सच्चाई उससे बिल्कुल अलग है जो अक्सर बाहर दिखाई जाती है। इजरायल न केवल मिडिल ईस्ट में ईसाइयों के अधिकारों की रक्षा करता है, बल्कि यह उन ईसाई सैनिकों का भी घर है जो अपने साथी सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इजरायल और पूरे इलाके में अपने ईसाई भाई-बहनों की रक्षा करते हैं।' पीएम नेतन्याहू ने आईडीएफ सैनिकों की सराहना करते हुए कहा, 'मैंने उनकी निजी कहानियां सुनीं। उनकी प्रतिबद्धता, उनका त्याग और उन्होंने जो रास्ता चुना। मैं बहुत प्रभावित हुआ। इजरायल मिडिल ईस्ट का एकमात्र ऐसा देश है जहां ईसाई समुदाय न केवल सुरक्षित रहता है, बल्कि फलता-फूलता है, बढ़ता है और

जनरल केविन श्नाइडर का दौरा : भारत-अमेरिका की रक्षा साझेदारी को मिली नई गति

नई दिल्ली। यूएस पैसिफिक एयर फोर्सेज के कमांडर केविन श्नाइडर ने 19 से 25 अप्रैल तक भारत का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भारत के साथ रणनीतिक रक्षा साझेदारी को और गहरा करने तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता के लिए साझे प्रयास को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

भारत में यूएस दूतावास और वाणिज्य दूतावास ने एक बयान जारी कर दौरे से जुड़े तथ्यों पर प्रकाश डाला। बयान के अनुसार, अपने दौरे के दौरान जनरल श्नाइडर ने भारतीय वायु सेना सहित भारत के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ व्यापक बातचीत की। इन चर्चाओं का उद्देश्य दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सैन्य संबंधों को मजबूत करना और परिचालन सहयोग के नए अवसरों की तलाश करना था। यह दौरा इस बात को दर्शाता है कि अमेरिका-भारत रक्षा सहयोग अब वायु, थल, समुद्र, अंतरिक्ष और साइबर जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अधिक व्यापक और जटिल हो गया है।

भारतीय वायुसेना के साथ बढ़ती साझेदारी के तहत हाल के वर्षों में संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और उच्च स्तरीय संवाद में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे दोनों देशों की सेनाओं के बीच तालमेल और संयुक्त रूप से कार्य करने की क्षमता में सुधार हुआ है।

दौरे का एक प्रमुख फोकस लॉजिस्टिक्स सहयोग को मजबूत करना रहा। बेहतर लॉजिस्टिक ढांचे और समझौतों से दोनों देशों के बीच समन्वय अधिक सुचारू होता है, जिससे मानवीय सहायता और आपदा राहत जैसी परिस्थितियों में तेज और प्रभावी प्रतिक्रिया संभव हो पाती है। यह सहयोग इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में दोनों देशों की परिचालन क्षमता को भी सुदृढ़ करता है।

बयान के मुताबिक, जनरल श्नाइडर ने विभिन्न ऑपरेशनल और प्रशिक्षण केंद्रों का भी दौरा किया, जो दोनों देशों की सेनाओं के बीच बढ़ते भरोसे और एकीकरण को दर्शाता है। ये प्रयास आधुनिक सैन्य क्षमताओं के विकास और उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने की तैयारी को मजबूत करते हैं।

अमेरिका ने भारत को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ावा देने वाला एक अहम साझेदार बताया। यह दौरा 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप' की मजबूती को दोहराता है और बदलती वैश्विक व क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच रक्षा सहयोग को और विस्तार देने के संकेत देता है।

36 के बालेन शाह: 'आउटसाइडर' से 'आर्किटेक्ट' तक, क्या नेपाल दोहराएगा सिंगापुर मॉडल?

नई दिल्ली। नेपाल के युवा प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह यानी बालेन शाह सोमवार को 36 साल के हो गए। 27 का अंक उनके लिए खास है। ठीक एक महीने पहले, यानी 27 मार्च 2026 को, उन्होंने बतौर प्रधानमंत्री पद संभाला था। इस एक महीने में उन्होंने सामाजिक और राजनीतिक सुधार की कोशिशों के तहत ताबड़तोड़ फैसले लिए। इनमें से कुछ पर शाबाशी मिली तो कई सवालों के घेरे में भी हैं। शाह की कार्यशैली की तुलना सिंगापुर के संस्थापक ली कुआन यू से की जाने लगी है। दोनों के निर्णयों में काफी समानता जो है!

ली ने सत्ता संभाली तो वो मात्र 36 बरस के थे वहीं शाह ने भी 35 साल की उम्र में पीएम पद की कमान संभाली। दोनों नेताओं की सबसे बड़ी समानता उनकी 'आउटसाइडर' छवि में देखी जाती है। ली कुआन यू ने औपनिवेशिक दौर के अंत में एक नए राजनीतिक ढांचे के साथ सत्ता में प्रवेश किया, जबकि बालेन शाह ने स्थापित दलों से अलग हटकर अपनी पहचान बनाई। नेपाल में पारंपरिक दलों—जैसे नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल—के बीच लंबे समय से चल रही प्रतिस्पर्धा के बीच शाह का उभार एक वैकल्पिक राजनीति का संकेत देता है।

शासन के स्तर पर, ली कुआन यू का मॉडल सख्त प्रशासन, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, और तेज निर्णय प्रक्रिया के लिए जाना जाता है। इसी तरह, बालेन शाह के सुधारवादी कदमों की तारीफ तो हो रही है, लेकिन कुछ खतरे भी पैदा हो रहे हैं।

'घर लौट आओ, भारत को तुम्हारी प्रतिभा की जरूरत है', श्रीधर वेम्बु ने अमेरिका में रहने वाले भारतीयों से की अपील

नई दिल्ली। जोहो के मुख्य वैज्ञानिक और सह-संस्थापक श्रीधर वेम्बु ने सोमवार को अमेरिका में रहने वाले भारतीयों से भारत लौटने की अपील की। उन्होंने कहा कि उन्हें वापस आकर भारत की तकनीकी क्षमता को बढ़ाने और देश के विकास में योगदान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में भारतीयों को जो सम्मान मिलता है, साथ ही देश की समृद्धि और सुरक्षा, यह सब भारत की तकनीकी क्षमता पर निर्भर करेगा।

वेम्बु ने एक्स पर 'भारत के भाइयों और बहनों' को संबोधित करते हुए एक खुला पत्र पोस्ट किया। इसमें उन्होंने 37 साल पहले अमेरिका जाने के अपने अनुभव को याद किया, जब उनके पास कोई पैसा नहीं था, लेकिन उनके पास भारत से मिली अच्छी शिक्षा और सांस्कृतिक विरासत थी।

उन्होंने कहा, 'आपने बहुत बड़ी सफलता हासिल की है। अमेरिका हमारे लिए अच्छा रहा है। इसके लिए हमें हमेशा आभारी रहना चाहिए, आभार जताना ही हमारा भारतीय तरीका है।'

हालांकि, उन्होंने आगे कहा कि इस समय कई अमेरिकी लोगों का मानना है कि भारतीय अमेरिकी लोगों की नौकरियां 'छीन लेते हैं' और अमेरिका में भारतीयों की सफलता को गलत तरीके से देखा जाता है। वेंबू ने कहा कि अमेरिका में ऐसे विचार रखने वाले लोगों की संख्या शायद बहुमत में नहीं है, लेकिन वह बहुत कम भी नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राजनीति में भारतीय सिर्फ दर्शक की भूमिका में हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनके पास केवल 'कट्टर दक्षिणपंथी' और 'जागरूक वामपंथी' के बीच चुनने का विकल्प है।

पाकिस्तानी सैन्य बलों की ज्यादतियों का शिकार हो रहीं बलूच महिलाएं, ग्लोबल दखल की उठी मांग

क्वेटा। पाकिस्तानी सैन्य बलों की ज्यादतियों के खिलाफ 'बलूच महिला फोरम' (बीडब्ल्यूएफ) ने आवाज बुलंद की है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन को पत्र लिखकर सेना की करतूत पर लगाम लगाने का आग्रह किया है। बीडब्ल्यूएफ की केंद्रीय आयोजक शाली बलूच ने इसे 'जबरन गायब करने के सिस्टैमेटिक पैटर्न' का हिस्सा बताया, जिसके निशाने पर कथित तौर पर बलूच महिलाएं रहती हैं।

यह खत संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी), संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त (ओएचसीएचआर), यूएन वर्किंग ग्रुप ऑन एनफोर्स्ड डिसअपीयरेंस (जबरन या अनैच्छिक रूप से लापता होने पर बना कार्य समूह), यूएन कमिटी ऑन द एलिमिनेशन ऑफ डिस्क्रिमिनेशन अगेंस्ट वीमेन (सीईडीएडब्ल्यू) यानी महिलाओं के खिलाफ भेदभाव उन्मूलन समिति, एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच और फ्रंट लाइन डिफेंडर्स को भेजा गया था। चिट्ठी में, शाली ने बलूचिस्तान में 'बढ़ती ह्यूमन राइट्स इमरजेंसी' को सुलझाने की 'त्वरित' जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं आपका ध्यान बलूचिस्तान में बलूच महिलाओं को निशाना बनाकर जबरन गायब करने के सिस्टमैटिक पैटर्न की ओर दिलाती हूं, जो एक ऐसा डेमोग्राफिक है जो पाकिस्तानी सरकार के अत्याचारों से पैदा हुए संघर्ष की छाया में लंबे समय से पीड़ित है।'

बीडब्ल्यूएफ ने पाकिस्तानी सेना द्वारा हाल ही में तीन युवा बलूच महिलाओं, खदीजा बलूच, हसीना नूर बख्श और गुल बनुक ताज को जबरन गायब करने का जिक्र करते हुए तुरंत दखल देने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि उनका एकमात्र गुनाह शांतिप्रिय बलूच छात्रा या फिर घरेलू महिला के रूप में उनकी पहचान थी।

पश्चिम एशिया संकट के बीच देश में उर्वरकों की कीमतें स्थिर: केंद्र

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारत में खाद (फर्टिलाइजर) की उपलब्धता पूरी तरह मजबूत बनी हुई है। केंद्र सरकार ने साफ किया है कि देश में खाद की सप्लाई जरूरत से ज्यादा है और किसानों को किसी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने के बावजूद किसानों को खाद पुराने दामों पर ही मिलती रहेगी।

उर्वरक मंत्रालय ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में बताया कि देश में खाद का स्टॉक और सप्लाई दोनों ही मजबूत स्थिति में हैं। इसके साथ ही मंत्रालय बताया कि वैश्विक कीमतों में भारी वृद्धि के बावजूद भारत में प्रमुख उर्वरकों की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बावजूद भारत में किसानों के लिए दाम नहीं बढ़ाए गए हैं। उदाहरण के तौर पर, जहां वैश्विक बाजार में यूरिया की कीमत 4,000 रुपए प्रति बैग से ऊपर पहुंच गई है, वहीं भारत में किसानों को यह सिर्फ 266.5 रुपए प्रति 45 किलो बैग के हिसाब से मिल रहा है।

डीएपी और टीएसपी जैसे अन्य प्रमुख खादों की कीमतों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके पीछे सरकार का मकसद है कि किसानों को महंगाई से बचाया जाए और उन्हें सस्ती दरों पर खाद उपलब्ध कराई जाए। मंत्रालय के अनुसार, खरीफ 2026 सीजन के लिए कुल खाद की जरूरत करीब 390.54 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) आंकी गई है। इसके मुकाबले अभी देश में करीब 190 एलएमटी खाद का स्टॉक मौजूद है, जो कुल जरूरत का लगभग 49 प्रतिशत है। आमतौर पर यह आंकड़ा 33 प्रतिशत के आसपास रहता है, लेकिन इस बार बेहतर प्लानिंग और लॉजिस्टिक्स के चलते स्टॉक ज्यादा है। अलग-अलग खाद की उपलब्धता भी जरूरत से कहीं ज्यादा है। उदाहरण के तौर पर यूरिया की उपलब्धता 71.40 एलएमटी है, जबकि जरूरत सिर्फ 20.54 एलएमटी है। इसी तरह डाई-अमोनियम फास्फेट (डीएपी), एनपीके (नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश), एमओपी यानी म्यूरेट ऑफ पोटाश (पोटेशियम क्लोराइड) और सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) जैसे अन्य खाद भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 110 मामलों से जुड़ी हजारों लीटर अवैध शराब नष्ट

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के थाना बिसरख क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। न्यायालय के निर्देश पर बिसरख थाना पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज 110 अभियोगों से संबंधित भारी मात्रा में जब्त की गई अवैध शराब को नष्ट कराया।

इस कार्रवाई के तहत करीब 4000 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब, 1150 लीटर अवैध बीयर और लगभग 500 लीटर अवैध देशी शराब को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया।

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे माल निरस्तीकरण अभियान के अंतर्गत की गई। अभियान का उद्देश्य जब्त किए गए अवैध सामान का सुरक्षित और कानूनी तरीके से निस्तारण करना है, ताकि भविष्य में इनके दुरुपयोग की संभावना समाप्त की जा सके।

इस दौरान पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा और अपर पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा के पर्यवेक्षण में सहायक पुलिस आयुक्त सेंट्रल नोएडा द्वितीय, थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक तथा आबकारी निरीक्षक गौतमबुद्धनगर की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया को संपन्न कराया गया। सभी अधिकारियों की निगरानी में कार्रवाई को पारदर्शी और विधिसम्मत तरीके से अंजाम दिया गया।

संक्षिप्त खबर

जमू-कश्मीर के अनंतनाग में पुलिस ने बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया, चार गिरतार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले की पुलिस ने सोमवार को बताया कि उन्होंने एक बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया है, 166 किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया है और चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि जिले में नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए गए सबसे बड़े अभियानों में से एक के तहत अनंतनाग पुलिस ने पूरे जिले में की गई समन्वित कार्रवाई के दौरान 166 किलोग्राम से अधिक नशीले पदार्थ (जिनमें गांजा और चरस शामिल हैं) जब्त किए और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि मिली विशेष सूचनाओं के आधार पर और नियमित जांच के दौरान पुलिस की कई टीमों ने अलग-अलग जगहों पर अभियान चलाया। इसके परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सामग्री बरामद हुई और कई मुख्य तस्करों को गिरफ्तार किया गया। शलगम क्रॉसिंग पर, पुलिस स्टेशन श्रीगुफवारा की एक पुलिस टीम ने गश्त के दौरान एक कार (जेके01 डब्ल्यू-7328) को रोका। तलाशी लेने पर लगभग 110 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया और एक आरोपी, जिसकी पहचान शलगम की गुर्जर बस्ती के नजीर अहमद खटाना के रूप में हुई, को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

एक अन्य ऑपरेशन में पुलिस पोस्ट डायलगाम ने अदालत से वारंट प्राप्त करने के बाद वात्रिगाम में मोहम्मद रफीक इटू के घर पर तलाशी ली। तलाशी के दौरान लगभग 51 किलोग्राम चरस जैसा पदार्थ बरामद किया गया। इसके बाद एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके अलावा, सखरास क्रॉसिंग पर नाका चेकिंग के दौरान पुलिस ने वुल्लरहामा के रईस अहमद शाह को पकड़ा और उसके कब्जे से लगभग 5 किलोग्राम चरस पाउडर बरामद किया। दूदनाद वाघामा में एक अलग कार्रवाई के दौरान, बिजबेहारा पुलिस स्टेशन ने एक और तस्कर को गिरफ्तार किया और उसके पास से 170 ग्राम चरस के साथ 18,700 रुपए नकद बरामद किए। पुलिस ने बताया कि एसएसपी आमोद अशोक नागपुरे के कार्यभार संभालने के बाद अनंतनाग में नशा-विरोधी अभियान को काफी मजबूती मिली है। सघन अभियानों के चलते हाल के हफ्तों में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद हुए हैं और कई गिरफ्तारियां भी की गई हैं।

तमिलनाडु में टीवीके-एनटीके की मौजूदगी ने चुनाव नतीजे को बनाया दिलचस्प, वोटों का बिखराव किसे देगा फायदा?

चेन्नई। तमिलनाडु चुनाव के बाद सभी पार्टियां अपनी जीत का दावा कर रही हैं, लेकिन इस बार राज्य में चार प्रमुख दलों के बीच मुकाबला होने की वजह से चुनाव परिणामों का अनुमान लगाना मुश्किल हो गया है।

निर्वाचन आयोग ने 15 मार्च को तमिलनाडु, केरल, असम, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव की घोषणा की थी। केरल, असम और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान हो चुका है, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को वोटिंग हुई। इसी दिन पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान हुआ, जबकि दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। सभी राज्यों और क्षेत्रों की मतगणना 4 मई को एक साथ होगी।

तमिलनाडु में इस बार चुनावी मुकाबला पारंपरिक दो-ध्रुवीय राजनीति से आगे बढ़कर बहुकोणीय हो गया है। इसमें डीएमके के नेतृत्व वाला सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस, एआईएडीएमके के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), अभिनेता विजय की तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) और सीमैन की नाम तमिलर काची (एनटीके) शामिल हैं। कई दलों की मौजूदगी से राजनीतिक समीकरण बिखर गए हैं, जिससे नतीजों का आकलन करना और कठिन हो गया है।

सत्तारूढ़ डीएमके को भरोसा है कि वह लगातार दूसरी बार सरकार बनाएगी। पार्टी का मानना है कि विपक्षी वोटों का बंटवारा उसके पक्ष में जा सकता है, खासकर टीवीके के उभरने और एनटीके के स्थायी वोट बैंक के कारण।

वहीं एआईएडीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन डीएमके सरकार के खिलाफ एंटी-इनकम्बेंसी लहर पर भरोसा जता रहा है। गठबंधन के नेताओं का कहना है कि 84 प्रतिशत से अधिक मतदान इस बात का संकेत है कि जनता में नाराजगी है, जैसा कि 2011 के चुनाव में देखा गया था। इस चुनाव में अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके भी खुद को राज्य में बदलाव की ताकत के रूप में पेश कर रही है। पार्टी का दावा है कि वह पारंपरिक द्रविड़ दलों से ऊब चुके मतदाताओं को आकर्षित कर रही है। वहीं एनटीके अपनी तमिल राष्ट्रवादी विचारधारा के साथ एक मजबूत और प्रतिबद्ध समर्थन आधार बनाए हुए है। हालांकि सभी दल अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं और परिणाम के बाद की रणनीति पर भी चर्चा कर रहे हैं, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बहुकोणीय मुकाबले के कारण नतीजे अप्रत्याशित हो सकते हैं। 4 मई को आने वाले नतीजे न केवल अगली सरकार तय करेंगे, बल्कि आने वाले वर्षों के लिएराज्य की राजनीति की दिशा भी निर्धारित करेंगे।

दिनेश त्रिवेदी बांग्लादेश में भारत के अगले हाई कमिश्नर नियुक्त

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का अगला उच्चायुक्त नियुक्त किया गया है, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोमवार को इसकी घोषणा की।

एमईए ने एक बयान जारी कर उनकी नियुक्ति की पुष्टि की। लिखा, 'दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का अगला हाई कमिश्नर नियुक्त किया गया है। वह जल्द ही यह पद संभालेंगे।'

पूर्व केंद्रीय मंत्री के उच्चायुक्त बनने के संकेत पहले ही मिलने लगे थे। 19 अप्रैल को ही भाजपा नेता और पार्टी की आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट के जरिए 'पूर्व केंद्रीय मंत्री और बैरकपुर सांसद रहे दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का उच्चायुक्त नियुक्त किए जाने पर बधाई' दी थी। दिनेश त्रिवेदी काफी अनुभवी राजनेता रहे हैं। उनकी नियुक्ति की टाइमिंग कई मायनों में खास है। ये ऐसे समय में हुई है जब दोनों देश आपसी संबंधों को फिर से सहज करने की कोशिश कर रहे हैं।

त्रिवेदी रेल मंत्री (2011) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। वर्ष 2012 में रेल बजट में यात्री किराया बढ़ाने के प्रस्ताव पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। इस फैसले का ममता बनर्जी ने कड़ा विरोध किया और आखिरकार त्रिवेदी को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। बाद में टीएमसी के कोटे से मुकुल रॉय को रेल मंत्री बनाया गया था।

मध्य प्रदेश विधानसभा से कांग्रेस का वॉकआउट, सरकार पर लगाए आरोप

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा मे नारी शक्ति वंदन को लेकर बुलाए गए एक दिवसीय विशेष सत्र में भाजपा और कांग्रेस विधायकों के बीच जमकर तकरार हुई। कांग्रेस ने भाजपा की ओर से ले गए प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए सदन से वाक आउट किया।

मध्य प्रदेश विधानसभा का एकदिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया। इस सत्र में सरकार की ओर से परिसीमन के बाद महिलाओं को आरक्षण दिए जाने का शासकीय संकल्प लाया गया, जिस पर चर्चा शुरू हुई। इस चर्चा के शुरू होते ही कांग्रेस और भाजपा के विधायकों में तीखी नोंक झोंक भी हुई। कांग्रेस विधायक दल द्वारा महिलाओं को तत्काल प्रभाव से वर्तमान सीटों पर 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए अशासकीय संकल्प लाया गया, जिसे अस्वीकार कर दिया गया। इस पर कांग्रेस विधायकों ने सदन के अंदर जमकर हंगामा किया और वे सदन से वाकआउट कर गए। कांग्रेस की मांग है कि वर्तमान की स्थिति में ही महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। कांग्रेस का आरोप है कि अशासकीय संकल्प को सरकार द्वारा स्वीकार न करना यह स्पष्ट करता है कि भाजपा की मंशा महिला सशक्तिकरण नहीं, बल्कि केवल राजनीतिक दिखावा है। सत्र शुरू होने से पहले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के निवास पर विधानसभा के विशेष सत्र से पूर्व मध्य प्रदेश कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि मध्य प्रदेश कांग्रेस आज विधानसभा में प्रस्ताव लाकर प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों पर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग रखेगी।

नोएडा में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, हजारों लीटर शराब नष्ट

नोएडा। नोएडा में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए हजारों लीटर शराब को नष्ट कर दिया। थाना सेक्टर-142 पुलिस ने न्यायालय के आदेश के अनुपालन में यह कार्रवाई की, जिसमें आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज 64 मामलों से जुड़ी अवैध शराब को पूरी प्रक्रिया के साथ नष्ट किया गया।

जानकारी के अनुसार, इस कार्रवाई के दौरान कुल लगभग 3371 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब, 323 लीटर अवैध बीयर और 406 लीटर अवैध देशी शराब को नष्ट किया गया। यह सभी शराब पिछले वर्षों 2022 से 2024 के बीच दर्ज विभिन्न मामलों में जब्त की गई थी। लंबे समय से यह माल थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया था, जिसे अब कोर्ट के निर्देशानुसार नष्ट कर दिया गया।

इस अभियान को पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशानुसार चलाए जा रहे माल निरस्तीकरण अभियान के तहत अंजाम दिया गया। कार्रवाई पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा और अपर पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। साथ ही सहायक पुलिस आयुक्त सेंट्रल नोएडा तृतीय, थाना सेक्टर-142 के प्रभारी निरीक्षक और आबकारी निरीक्षक गौतमबुद्धनगर की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा किया गया। अवैध शराब को नष्ट करने के लिए जेसीबी मशीन की मदद से गड्ढा खोदा गया, जिसमें शराब की बोतलों को तोड़कर मिट्टी में दबा दिया गया। इस दौरान सभी आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का पालन किया गया, ताकि पर्यावरण और सुरक्षा से जुड़ी किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ सख्ती लगातार जारी रहेगी। इस तरह की कार्रवाइयों का उद्देश्य न केवल कानून व्यवस्था को बनाए रखना है, बल्कि अवैध शराब के सेवन से होने वाले संभावित हादसों और जनहानि को भी रोकना है। नोएडा पुलिस की इस कार्रवाई को अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। अधिकारियों ने साफ किया है कि भविष्य में भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे और अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मध्य प्रदेश सरकार आरटीओ चेक पोस्ट पर हाईकोर्ट के आदेश को देगी चुनौती : परिवहन मंत्री

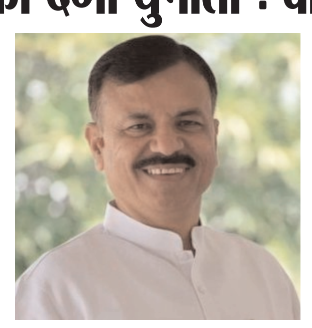

भोपाल। मध्य प्रदेश के परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने सोमवार को कहा कि प्रदेश सरकार सभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) चेक पोस्ट को फिर से खोलने के हाईकोर्ट के निर्देश को चुनौती देगी। उन्होंने कहा कि डिवीजन बेंच में जाने से पहले कानूनी राय ली जा रही है।

मंत्री उदय प्रताप ने राज्य विधानसभा में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हमने विधि विभाग और महाधिवक्ता से मार्गदर्शन मांगा है। सरकार अदालत में अपना पक्ष रखेगी। उन्होंने संकेत दिया कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील तैयार की जा रही है। हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच ने 22 अप्रैल को रजनीश त्रिपाठी की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह 30 दिनों के भीतर सभी बंद पड़े चेक पोस्ट शुरू करे।

न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की बेंच ने कहा कि भारी वाहनों की निगरानी करने, ओवरलोडिंग को रोकने और परिवहन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए भौतिक चेक पोस्ट बहुत जरूरी हैं।

अदालत ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले आश्वासन दिया था कि चेक पोस्ट चालू रहेंगे, लेकिन बाद में 30 जून, 2024 को उन्हें बंद कर दिया गया। हाईकोर्ट ने इसे अदालत के पिछले निर्देशों और सरकार के अपने ही आश्वासन, दोनों का उल्लंघन बताया। आदेश में यह भी कहा गया कि चेक पोस्ट बंद होने से नियमों को लागू करने की प्रक्रिया कमजोर हुई है, सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा है, और बिना अनुमति के चलने वाले परिवहन कार्यों में बढ़ोतरी हुई है।

कलेक्ट्रेट में अधिवक्ता पूरन सिंह की की खुदकुशी, कार में मिला सुसाइड नोट

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल में सोमवार को कलेक्ट्रेट पार्किंग क्षेत्र में एक कार के अंदर अधिवक्ता पूरन सिंह भाकुनी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अधिवक्ता ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है।

घटना के समय कलेक्ट्रेट और जिला न्यायालय परिसर में रोजाना की तरह अधिवक्ता अपने काम में व्यस्त थे। करीब 11:30 बजे कुछ अधिवक्ता पार्किंग क्षेत्र से गुजर रहे थे, तभी उनकी नजर एक कार पर पड़ी। कार के अंदर पूरन सिंह भाकुनी खून से लथपथ हालत में पड़े थे। उनके हाथ में पिस्टल देख मौके पर हड़कंप मच गया और देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटनास्थल से पुलिस को मृतक के हाथ में पिस्टल और कार के डैशबोर्ड पर एक सुसाइड नोट मिला है। शुरुआती जांच में पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मान रही है। हालांकि, सुसाइड नोट की आधिकारिक पुष्टि और पूरी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

सूत्रों के अनुसार, सुसाइड नोट में अधिवक्ता ने अपनी बीमारी से परेशान होने की बात लिखी है। नोट में लिखा वे अब जीवन का बोझ नहीं उठा पा रहे हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से अपने परिवार का ख्याल रखने की अपील की है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वकील के परिजनों को सूचना दे दी गई है। परिजनों के बयान के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही पार्किंग में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर भी मामले की जांच की जाएंगी।

वहीं वकीलों का कहना है कि पूरन सिंह भाकुनी काफी सरल स्वभाव के थे, किसी को विश्वास नहीं हो रहा है कि वो इस तरह का कदम उठा लेंगे। वहां जब भी वे न्यायालय परिसर में आते थे, सबसे अच्छे से बोलते और लोगों की सहायता करने के लिए हमेशा खड़े रहते थे। हम लोग उनके परिजनों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कभी हम लोगों को कुछ बताया भी नहीं था और लोगों को मोटिवेट करने का काम करते थे।

क्या ओपनएआई एआई-पावर्ड स्मार्टफोन बना रहा है? यहाँ बताया गया है कि रिपोर्ट क्या कहती हैं

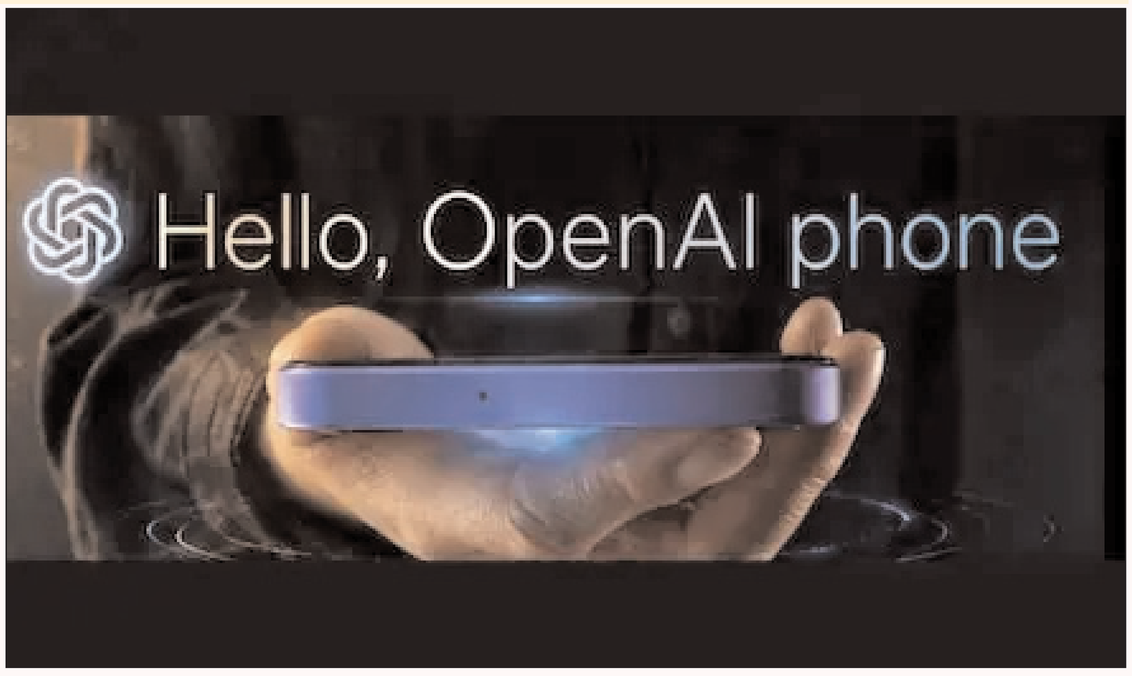

ओपनएआई अपने स्वयं के एआई-पावर्ड स्मार्टफोन के साथ एप्पल और सैमसंग का मुकाबला करना चाहता है जिसे 2028 में कहीं लॉन्च करने की संभावना जताई गई है। विश्लेषक मिंग-ची कुओ ने एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट साझा की है जहाँ उन्होंने बताया है कि ओपनएआई हार्डवेयर श्रेणी में क्या करने की योजना बना रहा है, कैसे एआई इसके विकास का केंद्र होगा और बाजार में इसके डिवाइस के लिए कौन भागीदार होंगे। ओपनएआई विभिन्न एआई उपकरणों की योजना बना रहा है लेकिन रोस्टर में स्मार्टफोन का उल्लेख नहीं किया गया था। कुओ कई वर्षों से एप्पल के बारे में अपनी अंतर्दृष्टि और विवरण साझा करने के लिए प्रतिष्ठित हैं और उनकी विश्वसनीय जानकारी का मतलब है कि ओपनएआई की खबर निस्संदेह लोगों को यह देखने के लिए उत्सुक करेगी कि अगले कुछ वर्षों में यह कथित फोन कैसे आकार लेता है।

ओपनएआई का स्मार्टफोन बनाना चौंकाने वाला नहीं

कुओ का दावा है कि ओपनएआई ने एआई-केंद्रित फोन को पावर देने वाले हार्डवेयर के लिए पहले से ही मीडियाटेक और क्वालकॉम के साथ हाथ मिला लिया है। ओपनएआई एक ऐसा फोन बनाने की आकांक्षा रखता है जो पूरी तरह से एआई एजेंटों द्वारा चलाया जाएगा और आपको डिवाइस का उपयोग करने के लिए विभिन्न प्रकार के ऐप्स की आवश्यकता नहीं होगी जो कि कार्यों को पूरा करने का पारंपरिक तरीका रहा है। कंपनी को लगता है कि एआई आसानी से उनके कर्तव्यों को संभाल सकता है और इसके लिए उसे संचालन और दक्षता को सही ठहराने के लिए एक डिवाइस की आवश्यकता है।

ओपनएआई न केवल इस बात पर नियंत्रण रखेगा कि हार्डवेयर को कैसे डिजाइन और निर्मित किया जाता है बल्कि कार्यों को संचालित करने वाले प्लेटफॉर्म (ओएस) को भी काम करने के लिए तैयार रखेगा। तो ओपनएआई को अन्य सभी संभावित उपकरणों के बीच फोन की आवश्यकता क्यों है? कुओ बताते हैं कि स्मार्टफोन एकमात्र ऐसा उपकरण है जो उपयोगकर्ता की पूरी वास्तविक समय की स्थिति को कैप्चर करता है जो वास्तविक समय के एआई एजेंट अनुमान के लिए सबसे महत्वपूर्ण इनपुट है। और वह इसे आने वाले वर्षों के लिए सबसे बड़े पैमाने की डिवाइस श्रेणी के रूप में देखते हैं।

ओपनएआई स्मार्टफोन कब लॉन्च होगा?

विश्लेषक ने उन समयसीमाओं को नोट किया है जब ओपनएआई फोन का अनावरण किया जा सकता है। मीडियाटेक और क्वालकॉम दोनों को 2026 के अंत या अगले साल की शुरुआत तक डिवाइस के चिप और स्पेसिफिकेशन को अंतिम रूप दे देना चाहिए। लक्सशेयर डिवाइस के लिए मुख्य आपूर्तिकर्ता होगा जो फॉक्सकॉन जैसे स्थापित विक्रेताओं के खिलाफ एक बड़ी चुनौती है।

ओपनएआई को पैसा बनाने की जरूरत है और सिर्फ लोगों को चैटजीपीटी के लिए भुगतान करना कभी भी इसका समाधान नहीं होने वाला था। यह एआई उपकरणों की अपनी श्रृंखला के लिए जोनी इवे के साथ काम कर रहा है ।

चक्कर आना और सिर घूमना एक नहीं, जानें दोनों में क्या है फर्क

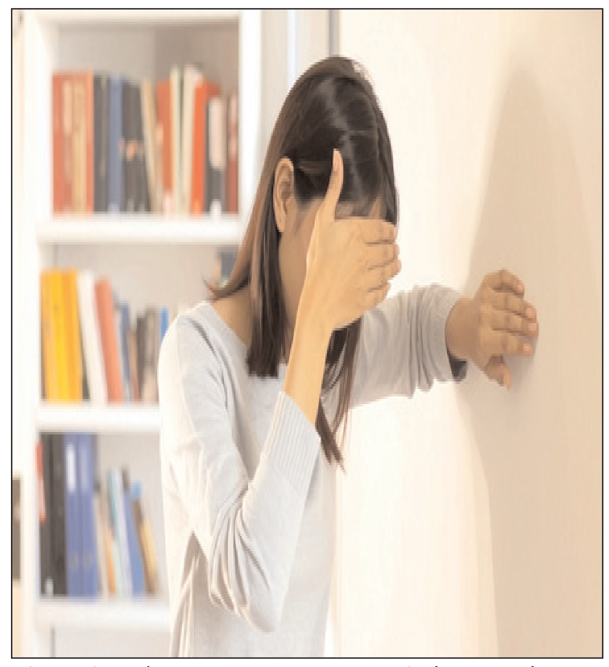

नई दिल्ली। हममें से लगभग हर व्यक्ति ने कभी न कभी चक्कर आने की समस्या जरूर महसूस की होगी। कभी अचानक खड़े होने पर सिर हल्का लगने लगता है, तो कभी ऐसा महसूस होता है, जैसे शरीर अपना संतुलन खो रहा है। कई लोग इसे सामान्य बात मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन असल में यह दो अलग-अलग मेडिकल स्थितियों से जुड़ा हो सकता है, पहला डिजीनेस और दूसरा वर्टिगो। देखने में ये दोनों एक जैसे लगते हैं, लेकिन इनमें अंतर होता है।

मेडिकल साइंस के मुताबिक, डिजीनेस एक सामान्य शब्द है, जिसका मतलब होता है हल्का चक्कर, कमजोरी या असंतुलन महसूस होना। इसमें जरूरी नहीं कि चीजें घूमती हुई लगें। कई बार व्यक्ति को ऐसा लगता है, जैसे वह गिर सकता है या उसे स्थिर खड़े रहने में परेशानी हो रही है। यह समस्या कई छोटे कारणों से हो सकती है।

सबसे आम कारणों में शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन शामिल है। जब शरीर में पानी कम हो जाता है, तो ब्लड प्रेशर गिर सकता है और दिमाग तक सही मात्रा में खून नहीं पहुंच पाता, जिससे चक्कर आने लगता है। इसी तरह अगर किसी व्यक्ति का ब्लड शुगर अचानक कम हो जाए, तो भी उसे कमजोरी और चक्कर महसूस हो सकते हैं। यह खासकर उन लोगों में ज्यादा देखा जाता है, जो लंबे समय तक खाना नहीं खाते या डायबिटीज के मरीज होते हैं।

इसके अलावा, अचानक बैठने या लेटने से खड़े होने पर ब्लड प्रेशर गिर जाना भी एक आम कारण है, जिसे पोस्टुरल हाइपोटेंशन कहा जाता है। एनीमिया यानी शरीर में खून की कमी होने पर भी दिमाग को ऑक्सीजन कम मिलती है, जिससे चक्कर आने लगते हैं। मानसिक तनाव और चिंता भी इस समस्या को बढ़ा सकते हैं। कई बार कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट भी डिजीनेस का कारण बनते हैं।

अब बात करते हैं वर्टिगो की, जो डिजीनेस से अलग स्थिति होती है। वर्टिगो में व्यक्ति को ऐसा महसूस होता है जैसे वह खुद या उसके आसपास की चीजें घूम रही हों, जबकि असल में सब कुछ स्थिर होता है। यह एक अलग तरह का चक्कर है जो शरीर के संतुलन सिस्टम में गड़बड़ी के कारण होता है। वर्टिगो का सबसे आम कारण कान के अंदर मौजूद संतुलन प्रणाली में समस्या होती है। इसे बीपीपीवी कहा जाता है।

प्रसव के बाद बुखार? जानिए कब सामान्य और कब खतरे की घंटी

नई दिल्ली। प्रसव (डिलीवरी) के बाद महिला के शरीर में बहुत सारे बदलाव होते हैं। शरीर कमजोर होता है, हार्मोन बदलते हैं और इम्यून सिस्टम भी थोड़ा कमजोर हो जाता है। ऐसे में हल्का बुखार आना कभी-कभी सामान्य बात हो सकती है, लेकिन हर बुखार को हल्के में लेना भी सही नहीं है। इसलिए यह समझना बहुत जरूरी है कि कब बुखार सामान्य है और कब यह किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है।

डिलीवरी के बाद अगर महिला को हल्का बुखार हो, जैसे 100 डिग्री फारेनहाइट से कम और वह भी 1 से 2 दिन के अंदर ठीक हो जाए, तो अक्सर यह शरीर की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है। कई बार शरीर डिलीवरी के बाद खुद को ठीक कर रहा होता है, उसी दौरान हल्की गर्मी या थकान के साथ बुखार जैसा महसूस हो सकता है। लेकिन, अगर बुखार लगातार बढ़ रहा हो या 3 दिन से ज्यादा बना रहे, तो यह खतरे की घंटी हो सकती है।

प्रसव के बाद बुखार का सबसे आम कारण है यूरिन इन्फेक्शन (यूटीआई)। इसमें पेशाब करते समय जलन, बार-बार पेशाब आना और कभी-कभी दर्द या कंपकंपी भी हो सकती है। दूसरा कारण है जननांग संक्रमण, जिसमें पेट के निचले हिस्से में दर्द, बदबूदार या असामान्य रंग का डिस्चार्ज और भारीपन महसूस हो सकता है।

कई महिलाओं में स्तन में सूजन या इंफेक्शन (मैस्टाइटिस) भी हो जाता है, खासकर जब बच्चा दूध सही तरीके से नहीं पी पाता है। इसमें स्तन लाल, सख्त और बहुत दर्दनाक हो जाता है और साथ में बुखार और शरीर दर्द भी हो सकता है।

अगर महिला की डिलीवरी ऑपरेशन (सीजेरियन) से हुई है, तो सर्जरी वाली जगह पर इंफेक्शन भी हो सकता है। इसमें टांकों के पास लालिमा, दर्द और सूजन हो सकती है। यह स्थिति गंभीर हो सकती है और तुरंत इलाज की जरूरत होती है।

इसके अलावा, कभी-कभी पैरों में सूजन और दर्द के साथ बुखार खून के थक्के का संकेत भी हो सकता है, जो बहुत गंभीर स्थिति होती है। साथ ही, सामान्य वायरल या सांस की इंफेक्शन भी बुखार का कारण बन सकते हैं।अगर बुखार हल्का है, तो आराम करें, हल्का और तरल भोजन लें, शरीर को हाइड्रेट रखें और डॉक्टर की सलाह से इलाज करें। कुछ आयुर्वेदिक उपाय जैसे हल्का गर्म पानी, धनिया का काढ़ा या गिलोय का सेवन भी मदद कर सकता है।

तनाव और थकान को कहना है अलविदा तो आज से ही आजमाएं शवासन

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए योगासन एक बेहद प्रभावी उपाय है। नियमित योगाभ्यास न केवल तनाव और थकान को कम करता है, बल्कि शरीर को एनर्जेटिक भी बनाता है। इनमें सबसे सरल और प्रभावी योगासन है शवासन, जो पूरे शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

शवासन एक विश्राम आसन है। यह एक संस्कृत शब्द है। 'शव' का अर्थ मृत शरीर और 'आसन' का अर्थ है मुद्रा।

इस आसन में व्यक्ति शांत और स्थिर अवस्था में लेटकर शरीर और मन को पूर्ण विश्राम देता है। यह योग का सबसे सरल और प्रभावी आसन है, जो तनाव, चिंता और थकाम को करने में अहम भूमिका निभाता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इस आसन को शरीर और मन को पूर्ण विश्राम देने वाला बताया। उनके अनुसार, यह आसन मानसिक शांति प्रदान करता है और चिंता को कम करता है। साथ ही ब्लड प्रेशर को नियत्रित करने में सहायक है।

इस आसन को योग सत्र के अंत में तनाव, थकान कम करने और एकाग्रता बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह एक मृत देह के समान अवस्था है जो तंत्रिका तंत्र को शांत करता है और गर्मियों के दौरान शरीर को ठंडा रखने के लिए किया जा सकता है।

सबसे पहले योगा मैट बिछाएं और पीठ के बल लेट जाएं। दोनों हाथों को शरीर से थोड़ा दूर, हथेलियां ऊपर की ओर रखें। पैरों को थोड़ा फैलाएं।

आंखें बंद करें और गहरी, सामान्य सांस लें। प्रत्येक सांस के साथ शरीर को और अधिक रिलैक्स महसूस करें। इस दौरान ध्यान केंद्रित करें। मन को शांत रखें और बाहरी विचारों से ध्यान हटाएं। एक्सपर्ट बताते हैं कि 5-10 मिनट तक इस अवस्था में रहने के बाद फिर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में आना चाहिए।

शवासन का नियमित अभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी प्रदान करता है। इसके नियमित अभ्यास से मांसपेशियों में तनाव कम होता है और शरीर में ऊर्जा का संचार होता है।

बच्चों के विकास के लिए सिर्फ हेल्दी डाइट ही नहीं, फिजिकल एक्टिविटी भी है जरूरी

नई दिल्ली। बच्चों के सही विकास के लिए सिर्फ अच्छा खाना ही काफी नहीं है। उसके साथ-साथ रोजाना शारीरिक गतिविधि (फिजिकल एक्टिविटी) भी उतनी ही जरूरी है। अगर ये दोनों चीजें साथ में चलें, तभी बच्चा शारीरिक और मानसिक रूप से बढ़ पाता है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आज की लाइफस्टाइल में बच्चों का ज्यादातर समय मोबाइल, टीवी या टैबलेट के सामने बीत रहा है। पहले बच्चे खेल के मैदान में दौड़ते थे, कूदते थे, क्रिकेट या कोई आउटडोर गेम खेलते थे। लेकिन अब खेलकूद कम हो गया है और स्क्रीन टाइम बढ़ गया है। इसी वजह से बच्चों में मोटापा, आलस और कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। डॉक्टर भी यही कहते हैं कि बच्चों को हर दिन कम से कम 60 मिनट की फिजिकल एक्टिविटी जरूर करनी चाहिए। इसमें दौड़ना, साइकिल चलाना, रस्सी कूदना, योग करना या कोई भी आउटडोर गेम शामिल हो सकता है। इससे शरीर मजबूत बनता है, हड्डियां और मांसपेशियां सही तरीके से विकसित होती हैं और बच्चा एक्टिव रहता है।

सिर्फ एक्सरसाइज ही नहीं, बच्चों का खानपान भी बहुत अहम है। आजकल बहुत से बच्चे जंक फूड की तरफ ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं जैसे चिप्स, बर्गर, पिज्जा, कोल्ड ड्रिंक, चॉकलेट और पैकेट वाले स्नैक्स। ये चीजें स्वाद में तो अच्छी लगती हैं, लेकिन सेहत के लिए नुकसानदायक होती हैं। लगातार ऐसा खाना खाने से मोटापा बढ़ता है और शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।

इसके बजाय बच्चों को घर का बना ताज़ा और संतुलित खाना देना चाहिए। खाने में मौसमी फल, हरी सब्जियां, दालें, मोटा अनाज (मिलेट्स), दूध और सूखे मेवे शामिल करने चाहिए। ये सभी चीजें बच्चों के शरीर को जरूरी विटामिन, मिनरल और एनर्जी देती हैं, जिससे उनका विकास सही तरीके से होता है।

भारत में 2026 के सबसे अधिक डाउनलोड किए गए मोबाइल गेम्स

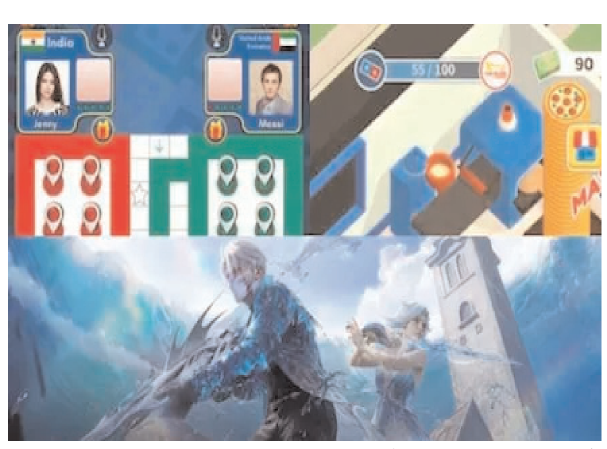

कम समय में मनोरंजक अनुभव देने वाले मुफ्त-खेल (फ्री-टू-प्ले) मोबाइल गेम भारत में बेहद लोकप्रिय बने हुए हैं। सेंसर टॉवर के अनुसार, वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत में सबसे अधिक डाउनलोड किए गए शीर्ष 5 मोबाइल गेम इस प्रकार हैं।

लूडो किंग

लूडो किंग भारत में एक बेहद लोकप्रिय मुफ्त-खेल मोबाइल गेम है और सबसे अधिक डाउनलोड किए जाने वाले गेम्स में शामिल रहा है। पिछले कई वर्षों से यह भारतीय बाजार में डाउनलोड की संख्या के मामले में लगातार शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।

इस वर्ष भी इसकी लोकप्रियता बरकरार है। वर्ष 2026 की पहली तिमाही में लूडो किंग भारत का सबसे अधिक डाउनलोड किया गया मोबाइल गेम रहा। गेमेशन टेक्नोलॉजीज़ द्वारा विकसित इस गेम में लूडो खेलने के चार अलग-अलग तरीके मिलते हैं। आप कंप्यूटर के खिलाफ खेल सकते हैं, स्थानीय और ऑनलाइन बहु-खिलाड़ी (मल्टीप्लेयर) मोड में दूसरों को चुनौती दे सकते हैं, और दोस्तों के साथ निजी ऑनलाइन मैच भी खेल सकते हैं।

फ्री फायर

भारत में अत्यधिक खेले जाने वाले मोबाइल गेम्स में से एक फ्री फायर इस सूची में दूसरे स्थान पर रहा। यह एक तेज-रफ्तार बैटल रॉयल अनुभव वाला मुफ्त-खेल मोबाइल शूटिंग गेम है, जिसमें 50 खिलाड़ी 10 मिनट के मैच में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करते हैं। इसे कम क्षमता वाले स्मार्टफोनों के लिए भी अनुकूलित किया जा सकता है।

वर्ष 2026 की पहली तिमाही में फ्री फायर में OB53 'अंडरसी मिस्ट्री' (समुद्र के नीचे का रहस्य) अद्यतन जोड़ा गया और 'जुजुत्सु अवेकनिंग' (जुजुत्सु जागरण) सहयोग (जुजुत्सु काइसेन के साथ) भी पेश किया गया।

शरीर के इन संकेतों न करें नजरअंदाज, हो सकते हैं मलेरिया के लक्षण

नई दिल्ली। कई बार हमारा शरीर छोटे-छोटे संकेत देता है, लेकिन हम उन्हें आम थकान या मौसम का असर समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन यही लापरवाही आगे चलकर बड़ी परेशानी बन सकती है। खासकर मलेरिया जैसी बीमारी में शुरुआत के लक्षण इतने सामान्य लगते हैं कि लोग समझ ही नहीं पाते कि शरीर अंदर ही अंदर किसी संक्रमण से लड़ रहा है।

आयुष मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर बताया कि मलेरिया में सबसे पहले जो लक्षण दिखते हैं, वो है तेज ठंड लगना और शरीर का कांपना। अचानक ऐसा महसूस होता है जैसे बहुत ज्यादा सर्दी लग गई हो और शरीर बुरी तरह कांपने लगता है। इसके बाद तेज बुखार चढ़ता है, जो कभी-कभी बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। कई लोगों को लगता है कि यह सामान्य वायरल फीवर है, लेकिन मलेरिया में बुखार का पैटर्न थोड़ा अलग होता है।

इसके साथ ही तेज सिरदर्द होना भी आम है। सिर भारी लगने लगता है और किसी काम में मन नहीं लगता। शरीर में कमजोरी और सुस्ती भी बढ़ जाती है, जिससे इंसान दिन भर थका-थका महसूस करता है। कुछ मामलों में उल्टी और मतली भी शुरू हो जाती है, जिससे मरीज और ज्यादा कमजोर हो जाता है।

जैसे-जैसे बुखार उतरता है, वैसे-वैसे शरीर में बहुत ज्यादा पसीना आने लगता है। कपड़े तक भीग जाते हैं और शरीर बिल्कुल थका हुआ महसूस करता है।

जिम्बाब्वे की क्रिकेटर मैरी-ऐन मुसोंडा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मैरी-ऐनी मुसोंडा ने सोमवार को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। 34 वर्षीय मुसोंडा ने आखिरी बार दो साल पहले आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 क्वालीफायर में देश का प्रतिनिधित्व किया था।

संन्यास की घोषणा करते हुए मैरी-ऐनी मुसोंडा ने बताया कि उनके इस फैसले के पीछे सिर्फ मैदान पर उनका प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि और भी कई वजहें थीं।

जिम्बाब्वे क्रिकेट की ओर से जारी एक बयान में मुसोंडा ने कहा, 'बाहर से देखने पर ऐसा लग सकता है कि मुझमें अभी भी खेलने की काफी क्षमता बाकी है, और कई मायनों में ऐसा है भी, लेकिन यह फैसला सिर्फ प्रदर्शन या काबिलियत के आधार पर नहीं लिया गया। इसमें सही समय, नजरिए और शारीरिक स्थिति, तीनों का मेल था। 34 साल की उम्र में मुझे इस बात का ज्यादा एहसास हुआ कि यह सिर्फ इस बारे में नहीं था कि मैं खेलना जारी रख सकती हूं या नहीं, बल्कि यह इस बारे में भी था कि क्या मैं अपने शरीर से बार-बार उसी ऊंचे स्तर पर प्रदर्शन करने की उम्मीद कर सकती हूं। 'मुसोंडा ने अलग-अलग तरीकों से योगदान देने की अपनी बढ़ती इच्छा के बारे में भी बात की, खासकर युवा खिलाड़ियों को सलाह देने और महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने के क्षेत्र में। उन्होंने आगे कहा, 'महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने, युवा खिलाड़ियों को सलाह देने और जिम्बाब्वे में क्रिकेट के विकास में योगदान देने की मेरी भूमिका अब मेरे लिए उतनी ही अहम हो गई है, जितनी कि खुद खेलना। अब यह स्पष्ट हो गया था कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का यही सही समय है। मुसोंडा ने साल 2019 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 58 टी20 मुकाबलों में 25.70 की औसत के साथ 1,054 रन बनाए, जिसमें 5 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं, 16 वनडे मुकाबलों में 22.40 की औसत के साथ 336 रन जोड़े। इसमें 103 रन की नाबाद पारी भी शामिल रही।

साल 2018 में कप्तान नियुक्त की गईं मुसोंडा ने एक उभरती हुई टीम की अगुवाई करने की जिम्मेदारी को बखूबी समझा। उन्होंने कहा, 'जिम्बाब्वे की महिला टीम की कप्तानी करने का मतलब सिर्फ मैच के नतीजों की जिम्मेदारी उठाना ही नहीं था।

महिला टी20: भारत के खिलाफ वोल्वार्ड्ट की कप्तानी पारी, साउथ अफ्रीका ने 4-1 से जीती सीरीज

बेनोनी । साउथ अफ्रीका ने सोमवार को भारतीय टीम के खिलाफ पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 4-1 से अपने नाम की। इस टीम ने विलोमूर पार्क में खेले गए सीरीज के अंतिम मुकाबले को 23 रन से अपने नाम किया।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 155 रन बनाए। इस टीम को सुने लुस और कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 9 ओवरों में 75 रन की साझेदारी की।

सुने लुस 23 गेंदों में 1 छक्के और 2 चौकों के साथ 23 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद टीम ने 82 के स्कोर तक ताजमिन ब्रित्ज (2) और एनेरी डर्कसेन (0) का विकेट भी खो दिया।

यहां से वोल्वार्ड्ट ने एनेके बॉश के साथ चौथे विकेट के लिए 22 गेंदों में 24 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शतक के पार पहुंचा दिया। बॉश ने टीम के खाते में 8 रन का योगदान दिया। क्लो ट्रायॉन ने 12 रन और सिनालो जाफ्टा ने नाबाद 16 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से रेणुका ठाकुर, श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट निकाले।

इसके जवाब में टीम इंडिया निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 132 रन ही बना सकी। भारत की शुरुआत खराब रही। 2.2 ओवरों में टीम को शेफाली वर्मा (4) के रूप में महज 12 के स्कोर पर पहला झटका लगा। इसके बाद अनुष्का शर्मा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने 21 गेंदों में 2 चौकों के साथ 17 रन की पारी खेली। अनुष्का जब आउट हुईं, उस समय टीम का स्कोर 38/3 था।

एशियन बीच गेम्स : महिला कबड्डी टीम ने जीता गोल्ड, पुरुष टीम भी फाइनल में पहुंची

सान्या (चीन)। भारतीय महिला बीच कबड्डी टीम ने सोमवार को यहां एशियन बीच गेम्स के फाइनल में श्रीलंका को आसानी से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, पुरुष टीम ने भी फाइनल का टिकट कटा लिया है।

भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एशियन बीच गेम्स चैंपियन श्रीलंका को 47-31 से हराया। यह एशियन बीच गेम्स के इस संस्करण में भारत का पहला गोल्ड है। इससे पहले, भारतीय महिलाओं ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 50-31 से हराकर पहला मेडल पक्का किया था।

साई (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया), गांधीनगर, ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा, 'चीन के सान्या में इतिहास रचा गया! भारतीय महिला कबड्डी टीम ने चीन में हुए 6वें एशियन बीच गेम्स में श्रीलंका को 47-31 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। यह इन गेम्स में भारत का पहला मेडल है। साई आरसी गांधीनगर नेशनल कोचिंग कैंप में की गई कड़ी मेहनत सच में रंग लाई है।

इस बीच, पुरुषों की टीम ने भी पाकिस्तान पर 50-27 से शानदार जीत हासिल करके फाइनल में जगह बनाई और भारत का दूसरा मेडल पक्का किया। ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) द्वारा आयोजित एशियन बीच गेम्स एक मल्टी-स्पोर्ट इवेंट है जो बीच और तटीय खेलों पर फोकस करता है। पहली बार 2008 में इंडोनेशिया के बाली में हुए इन गेम्स में ऐसे खेल दिखाए गए जो हमेशा एशियन गेम्स में शामिल नहीं होते थे।

एशियन बीच गेम्स आखिरी बार 2016 में वियतनाम के डा नांग में हुए थे।

साईं सुदर्शनः भरोसे का दूसरा नाम, जिन्हें भारतीय टी20 टीम में एक अदद मौके की तलाश

नई दिल्ली। सलामी बल्लेबाज साईं सुदर्शन गुजरात टाइटंस (जीटी) के लिए भरोसे का दूसरा नाम बन चुके हैं। इस सीजन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की लगातार दो पारियों में साईं ने 100 और 87 रन की पारियां खेलकर एक बार फिर से खुद को साबित किया है।

15 अक्टूबर 2001 को चेन्नई में जन्मे एथलीट पिता की संतान साईं सुदर्शन को खेल का हुनर ??विरासत में मिला। उनके पिता ने साउथ एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और मां तमिलनाडु के लिए वॉलीबॉल खेल चुकी हैं।

लंबे कद के इस बल्लेबाज ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) के जरिए पहचान बनाई। वह टीएनपीएल 2021 सीजन में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में दूसरे पायदान पर रहे, उसी साल तमिलनाडु के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट में डेब्यू किया और एक साल बाद रणजी ट्रॉफी में अपना पहला मैच खेला। अपने पहले ही सीजन में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 'नंबर 3' पर एक भरोसेमंद बल्लेबाज के तौर पर चमक बिखेरी। इसके अगले सीजन में विजय हजारे ट्रॉफी में रनों का अंबार लगा दिया।

इसके बाद उन्हें तमिलनाडु के सभी फॉर्मेट की टीमों में शामिल कर लिया गया। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद साईं सुदर्शन पर गुजरात टाइटंस ने भरोसा जताया था। इस फ्रेंचाइजी ने साल 2022 में बाएं हाथ के बल्लेबाज को 20 लाख के बेस प्राइज पर अपने साथ जोड़ा। साईं ने अपने पहले ही सीजन 5 मुकाबलों में 36.25 की औसत के साथ 145 रन बनाए, जिसमें एक अर्धशतकीय पारी भी शामिल थी। इसके बाद अगले सीजन उन्हें 8 मुकाबले खेलने के मौके मिले, जिसमें 51.71 की औसत के साथ कुल 362 रन जुटाए। इस सीजन उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले। आईपीएल 2023 के फाइनल में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 47 गेंदों पर बनाए गए 96 रनों की पारी शायद ही कोई फैन भूल सके। उनकी इस पारी ने जीटी को उसका पहला आईपीएल खिताब दिलाया था।

इंग्लैंड और श्रीलंका के खिलाफ वनडे ट्राई-सीरीज खेलेगी पाकिस्तानी टीम

नई दिल्ली। पाकिस्तान इस साल इंग्लैंड और श्रीलंका के खिलाफ अपने घर पर वनडे फॉर्मेट की ट्राई सीरीज खेलेगा। यह सीरीज वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी में बेहद अहम होगी, जिसमें प्रत्येक टीम की भिड़ंत 1-1 बार दूसरी टीम से होगी। शीर्ष-2 टीमें फाइनल खेलेंगी।

आईसीसी इवेंट्स में पाकिस्तानी टीम के नतीजे अच्छे नहीं रहे थे, जिसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पास नेशनल टीम के लिए कई योजनाएं हैं। साल 2011 में मोहाली में भारत से हारने के बाद से पाकिस्तान वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाया है। वर्ल्ड कप 2015 में पाकिस्तानी टीम क्वार्टरफाइनल से बाहर हो गई थी। इसके बाद अगले दो वर्ल्ड कप (2019 और 2023) में टीम को पहले ही राउंड से बाहर होना पड़ा था।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पास वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी के लिए बड़ी योजनाएं हैं, जिसके तहत इस साल अक्टूबर-नवंबर में इंग्लैंड और श्रीलंका के साथ एक ट्राई-सीरीज खेली जाएगी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इस ट्राई-सीरीज के लिए सहमति दे दी है, और अगले कुछ दिनों में इसकी तारीखें तय कर ली जाएंगी। श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान के दौरे पर होगा, इसलिए वनडे ट्राई-सीरीज टेस्ट मुकाबलों के बाद खेली जाएगी।'

रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है, 'पीसीबी मैनेजमेंट जून में व्हाइट-बॉल हेड कोच माइक हेसन और वनडे कप्तान शाहीन शाह अफरीदी के साथ बैठकर तैयारी की योजनाएं बनाएगा।' ऑस्ट्रेलिया भी इस साल मई-जून में तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करने वाला है।

पाकिस्तानी क्रिकेट टीम ने मार्च में बांग्लादेश के विरुद्ध सीरीज में 6 नए खिलाड़ियों को आजमाया था।

आईटीटीएफ वर्ल्ड टीम चैंपियनशिपः लंदन में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे मनिका और साथियान

लंदन । आईटीटीएफ वर्ल्ड टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 में ओलंपियन मनिका बत्रा, साथियान ज्ञानशेखरन, मानव ठक्कर और हरमीत देसाई 10-सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। यह चैंपियनशिप मंगलवार से लंदन के ओवीओ एरिना वेम्बली में शुरू होगी।

भारतीय पुरुष टीम की अगुवाई वर्ल्ड नंबर-38 मानव ठक्कर कर रहे हैं। इस टीम को स्टेज 1बी के ग्रुप 7 में स्लोवाकिया, ट्यूनीशिया और ग्वाटेमाला के साथ रखा गया है। वहीं, वर्ल्ड नंबर-49 मनिका बत्रा के नेतृत्व में भारतीय महिला टीम ग्रुप 6 में यूक्रेन, युगांडा और रवांडा के साथ मुकाबला करेगी।

इस चैंपियनशिप में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताएं होंगी—स्वैथलिंग कप और कॉर्बिलन कप। प्रत्येक मुकाबले में ज्यादा से ज्यादा पांच सिंगल्स मैच होंगे। किसी मुकाबले को जीतने और अगले दौर में पहुंचने के लिए टीमों को तीन जीत हासिल करनी होंगी।टॉप सीडेड टीमें, जिनमें वर्ल्ड रैंकिंग की शीर्ष सात टीमें और मेजबान इंग्लैंड शामिल हैं, स्टेज 1ए में खेलेंगी। यहां से सभी आठ टीमें सीधे स्टेज 2 में पहुंचेंगी। हालांकि, उनकी क्वालिफिकेशन तय है, लेकिन ग्रुप चरण का प्रदर्शन नॉकआउट सीडिंग तय करेगा।शेष टीमें, जिनमें भारत भी शामिल है, स्टेज 1बी से अभियान शुरू करेंगी। इस चरण से 14 ग्रुप विजेता और छह सर्वश्रेष्ठ उपविजेता सीधे स्टेज 2 में पहुंचेंगे। अन्य आठ दूसरे स्थान की टीमें अंतिम चार नॉकआउट स्थानों के लिए अतिरिक्त प्लेऑफ राउंड खेलेंगी। नॉकआउट चरण राउंड ऑफ 32 से शुरू होगा और फाइनल मुकाबला 10 मई को खेला जाएगा।

साल 2000 में एक स्वतंत्र प्रतियोगिता के तौर पर पहली बार आयोजित हुई वर्ल्ड टीम चैंपियनशिप पर ज्यादातर पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का ही दबदबा रहा है। इस चैंपियनशिप की शुरुआत से लेकर अब तक सर्वाधिक खिताब इसी देश ने जीते हैं। स्वीडन और सिंगापुर ही ऐसे दूसरे देश हैं, जिन्होंने चीन के दबदबे को तोड़ा है, और क्रमशः पुरुषों (2000) और महिलाओं (2010) के खिताब अपने नाम किए हैं।

वर्ल्ड टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीमः

पुरुष टीमः मानव ठक्कर, मानुष शाह, जी साथियान, हरमीत देसाई, पायस जैन।

एएफसी अंडर-17 विमेंस एशियन कप के लिए सूजौ पहुंची भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारत की अंडर-17 महिला राष्ट्रीय टीम सोमवार को एएफसी अंडर-17 विमेंस एशियन कप चीन 2026 से पहले चीन के सूजौ शहर पहुंच गई। इससे ठीक पहले टीम ने ग्रुरुग्राम में आयोजित एक कैंप में हिस्सा लिया था। 21 साल बाद इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम 2 मई को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

2 मई को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच यह मैच शाम 5 बजे से पिच-8 पर खेला जाएगा। इसके बाद 5 मई को शाम 5 बजे पर पिच -4 पर जापान से भारतीय टीम का सामना होगा, जबकि 8 मई को दोपहर 1 बजे से पिच 8 पर लेबनान से टीम इंडिया की भिड़ंत होगी। ये सभी मैच सूजौ ताइहू फुटबॉल स्पोर्ट्स सेंटर की पिच पर खेले जाएंगे।

हर ग्रुप से टॉप-2 टीमें, और सभी ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर-फाइनल में पहुंचेंगी। क्वार्टर-फाइनल जीतने वाली चार टीमें फिर फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप मोरक्को 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगी। एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप चीन 2026 का सीधा प्रसारण एएफसी एशिय कप यू-ट्यूब चैनल पर किया जाएगा। 'यंग टाइग्रेस' सोमवार सुबह, 27 अप्रैल को सूजौ पहुंचीं, और शाम को अपना पहला ट्रेनिंग सेशन करेंगी।

जोहान इमैनुएल ने कतर में इतिहास रचा, क्यूएसटीके 600 चैंपियनशिप जीती

दोहा । भारत के जोहान इमैनुएल ने कावासाकी जेडएक्स-6 पर सवार होकर इतिहास रच दिया। जोहान पहले ऐसे भारतीय बन गए हैं, जिन्होंने प्रतिष्ठित कतर सुपरस्टॉक 600 चैंपियनशिप (क्यूएसटीके) जीती। उन्होंने इस क्लास में अपने पहले ही सीजन के अंतिम राउंड में दोनों रेस जीतकर शानदार समापन किया।

चेन्नई के रहने वाले 19 वर्षीय जोहान इस वीकेंड की दो रेस से पहले चैंपियनशिप लीडर हंगरी के मार्टन बेलेली से 9 प्वाइंट पीछे चल रहे थे, उन्हें खिताब पक्का करने के लिए दोनों रेस जीतना जरूरी था। जोहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐसा ही किया।

क्वालीफाइंग में दूसरे स्थान पर रहने के बाद, जोहान ने भारी दबाव के बावजूद दोनों रेस जीतीं और 21 प्वाइंट की बढ़त के साथ चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। उन्होंने 10 में से 6 रेस जीतकर सीजन खत्म किया, जबकि इस दौरान उन्हें 200 किलोमीटर/प्रतिघंटा की रफ्तार से हुई एक दुर्घटना और मैकेनिकल दिक्कतों के कारण तीन बार रेस से बाहर भी होना पड़ा था।

रेस के बाद जोहान ने 600 सीसी की मशीन पर अपने पहले ही सीजन में अपना पहला इंटरनेशनल खिताब जीतने को एक अविश्वसनीय पल बताया। उन्होंने कहा कि वे इस नतीजे से बहुत खुश हैं और उन्हें लगता है कि उनकी सारी मेहनत और त्याग का आखिरकार फल मिल ही गया। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह उपलब्धि तो अभी आगे आने वाले एक लंबे सफर की बस शुरुआत भर है।

रेस के बाद जोहान ने कहा, '600 सीसी की मशीन पर अपने पहले ही सीजन में अपना पहला इंटरनेशनल खिताब जीतना एक अविश्वसनीय एहसास है। रेस के बाद मैं बहुत उत्साहित था। मेरी सारी मेहनत और त्याग का फल मिल गया, लेकिन यह तो बस शुरुआत है।

थॉमस और उबर कप 2026: भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराकर बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

हॉर्सेंस । पूर्व चैंपियन भारत ने सोमवार को यहां थॉमस और उबर कप 2026 के पुरुषों के ग्रुप ए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है।

भारत ने इस मुकाबले के लिए अपनी टीम में सिर्फ एक बदलाव किया। कनाडा के खिलाफ खेलने उतरी टीम में से किदांबी श्रीकांत की जगह पर एचएस प्रणय को मैच खेलने का मौका मिला। भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। लक्ष्य सेन ने पहले मैच में बेहतरीन खेल दिखाते हुए एप्रैम स्टीफन सैम को 21-14, 21-16 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने मुकाबले में 1-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद एशियन चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट आयुष शेट्टी भी शानदार लय में दिखाई दिए और उन्होंने सिर्फ 26 मिनट में श्रेय ढांड को 21-8, 21-6 से हराकर स्कोर 2-0 कर दिया।

पूर्व एशियन चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने अपनी शानदार फॉर्म को इस मुकाबले में भी जारी रखा।सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी ने रिज्की हिदायत और जैक यू को 21-14, 21-16 से हराकर भारत को 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी। प्रणय ने भी जीत की इस लय को बरकरार रखा और ऋषि होंडा बूपथी को एकतरफा मुकाबले में 21-11, 21-17 से हराकर भारत की बढ़त को 4-0 कर दिया। इसके बाद अंतिम मैच में हरिहरन अम्साकारुनन और एमआर अर्जुन की मेन्स डबल्स जोड़ी ने भी बेहतरीन खेल दिखाया। उन्होंने अंदिका रामादियांस्याह और सैम को 21-12, 21-10 से हराकर भारत को 5-0 से जीत दिलाई।

भारत ने ग्रुप के अपने पहले मुकाबले में कनाडा को 4-1 से हराया था। भारतीय टीम की अगली भिड़ंत अब चीन के साथ 29 अप्रैल को होगी। चीन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5-0 से जीत दर्ज की थी, जबकि कनाडा को 4-1 से हराया था। भारत और चीन के बीच ग्रुप में पहले स्थान पर रहने की जंग होगी। भारत ने 2022 में थॉमस कप का खिताब जीतकर इतिहास रचा था। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में इंडोनेशिया को हराकर अपना पहला खिताब हासिल किया था।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415